

भारतीय रिज़र्व बैंक

बुलेटिन



सितंबर 2020

खंड 74 अंक 9

अध्यक्ष
माइकल देबब्रत पात्र

संपादन समिति
देब प्रसाद रथ
राजीव रंजन
सितीकांत पट्टनाईक
जी. पी. सामंता
पल्लवी चव्हाण
स्नेहल हेरवाडकर
एस. गंगाधरन

संपादक
शशीधर एम. लोकरे

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन संपादकीय समिति के निर्देशन में आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग द्वारा मासिक आधार पर प्रकाशित किया जाता है। इसमें व्यक्त व्याख्याओं और विचारों के लिए बैंक का केंद्रीय निदेशक मंडल उत्तरदायी नहीं है। हस्ताक्षरित लेखों में व्यक्त विचारों के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी हैं।

© भारतीय रिज़र्व बैंक 2020

सर्वाधिकार सुरक्षित।
सामग्री के पुनः प्रयोग की अनुमति है,
बशर्ते स्रोत का उल्लेख किया जाए।

बुलेटिन के सदस्यता शुल्क के लिए कृपया “भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के महत्वपूर्ण प्रकाशन” खंड देखें।

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन को इंटरनेट के माध्यम से
<http://www.bulletin.rbi.org.in> पर भी देखा जा सकता है।

विषय-वस्तु

भाषण

बैंकों के लिए गहरे आत्ममंथन का समय : कोविड के बाद बैंकिंग का पुनरभिमुखीकरण शक्तिकांत दास	1
--	---

लेख

सूक्ष्मवित्त: समाज के दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच	5
हालिया मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं से व्युत्पन्न मुद्रास्फीति पूर्वानुमान: पूर्वव्यापी विश्लेषण	15
आयात उपायों की प्रभावकारिता : चुनिंदा वस्तुओं का विश्लेषण	25

वर्तमान सांख्यिकी	37
--------------------------	-----------

हाल के प्रकाशन	83
-----------------------	-----------

अनुपूरक

वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

भाषण

बैंकों के लिए गहरे आत्ममंथन का समय :
कोविड के बाद बैंकिंग का पुनरभिमुखीकरण
शक्तिकांत दास

बैंकों के लिए गहरे आत्ममंथन का समय : कोविड के बाद बैंकिंग का पुनरभिमुखीकरण *

शक्तिकांत दास

दुनिया अभी भी कोविड-19 महामारी की चपेट में है। महामारी ने अब तक दुनिया भर में 2.3 करोड़ से अधिक लोगों को संक्रमित किया है और 8 लाख से अधिक लोगों की जान ले ली है। दुनिया इस घातक वायरस की वैक्सीन और / या इलाज की खोज में संघर्षरत है। भारत में भी महामारी का प्रसार अबाध जारी है, हालांकि मृत्यु दर बहुत कम है।

महामारी की विनाश लीला का आर्थिक आकलन बड़ा ही कठिन है। यद्यपि नई कोपलें फूट रही हैं और कुछ बिजनेस महामारी से पहले की स्थिति में वापस आ रहे हैं, पर महामारी की दीर्घता व तीव्रता और अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव चिंता का कारण बना हुआ है। महामारी को देखते हुए रिजर्व बैंक ने आगे आकर ब्याज दर कटौतियों, उच्चतर संरचनात्मक व टिकाऊ चलनिधि, ऋण की चुकौती पर अधिस्थगन, आस्ति वर्गीकरण यथास्थिति तथा दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान के लिए हमारे विवेकपूर्ण ढांचे के अंतर्गत हाल में लाए गए विशेष समाधान ढांचे (स्पेशल रिजॉल्यूशन) के रूप में अब तक विभिन्न चलनिधि, मौद्रिक, विनियामकीय और पर्यवेक्षी उपाय घोषित किए हैं।

हितधारकों के साथ परामर्श करके एक सुविचारित ढांचे के रूप में इस निर्णय का लक्ष्य एक ओर जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा व वित्तीय स्थिरता के बीच संतुलन बनाने तथा दूसरी ओर कोविड-19 महामारी द्वारा प्रभावित व्यवसाय व व्यक्तियों को टिकाऊ राहत देकर अर्थक्षम व्यवसाय के आर्थिक मूल्य को बनाए रखना है। बैंकों से हमारी प्रत्याशा है कि उपर्युक्त उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए वे कुशलता व सावधानीपूर्वक समाधान

योजनाओं को लागू करें। कर्जों पर अधिस्थगन लॉकडाउन के संदर्भ में जहाँ एक अल्पकालिक हल था; वहीं कोविड से जुड़े दबाव झेल रहे उधारकर्ताओं को समाधान ढाँचे से दीर्घावधि राहत मिलने की उम्मीद है।

कोविड-19 से उत्पन्न परिस्थितियों के प्रति रिजर्व बैंक का रेस्पॉन्स अभूतपूर्व रहा है। रिजर्व बैंक द्वारा उठाए गए कदम कोविड की स्थिति विशेष से निपटने के लिए हैं और ये हमेशा के लिए नहीं हो सकते। कोविड -19 पर नियंत्रण के बाद, मैं दुबारा कह रहा हूँ, कोविड-19 नियंत्रण के बाद की अवधि में, रिजर्व बैंक द्वारा उठाए गए विभिन्न प्रतिक्रियीय उपायों को क्रमिक रूप से वापस लिए जाने के मार्ग पर बहुत ही सावधानी से चला जाए और विनियामक छूटों व अन्य उपायों पर आश्रित हुए बिना वित्तीय क्षेत्र सामान्य कामकाज पर वापस लौट आए।

अपने संबोधन में आज मैं निम्नलिखित विषय पर केंद्रित रहूँगा: बैंकों के लिए यह गहरे आत्ममंथन का समय है: कोविड-19 बाद बैंकिंग का पुनरभिमुखीकरण। जिस प्रकार महामारी से मुकाबले में प्रमुख कुंजी है, आबादी की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना, उसी प्रकार वर्तमान महामारी जैसे बाहरी आघातों को सहने की बैंकों की आंतरिक क्षमता का ठोस विकास दीर्घावधि वित्तीय स्थिरता की कुंजी होगा। जैसा कि मैंने अन्यत्र कहा है, बैंकों के कमजोर होने के निम्नलिखित में से एक या एकाधिक कारण हो सकते हैं: परिदृश्य के अनुपयुक्त कारोबारी मॉडल; अभिशासन एवं निर्णय की गुणवत्ता या अभाव; बाहरी शेयरधारक/ हितधारक के हितों एवं आंतरिक प्रोत्साहन संरचनाओं में विसंगति¹ और अन्य कारण। इस प्रकार सुदृढ़ बैंकों के केंद्र में अच्छा अभिशासन, प्रभावी जोखिम प्रबंधन और मजबूत आंतरिक नियंत्रण होते हैं। कहने का तात्पर्य यह नहीं है कि भारतीय बैंकों के पास अच्छा अभिशासन और जोखिम प्रबंधन प्रणालियां नहीं हैं। सुधार की गुंजाइश हमेशा होती है और ये वो क्षेत्र हैं जिन पर आगे चलकर अधिक ध्यान देने की जरूरत है।

* अनलॉक बीएफएसआई 2.0 विथ बिजनेस स्टैंडर्ड में 27 अगस्त, 2020 को भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर, श्री शक्तिकांत दास द्वारा दिया गया मुख्य संबोधन।

¹ बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बासेल समिति (जुलाई 2015): कमजोर बैंकों को पहचानने और उनसे निपटने के दिशानिर्देश।

हाल के वर्षों में, बैंकों का कारोबारी परिदृश्य काफी बदल गया है। आज बैंकों को उदीयमान क्षेत्रों को तलाशने की जरूरत है और साथ ही उन क्षेत्रों को सपोर्ट करना है जो उठ खड़े हो सकते हैं। उदाहरण के लिए बैंकों को ग्रामीण क्षेत्रों में उन संभावित कारोबारी अवसरों पर ध्यान देना है जो सपोर्ट की कोशिशों के बावजूद अनन्वेषित रहे हैं। उन्हें स्टार्टअप्स पर ध्यान देना होगा, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों; लॉजिस्टिक्स; मूल्य श्रृंखलाओं और संभावनाओं वाले ऐसे अन्य क्षेत्रों पर। बैंकिंग क्षेत्र को न केवल अर्थव्यवस्था की वृद्धि में सहायक की भूमिका का दायित्व निभाना है, बल्कि अपना रोटी भी कमाना है। अतः कारोबारी रणनीति पर समग्रता से पुनर्विचार और दिशा का निर्धारण समय की मांग है।

व्यवसाय के टर्नओवर में स्केल से मात्रा का प्रभाव देखने को मिलता है परंतु इसके लिए पहले बैंकों का आकार बड़ा होना चाहिए। राष्ट्रीयकरण के पश्चात बैंकिंग क्षेत्र में हुए कई सुधारों के बावजूद अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है। बदलते समय के साथ सुधारों के स्वरूप को पुनर्निर्धारित किए जाने की आवश्यकता है। नरसिंहम समिति के सुझावों के अनुसार बैंकों के समेकन के लिए उठाए गए वर्तमान कदम सही दिशा में हैं। इस प्रकार भारतीय बैंक पैमाने (स्केल) का लाभ उठा सकते हैं और विश्व भर में कारोबार के नए अवसरों में हिस्सेदार हो सकते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्र में बड़े व अधिक सक्षम बैंक वैश्विक बैंकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर स्पर्धा कर सकते हैं और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एक अच्छा स्थान बना सकते हैं।

आकार आवश्यक है लेकिन सक्षमता और भी अधिक महत्वपूर्ण है। तथापि सक्षमता की अवधारणा अधिक व्यापक है और इसमें कई अन्य कारकों के साथ विकसित होने और कार्य करने की आवश्यकता होती है। पूर्वशर्त होगी तकनीक का प्रयोग। वैश्विक स्तर पर कारोबार का जो आकार और विविधता हम चाहते हैं, हमारी तकनीक में वही गुणवत्ता और मेधा होनी चाहिए। तकनीक के प्रयोग को लेन-देन आधारित से हटकर व्यवसायोन्मुखी होना होगा। वैश्विक खिलाड़ियों से टक्कर लेने के लिए हमारे पास तकनीकी तरकस में बिग डेटा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व मशीन लर्निंग आदि जैसे काफी तीर हैं जिसका प्रयोगकर हम अपने चारों ओर उपलब्ध सृजनात्मकता का लाभ उठा सकते हैं।

बैंकों के स्वास्थ्य और बैंकिंग की क्वालिटी बेहतर करने की नई तरकीबों पर विचार करते समय अभिशासन संस्कृति और जोखिम प्रबंधन की प्रणालियों में सुधार मूलभूत तत्व है। रिजर्व बैंक ने 'वाणिज्यिक बैंकों में अभिशासन (गवर्नेंस इन कमर्शियल बैंक्स)' पर एक चर्चा पत्र जारी किया है ताकि इस पर हितधारकों की राय जानी जा सके। आदर्श तो यह है कि कार्यक्षमता का स्वामित्व से कोई संबंध ना हो। यद्यपि यह स्वाभाविक है कि पूँजी लगाने वाले या निवेशक इस बात में रुचि रखना चाहेंगे कि बैंक कैसे चल रहा है पर यह बेहतर है कि बैंक के प्रबंधन और बोर्ड को बैंक के कार्यों को पेशेवर और स्वायत्त ढंग से चलाने का अवसर दिया जाए। मालिक और पेशेवर दृष्टि से अच्छे प्रबंधन व बोर्ड में पर्याप्त दूरी बैंकिंग संस्थाओं की सुदृढ़ता को बढ़ावा देगा।

नए कारोबारी मॉडलों में नए जोखिम होंगे। यह बात तब और लागू होती है जब बैंक बड़े हो जाते हैं और विभिन्न क्षेत्राधिकारों में जुड़ जाते हैं। अपनी ताकत व कमजोरियों की सही समझ हो तो कारोबार के नए मॉडल अपनाकर हम ऊँची वृद्धि प्राप्त कर सकते हैं। जोखिम से ज्यादा कतराना अपने को बचाने का एक तरीका हो सकता है पर यह अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा होगा क्योंकि इससे लाभ पर भी असर पड़ेगा। जोखिम को हजम करने की बैंकों की अपनी-अपनी नपी-तुली क्षमता के मुताबिक जोखिम की प्रवृत्ति होनी चाहिए। जोखिम प्रबंधन प्रणाली इतनी विकसित हो कि विभिन्न कारोबारों में पनप रही कमजोरियों को समय रहते भांप ले और बाह्य परिदृश्य के बदलाव व सर्वोत्तम तौर-तरीकों के बीच मौजूदा जोखिमों को दर्शाने लायक गतिमान भी रहे।

जोखिम प्रबंधन क्षेत्र में साफ़ तौर पर दिखने वाली चिंता की एक बात ऑपरेशनल जोखिमों को संभालने की अक्षमता है, विशेषतः साइबर संबंधी व अन्य धोखाधड़ियों को रोकने के मामले में। हाल के समय में फ्रॉड के अधिक मामले जो आए हैं उनकी जड़ें, लोन की मंजूरी और मंजूरी के बाद की मॉनिटरिंग दोनों में बैंकों के सक्षम जोखिम प्रबंधन को लेकर उतनी नहीं है। यह देखा गया है कि जब तक फ्रॉड का पता चलता है तब तक कई महीने बीत चुके होते हैं। हामीदारी (अंडरराइटिंग) और

ऋण निगरानी में बैंकों को अपने मानकों को अधिक सख्त करना होगा तथा धोखाधड़ियों की घटनाओं में कमी लाने के लिए यह सुनिश्चित करना होगा कि इनका जल्दी पता लगाया जाए एवं साथ ही धोखेबाजों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई प्रारंभ कर दी जाए। यहाँ भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीक के उपयोग की आवश्यकता है जिससे ऐसी घटनाओं के पैटर्न और उनके बार-बार होने की असली वजह का अध्ययन किया जा सके।

एक प्रभावी पूर्व चेतावनी प्रणाली और दूरदर्शी दबाव परीक्षण (फॉरवर्ड-लुकिंग स्ट्रेस टेस्टिंग) ढाँचा बैंकों के जोखिम प्रबंधन ढाँचे का एक अभिन्न अंग होना चाहिए। बैंकों के पास यह क्षमता हो कि अपने उधारकर्ताओं पर पड़ने वाले दबाव के प्रारंभिक संकेतों को पकड़ लें, और अग्रसक्रिय हो कर सुधार के ऐसे कदम उठाएं, जिसका लक्ष्य आस्तियों के मूल्य को संरक्षित करने वाला एक व्यवहार्य समाधान हो न कि बैंकों की बैलेंस शीट पर महज अल्पकालिक दबाव में कमी।

एक मजबूत जोखिम संस्कृति के अलावा, बैंकों के पास उचित अनुपालन संस्कृति भी होनी चाहिए। अनुपालन की लागत को एक निवेश माना जाए, क्योंकि इसमें कमी बहुत महंगी साबित होगी। बैंकों की अनुपालन संस्कृति में कानूनों, नियमों, विनियमों और विभिन्न आचार संहिताओं का पालन सुनिश्चित किया जाए। कानूनी बाध्यता से आगे बढ़कर अनुपालन में सत्यनिष्ठा और नैतिक आचरण² के व्यापक मानकों को अपनाने का प्रयास करना चाहिए। मोटे तौर पर अनुपालन संस्कृति की मूल विशेषताएं वही हैं जो जोखिम संस्कृति की। इनसे बाजार में प्रतिष्ठा उँची बनाए रखने में मदद मिलेगी, जो ग्राहकों को बनाए रखने और निवेशकों के बीच उच्च मूल्यांकन पाने के लिए जरूरी है।

एक अच्छे अभिशासन तंत्र तथा प्रभावी जोखिम व अनुपालन की संस्कृति के पूरक के रूप में आंतरिक लेखा परीक्षा वाली एक सुदृढ़ आश्वासन प्रणाली होनी चाहिए। यह अच्छे कॉरपोरेट प्रशासन का एक अभिन्न अंग है, जिससे बैंक के बोर्ड

के साथ बाहरी हितधारकों को भी अलग से एक आश्वासन मिले कि इस संस्था का संचालन निर्धारित नीतियों और प्रक्रियाओं के अनुसार होता है।

पिछले कुछ वर्षों से भारतीय बैंकिंग तंत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है और जब तक बैंक अपने लक्ष्य ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा नहीं करते हैं, तब तक एक सुविचारित व्यवसाय मॉडल के भी सफल नहीं होने की संभावना है। इस संदर्भ में, ग्राहक सेवा की गुणवत्ता और ग्राहकों की शिकायतों के निवारण का बहुत महत्व है। हमें यह पहचानना होगा कि बैंक ग्राहकों के लिए हैं, अर्थात् जमाकर्ताओं और उधारकर्ताओं दोनों के लिए।

भारत की बैंकिंग और वित्तीय प्रणाली ने कोविड और लॉकडाउन में जबरदस्त परिचालनीय समुत्थानशक्ति दिखाई है। आगे चलकर, भारत के वित्तीय संस्थानों को वित्तीय प्रणाली की दीर्घकालिक स्थिरता के संरक्षण के वृहत् उद्देश्य के अंतर्गत समुत्थान का पोषण करने की कठिन राह से गुजरना होगा। वर्तमान महामारी से जुड़े झटकों से बैंकों की बैलेंस शीट पर और अधिक दबाव पड़ने की संभावना है जिससे उनकी पूंजी का क्षरण हो सकता है। अग्रसक्रियता से बफर बनाना और पूंजी जुटाना न केवल क्रेडिट प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए बल्कि वित्तीय प्रणाली – विभिन्न बैंकों व वित्तीय संस्थाओं के साथ संपूर्ण वित्तीय क्षेत्र भी - की समुत्थानशक्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। हमने पहले ही सभी बैंकों, डिपॉजिट नहीं लेने वाली बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और सभी डिपॉजिट लेने वाली एनबीएफसी को अपने बैलेंस शीट, आस्तित्व गुणवत्ता, चलनिधि, एसेट क्वालिटी, लिक्विडिटी, लाभअर्जकता और कैपिटल पर्याप्तता पर कोविड -19 के प्रभाव का आकलन करने को कहा है। इस तरह के तनाव परीक्षण के परिणामों के आधार पर, बैंकों और एनबीएफसी को पूंजीगत योजना, पूंजी जुटाने और आकस्मिक चलनिधि योजना को शामिल करते हुए शमनकारी उपाय तैयार करने चाहिए। प्रारंभ में ही (अपफ्रंट) पूंजी डालने से निवेशकों और अन्य हितधारकों के मनोभावों पर अच्छा असर पड़ेगा, तथा मध्यम से दीर्घावधि में घरेलू व विदेशी दोनों निवेशकों के लिए सेक्टर समान रूप से आकर्षक बना रहेगा। कुछ बैंक पहले ही पूंजी जुटा चुके हैं या जुटाने की घोषणा

² बैंक ऑफ इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (अप्रैल 2005): कॉम्प्लाइंस एंड कॉम्प्लाइंस फ्रेशन्स इन बैंक्स

कर चुके हैं। इस प्रक्रिया को सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में बैंकों और एनबीएफसी को पूरी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

अंत में, मैं कहना चाहूंगा कि कोविड -19 बैंकों और वित्तीय क्षेत्र के लिए कई चुनौतियां ले आया है। विभिन्न मोर्चों पर

अग्रसक्रिय कार्रवाई - जिनमें से कुछ पर मैंने प्रकाश डाला है - हमें इन चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने और भारतीय बैंकिंग प्रणाली की सुदृढ़ता बनाए रखने में सक्षम बनाएगी। मुझे युद्ध और शांति में लियो टॉल्स्टॉय के एक उद्धरण की याद आती है: "युद्ध वे जीतते हैं, जिनमें जीतने का दृढ़ संकल्प होता है।"

लेख

सूक्ष्मवित्त: समाज के दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच

हालिया मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं से व्युत्पन्न मुद्रास्फीति पूर्वानुमान:
पूर्वव्यापी विश्लेषण

आयात उपायों की प्रभावकारिता : चुनिंदा वस्तुओं का विश्लेषण

सूक्ष्मवित्त: समाज के दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच*

भारत में सूक्ष्मवित्त क्षेत्र परिवर्तन से गुजर रहा है। कोविड-19 के कारण नई चुनौतियों और महत्वपूर्ण वित्तीय जोखिम सामने आई हैं। इससे दीर्घकालिक आघात सहनीयता बनाने का अवसर भी प्राप्त हुआ है।

परिचय

भारत में सूक्ष्मवित्त आर्थिक पिरामिड के सबसे नीचे तबके को ऋण देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने जमीनी स्तर से जुड़ने के कारण, सूक्ष्मवित्त आय उपार्जन करने वाली गतिविधियों का समर्थन करने और ग्रामीण और शहरी दोनों भौगोलिक क्षेत्रों में आजीविका को प्रभावित करने में सक्षम है। इसके अलावा, सूक्ष्मवित्त महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में कार्य करता है जो अपने उधारकर्ता आधार का सबसे बड़ा हिस्सा है।

आंध्र प्रदेश (ए.पी.) में कुछ सूक्ष्मवित्त संस्थाओं (एमएफआई) द्वारा कदाचार की सूचना के कारण सूक्ष्मवित्त क्षेत्र को 2010-11 की दूसरी छमाही में मंदी का तथा परिणामस्वरूप राज्य सरकार द्वारा विधि प्रतिसादों¹ का सामना करना पड़ा। इन घटनाक्रमों के साथ इस क्षेत्र में बढ़ते चूक अनुपात और रेटिंग एजेंसियों द्वारा डाउनग्रेड से निपटना था। 99 प्रतिशत की वसूली दर कथित तौर पर मामूली 10 प्रतिशत तक गिर गई, जिससे भारी एनपीए हुआ, जिसके कारण एमएफआई (सिन्हा, 2012) का कामकाज दबावग्रस्त हुआ। 2016 में फिर से, नकदी-प्रधान एमएफआई के ऋण संबंधी चूक में वृद्धि हुई, जिसके बाद 2017 में राज्य के चुनाव और कृषि ऋण माफी की घोषणाओं के कारण स्थानीय व्यवधान आए। 2018 में, इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल

* यह लेख भारतीय रिजर्व बैंक, पर्यवेक्षण विभाग के सिन्मरदीप सिंह ने तैयार किया है। इस लेख में व्यक्त किए गए विचार लेखक के हैं और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। सामान्य अस्वीकरण लागू है।

¹ आंध्र प्रदेश सरकार ने दिसंबर 2010 में आंध्र प्रदेश सूक्ष्मवित्त इंस्टीट्यूट्स (मनी लेंडिंग का विनियमन) अधिनियम बनाया, जिसमें एमएफआई का अनिवार्य पंजीकरण, उधारकर्ताओं को प्रभावी ब्याज दर का प्रकटीकरण, ब्याज दरों पर अधिकतम सीमा और अन्य प्रावधानों के साथ-साथ बलपूर्वक वसूली प्रथाओं के लिए कठोर दंड निर्धारित किया गया था।

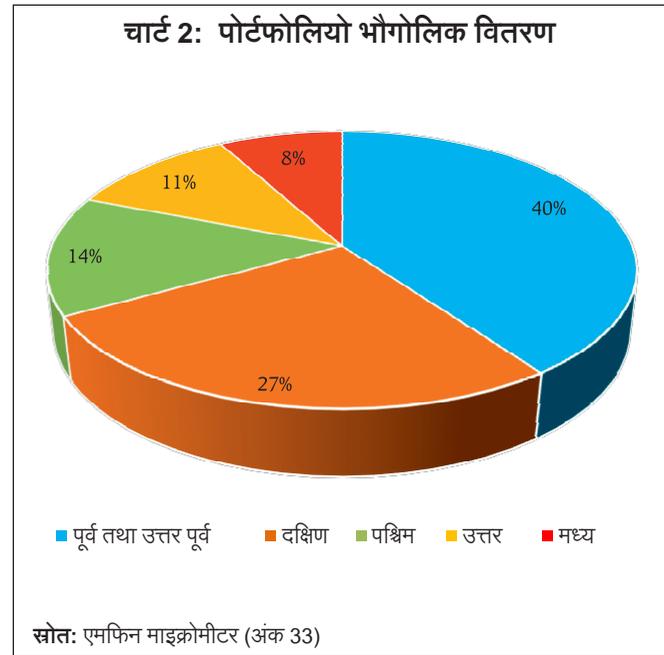
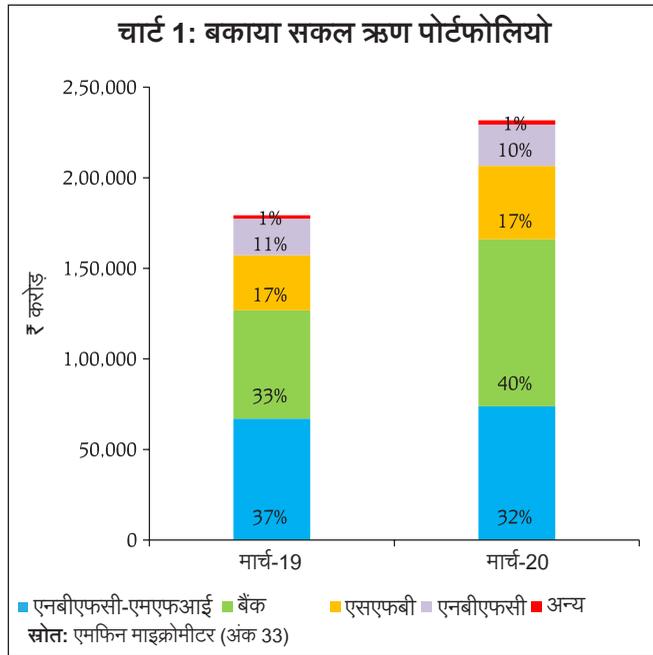
सर्विसेज (आईएल एंड एफएस) में बढ़ी हुई जोखिम धारणा और परिणामस्वरूप चलनिधि की स्थिति में कसाव के कारण हुई असफलता ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी, सूक्ष्मवित्त संस्थाओं (एनबीएफसी-एमएफआई) के फंडिंग प्रोफाइल को प्रभावित किया। केरल में बाढ़ जैसे पर्यावरणीय घटनाओं और असम में सामाजिक-राजनीतिक घटनाओं से भी स्थानीय संकट हुआ। कोविड-19 की शुरुआत से सूक्ष्मवित्त क्षेत्र, फिर से अपनी लचीलेपन की परीक्षा का सामना कर रहा है।

लेख का भाग II सूक्ष्मवित्त क्षेत्र, उसके आकार और पहुँच के वर्णन से शुरू होता है। एमएफआई के ऋण पोर्टफोलियो का विश्लेषण भाग III में टेल रिस्क घटनाओं के संदर्भ में किया जाता है। भाग IV में अधिक स्थानीयकृत के सामाजिक-राजनीतिक और पर्यावरणीय घटनाओं के प्रभावों का विस्तृत वर्णन है। एमएफआई के ऋण पोर्टफोलियो का स्वरूप आईएल एण्ड एफएस घटनाओं के परिणाम और एनबीएफसी -एमएफआई के फंडिंग प्रोफाइल में परिणामी परिवर्तन की जाँच भाग V में की गयी है। कोविड-19 के कारण से चुनौतियों की भाग VI में चर्चा की गयी है जबकि भाग VII में लेख समाप्त होता है।

II. सूक्ष्मवित्त क्षेत्र

एमएफआई में कम आय वाले समूहों को ऋण देने वाली कई वित्तीय संस्थाएं शामिल हैं। सूक्ष्मवित्त ऋणों की अनिवार्य विशेषताएं यह हैं कि वे छोटी मात्रा, अल्पावधि, बिना जमानत पर दिए गए हैं और ऋण चुकौती की अवधि पारंपरिक वाणिज्यिक ऋणों से अधिक है। यह ऋण आम तौर पर आय उपार्जन करने वाली गतिविधियों के लिए लिया जाता है, हालांकि उन्हें खपत, आवास और अन्य उद्देश्यों (आरबीआई, 2011) के लिए भी प्रदान किया जाता है। एमएफआई का समग्र सकल ऋण पोर्टफोलियो (जीएलपी), यानी, सूक्ष्मवित्त उधारकर्ताओं को दिए गए ऋणों की बकाया राशि 31 मार्च 2019 तक के ₹1.79 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 31 मार्च 2020 (चार्ट 1) तक ₹ 2.32 लाख करोड़ रुपये हो गई।

एनबीएफसी-एमएफआई और अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एससीबी) के पास सूक्ष्मवित्त पोर्टफोलियो का एक बड़ा हिस्सा है, जिसमें 31 मार्च 2020 तक इनकी 72 प्रतिशत संयुक्त हिस्सेदारी



है। शेष लघु वित्त बैंकों (एसएफबी), एनबीएफसी और अन्य (जिसमें लाभ रहित एमएफआई भी शामिल है) के पास है। जबकि एनबीएफसी-एमएफआई ने 31 मार्च 2019 तक जीएलपी के संदर्भ में पोल पोजिशन को बनाए रखा, उन्होंने 2019-20 के दौरान एससीबी को बाजार में हिस्सेदारी दी, जिसका मुख्य कारण एससीबी² के साथ बड़े एनबीएफसी-एमएफआई के विलय को माना जा रहा है। एमएफआई वाले मॉडल के अलावा, नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड) ने स्वयं सहायता समूह-बैंक लिंकेज प्रोग्राम (एसएचजी-बीएलपी) की शुरुवात की है, जो समग्र सूक्ष्मवित्त जगत में भी योगदान देता है। 31 मार्च, 2020³ तक 56.77 लाख एसएचजी थे, जिनमें एसएचजी-बीएलपी के अंतर्गत ₹1.08 लाख करोड़ का ऋण बकाया था।

भौगोलिक प्रसार के संदर्भ में, पूर्व, उत्तर-पूर्व और दक्षिण भारत में एमएफआई के ऋण पोर्टफोलियो का 67 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि शेष 33 प्रतिशत पश्चिम, उत्तर और मध्य भारत (चार्ट 2) में फैला हुआ है। विभिन्न राज्यों में से तमिलनाडु में सूक्ष्मवित्त ऋण पोर्टफोलियो का सबसे बड़ा हिस्सा है, उसके बाद पश्चिम बंगाल और बिहार।

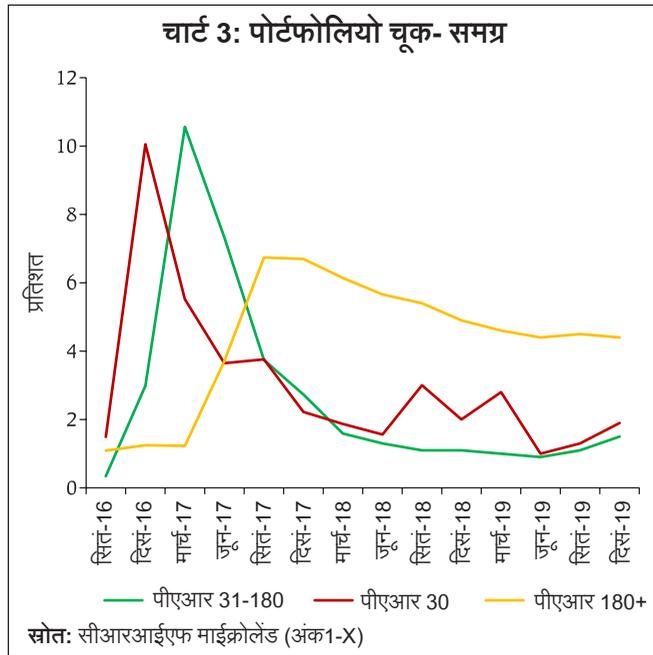
² 04 जुलाई 2019 से भारत फाइनेंशियल इन्क्लूजन लिमिटेड (बीएफआईएल) का इंडसट्रियल बैंक में समावेलन।

³ स्रोत: नाबार्ड, भारत में सूक्ष्मवित्त की स्थिति, 2019-20।

III. पोर्टफोलियो चूक: विमुद्रीकरण अनुभव

एमएफआई काफी हद तक ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में काम करते हैं। ऐसे क्षेत्रों में डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर की पहुंच कम है और इंटरनेट कनेक्टिविटी खराब है। एक्सेस की यह कमी के कारण सूक्ष्मवित्त उधारकर्ताओं के बीच साक्षरता का स्तर कम है, जो आम तौर पर दैनिक मजदूरी कमाने वाले हैं और नकदी में लेनदेन करते हैं। इसलिए, एमएफआई परिचालन पारंपरिक रूप से नकदी में रहे हैं। परिणामस्वरूप, नवंबर 2016 में विमुद्रीकरण के कारण एमएफआई क्षेत्र पर नकदी की कमी का संकट आया।

तीन अलग-अलग बकेट, यानी, पीएआर 1-30 (1-30 दिन अतिदेय), पीएआर 31-180 (31-180 दिन अतिदेय) और पीएआर 180 + (180 दिनों से अधिक अतिदेय) के साथ ऋण चूक को मापने के लिए जोखिम पर पोर्टफोलियो (पीएआर) का उपयोग किया गया है। पीएआर बकेट के पॉइंट-इन-टाइम वैल्यूज को तिमाही विराम में दर्शाया गया है, जो सितंबर 2016 से शुरू होकर दिसंबर 2019 तक है (चार्ट 3)। विमुद्रीकरण के कारण पीएआर 1-30 के स्तर में ऋण संग्रह प्रभाव के कारण अचानक वृद्धि हुई, जो दिसंबर 2016 के अंत में बढ़कर लगभग 10 प्रतिशत हो गई, जो पिछली तिमाही के अंत में इसी मूल्य के लगभग 7 गुना



है। चूँकि बाद के महीनों में नकदी की स्थिति सुधरी और ऋण संग्रह में सुधार हुआ, इसलिए पीएआर 1-30 मूल्यों में तेज वसूली हुई, जो कि जून 2017 के अंत में 3.7 प्रतिशत और जून 2018 के अंत में 1.6 प्रतिशत पर रह गया। दिसंबर 2016 के अंत में पीएआर 1-30 बकेट में देखी गई प्रारंभिक त्रुटियां क्रमशः 1 और 3 अवधि अंतराल के साथ पीएआर 31-180 और पीएआर 180 + बकेट में चले गए। तदनुसार, पीएआर 31-180 और पीएआर 180 + मूल्य क्रमशः मार्च 2017 के अंत और सितंबर 2017 के अंत में चरम पर थे। हालांकि, पीएआर 180 + बकेट की तुलना में पीएआर 1-30 और पीएआर 31-180 की प्रारंभिक त्रुटियां बकेट के व्यवहार में एक उल्लेखनीय भिन्नता थी। जबकि प्रारंभिक ऋण चूक में उछाल आया और उसमें तेजी से सुधार हुआ, विमुद्रिकरण के पहले के स्तर को छूकर, पीएआर 180 + बकेट अपेक्षाकृत अस्थिर बना रहा। सितंबर 2017 के अंत में 6.7 प्रतिशत के चरम स्तर पर पहुंचने के बाद पीएआर 180 + धीरे-धीरे कम होता गया, हालांकि, यह विमुद्रिकरण पूर्व स्तरों से अधिक बना रहा। पीएआर-180+ का मूल्य जून 2019 के अंत में 4.4 प्रतिशत था, जो विमुद्रिकरण के पहले वितरित किए गए ऋणों के कारण था। तुलनात्मक रूप से, विमुद्रिकरण घटना के बाद वितरण के लिए पीएआर 180+ जून 2019 के अंत में 1.4 प्रतिशत पर था।

इसके बाद अक्टूबर 2017 तक 50 मिलियन नए प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) खाते खोले गए और खुदरा भुगतानों के डिजिटाइजेशन में तेजी आई (सिंह और अन्य 2017)। 2016-17 की चौथी तिमाही में एनबीएफसी-एमएफआई द्वारा कुल संवितरण का 39 प्रतिशत⁴ कैशलेस मोड के माध्यम से किया गया था, जिसमें 2019-20 की चौथी तिमाही के दौरान 92 प्रतिशत⁵ तक सुधार हुआ, जिससे एमएफआईएस द्वारा भुगतान के डिजिटल साधनों को अधिक अपनाने का संकेत मिलता है। हाल ही में, एमएफआई ने ग्राहक के डिजिटल ऑन-बोर्डिंग और ऐप-आधारित ऋण ब्यूरो चेक, ऋण प्रतिबंध तथा मूल्यांकन जैसे तकनीकी नवाचारों को अपनाया है। दूसरी ओर, कैशलेस पुनर्भुगतान को अभी भी नहीं चुना जा रहा है और कुल ऋण संग्रह⁶ में इसका हिस्सा लगभग एक तिहाई है।

IV. पोर्टफोलियो चूक और स्थानीय व्यवधान

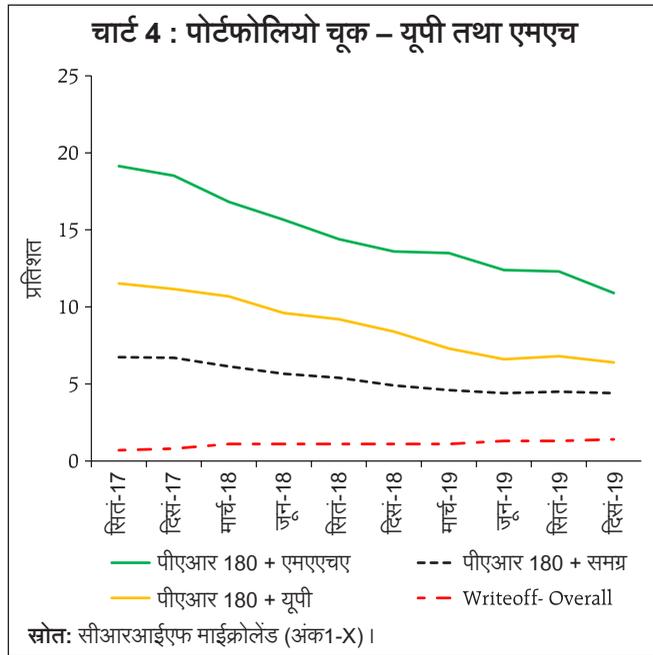
उत्तर प्रदेश (यू.पी) और महाराष्ट्र (एम.एच) में सामाजिक-राजनीतिक घटनाओं का प्रभाव पीएआर 180 + बकेट के व्यवहार में दिखाई दे रहा था (चार्ट 4)। हालांकि, सितंबर 2017 के अंत में एमएफआई पोर्टफोलियो (अखिल भारतीय पोर्टफोलियो) के पीएआर 180 + त्रुटियां 6.7 प्रतिशत के स्तर पर थी, यू.पी. और एम.एच के एमएफआई पोर्टफोलियो का तदनुसूची पीएआर 180 + का मूल्य क्रमशः 11.5 और 19.1 प्रतिशत के उच्च स्तर पर था। बाद की तिमाहियों में, इन राज्यों में ऋण चूक का स्तर कम हो गया लेकिन समग्र एमएफआई ऋण चूक के स्तरों की तुलना में अधिक बना रहा। समग्र एमएफआई पोर्टफोलियो राइट-ऑफ अनुवर्ती तिमाहियों में लगातार बढ़ता गया (चार्ट 4)।

2018 में भारत के अलग-अलग हिस्सों में प्राकृतिक आपदाएं आई थीं। अगस्त 2018 में, केरल में व्यापक बाढ़ आई थी। इसके बाद उड़ीसा में चक्रवात तितली और फनी तथा तमिलनाडु में चक्रवात गाजा हुआ। केरल में एमएफआई पोर्टफोलियो के लिए पीएआर 1-30 सितंबर 2018 के अंत में

⁴ भारत में एमएफआई द्वारा कैश-लाइट मॉडल अपनाने पर अध्ययन, अगस्त 2017, एमफिन-माइक्रोसेवा

⁵ स्रोत: एमफिन-माइक्रोमीटर (अंक 33)।

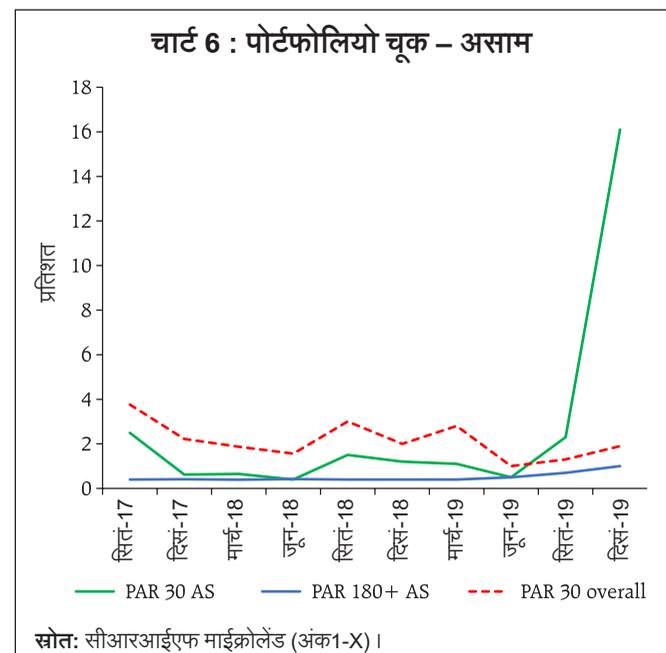
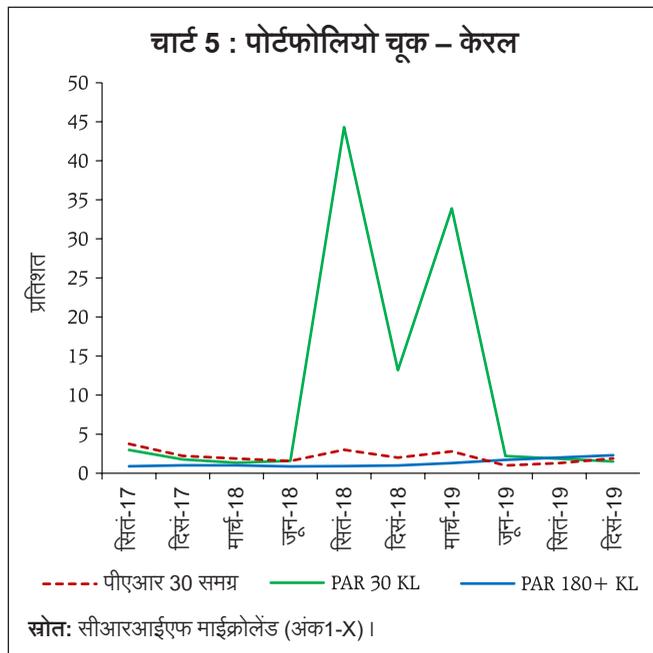
⁶ "माइक्रोफिनान्स कम आउट ऑफ द कोविड पाल" 01 जून 2020 को <https://www.financialexpress.com/industry/banking-finance/microfinance-will-come-out-the-covid-19-pall/1977874/> पर प्रकाशित



किया। हालांकि, प्रारंभिक ऋण चूक पर यह प्रभाव क्षणिक था और एमएफआई केरल पोर्टफोलियो के पीएआर 1-30 में तेजी से सुधार हुआ और जून 2019 के अंत में बेहतर रिकवरी के कारण यह 2.2 प्रतिशत के स्तर तक गिर गया। पीएआर 180 + के लिए प्रारंभिक ऋण चूक का पिछड़ा हुआ स्पिलओवर था, जो दिसंबर 2018 के अंत में 1 प्रतिशत से बढ़कर दिसंबर 2019 के अंत में 2.3 प्रतिशत हो गया।

हाल ही में, असम में एमएफआई के पोर्टफोलियो में ऋण की कमी हुई है (चार्ट 6)। पीएआर 1-30 में पहली बार सितंबर 2019 में वृद्धि हुई थी, जब यह 2.3 प्रतिशत तक बढ़ गया था। असम में ऋण चूक का कारण शुरुआत में चाय बागान जिलों में आर्थिक मंदी और सूक्ष्मवित्त उधारकर्ताओं की चुकौती क्षमता पर उसका प्रभाव था। इसके बाद वर्ष के अंत में सीएए विरोधी (नागरिकता संशोधन अधिनियम) व्यवधानों के कारण ऋण चूक बढ़ गए। तदनुसार, दिसंबर 2019 के अंत में, असम में ऋण दबाव के कारण असम पोर्टफोलियो के पीएआर 1-30 तेजी से बढ़कर लगभग 16 प्रतिशत हो गया। इसकी तुलना में, दिसंबर 2019 के अंत में समग्र एमएफआई पोर्टफोलियो (अखिल भारतीय) के लिए पीएआर 1-30 का तदनुसूची मूल्य 1.9 प्रतिशत था।

तेजी से बढ़कर 44 प्रतिशत हो गया (चार्ट 5)। समग्र एमएफआई (अखिल भारतीय) पोर्टफोलियो के लिए पीएआर 1-30 तदनुसूची मूल्य 3 प्रतिशत था। केरल के एमएफआई पोर्टफोलियो में प्रारंभिक ऋण चूक में बाढ़ के कारण यह भारी वृद्धि हुई, जिसने राज्य के कई हिस्सों में एमएफआई संचालन को बाधित



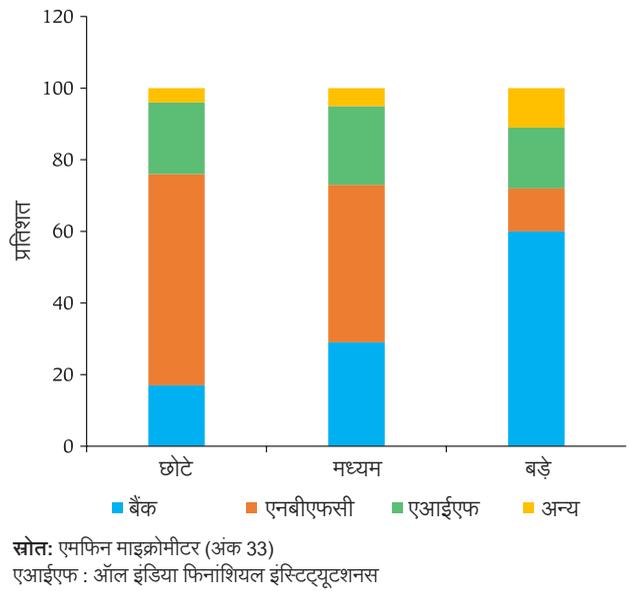
V. आईएल एण्ड एफएस घटना

एनबीएफसी-एमएफआई 31 मार्च 2020⁷ तक ₹74,371 करोड़ रुपये की राशि के सकल ऋण पोर्टफोलियो के साथ समग्र सूक्ष्मवित्त जगत का एक प्रमुख हिस्सा है। 2018 में आईएल एंड एफएस की असफलता और क्रमिक गतिविधियों के कारण जोखिम धारणा बिगड़ती गई और इस क्षेत्र में चलनिधि दबाव का तनाव बढ़ा, जबकि आस्ति-देयता बेमेल (एएलएम) और/या आस्ति गुणवत्ता चिंताओं के कारण बेहतर प्रदर्शन करने वाली कंपनियों ने उच्च उधार लागत (आरबीआई, 2019) पर धन जुटाना जारी रखा।

परंपरागत रूप से, एनबीएफसी-एमएफआई के आस्ति आधार में अल्पावधि और उच्च पुनर्भुगतान आवृत्ति वाले छोटे टिकट ऋण होते हैं जबकि देयता पक्ष में ज्यादातर दीर्घावधि उधार शामिल होते हैं। इसलिए, एनबीएफसी-एमएफआई एएलएम चिंताओं वाले अन्य एनबीएफसी की तुलना में बेहतर हैं। इसके अलावा, एनबीएफसी-एमएफआई को निर्दिष्ट क्षेत्रों को ऑन-लेंडिंग के लिए दिया गया बैंक ऋण, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण के रूप में वर्गीकरण के लिए पात्र है। इसलिए, बैंकों को आम तौर पर एनबीएफसी-एमएफआई को ऋण देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। फिर भी, एनबीएफसी-एमएफआई का वित्तपोषण प्रोफाइल 2017-18 से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष से पिछले तीन वित्तीय वर्षों में क्रमिक परिवर्तन हुआ। यह देखा गया है कि नकदी की कमी ने बड़े एनबीएफसी-एमएफआई⁸ की तुलना में लघु और मध्यम आकार के एनबीएफसी-एमएफआई को विषम रूप से प्रभावित किया।

31 मार्च, 2020 तक एनबीएफसी-एमएफआई की कुल बकाया उधारी ₹53,656 करोड़ रुपये थी। मीयादी ऋण बकाया ऋण का प्रमुख हिस्सा (74.1 प्रतिशत) है। इसके अलावा, एनबीएफसी-एमएफआई के विभिन्न समूहों के लिए मीयादी ऋण के स्रोत के पृथक विवरण से पता चलता है कि बड़े एनबीएफसी-

चार्ट 7: मीयादी ऋण के स्रोत- एनबीएफसी- एमएफआई



एमएफआई के दीर्घावधि ऋण के लिए बैंक प्रमुख स्रोत हैं जबकि लघु और मध्यम एनबीएफसी-एमएफआई अन्य एनबीएफसी से अधिकांश मीयादी ऋण लेते हैं (चार्ट 7)।

एनबीएफसी-एमएफआई समूहों के वित्तपोषण पैटर्न से पता चलता है कि 2017-18 से शुरू होने वाले अधिकांश वृद्धिशील ऋण वित्तपोषण बड़े स्तर पर एनबीएफसी-एमएफआई द्वारा किए गए थे जबकि लघु और मध्यम एनबीएफसी-एमएफआई को उनकी निधि जरूरतों के लिए संघर्ष करना पड़ा (सारणी 1)। अपनी वित्तपोषण आवश्यकताओं के लिए लघु और मध्यम एनबीएफसी-एमएफआई की अन्य एनबीएफसी पर अधिक निर्भरता के लिए यह काफी हद तक जिम्मेदार था। एनबीएफसी-एमएफआई के वित्तपोषण पैटर्न में एक और दिलचस्प विकास हुआ कि निधि जुटाने के लिए प्रतिभूतिकरण पर एक उपकरण के रूप में निर्भरता बढ़ी हुई थी, जिसके फलस्वरूप पूंजी को मुक्त

सारणी 1: वित्तीय वर्ष के दौरान जुटाए गए ऋण और प्रतिभूतिकरण की मात्रा⁸

(₹ करोड़)

	2017-18		2018-19		2019-20	
	डेट फंड	सिक्योरिटीजेशन	डेट फंड	सिक्योरिटीजेशन	डेट फंड	सिक्योरिटीजेशन
एनबीएफसी-एमएफआई (सकल ऋण पोर्टफोलियो वार समूह (जीएलपी))						
छोटे (जीएलपी < ₹100 करोड़)	461 (2.7)	24 (0.6)	313 (1)	44(0.4)	357 (0.8)	20 (0.1)
मध्यम (₹100 करोड़<जीएलपी <₹500 करोड़)	2380 (13.8)	182 (4.6)	2720 (8.6)	313(2.6)	2991 (7.1)	649 (1.9)
बड़े (जीएलपी > ₹500 करोड़)	14389 (83.5)	3718 (93.8)	28656 (90.4)	11665 (97)	38803 (92.1)	32808 (98)
कुल	17230	3924	31689	12022	42151	33477

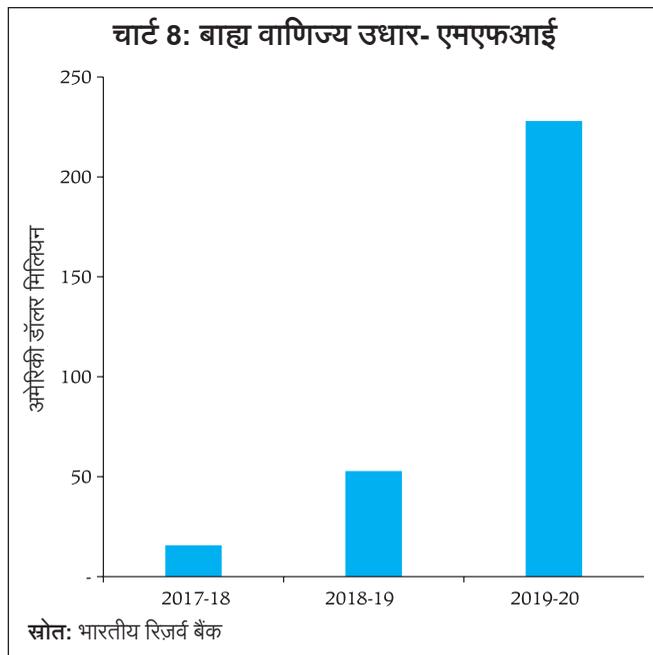
टिप्पणी: कोष्ठक के आंकड़े कुल मात्रा में प्रतिशत हिस्सेदारी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

स्रोत: एमफिन माइक्रोमीटर (अंक 33)।

⁷ जीएलपी ऑन-बैलेंस शीट और ऑफ-बैलेंस शीट लोन पोर्टफोलियो दोनों का प्रतिनिधित्व करता है और इसमें 54 एमफिन सदस्य एनबीएफसी-एमएफआई का डेटा शामिल हैं।

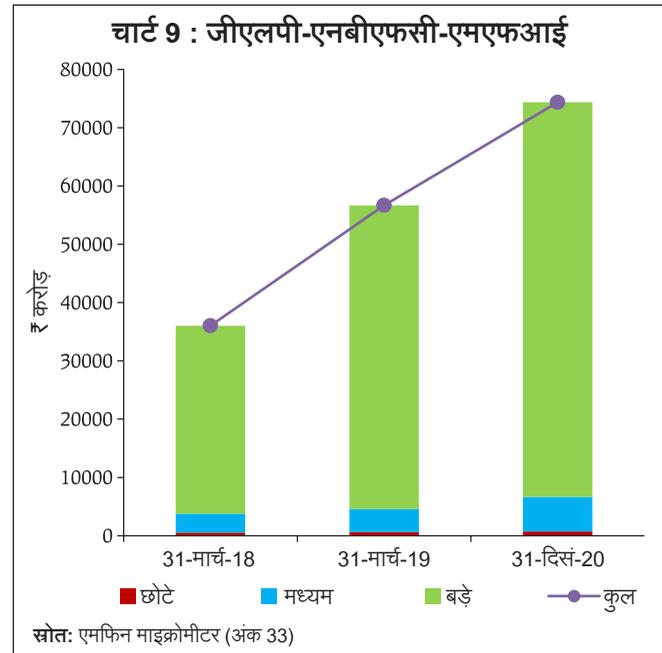
⁸ तुलना के उद्देश्य से, 54 एमफिन सदस्य एनबीएफसी-एमएफआई को उनके सकल ऋण पोर्टफोलियो (जीएलपी) के आधार पर 12 छोटे (जीएलपी < ₹100 करोड़, 20 मध्यम (100 करोड़ रुपये से ₹ 500 करोड़ के बीच के जीएलपी) और 22 बड़े (जीएलपी > ₹500 करोड़) के आधार पर वर्गीकृत किया गया है।

करने और पोर्टफोलियो वृद्धि के उच्च स्तर को बनाए रखने में भी सहायता मिली। 2019-20 के दौरान बड़े एनबीएफसी-एमएफआई की प्रतिभूतिकरण मात्रा 2017-18 के दौरान देखी गई मात्रा से लगभग 9 गुना तक बढ़ गई और 2019-20 के दौरान उनके द्वारा जुटाई गई कुल निधियों का लगभग 46 प्रतिशत थी। हालांकि, लघु और मध्यम एनबीएफसी-एमएफआई के मामले में फिर से प्रतिभूतिकरण की मात्रा कम थी। एनबीएफसी-एमएफआई की वित्तपोषण शर्तों ने वित्तीय सरलता को भी जन्म दिया, जिसके कारण कई प्रवर्तक एनबीएफसी-एमएफआई⁹ द्वारा आस्तियों की पूलिंग से जुड़ी संरचनाओं के माध्यम से प्रतिभूतिकरण हुआ। इसके अलावा, एमएफआई के वित्तपोषण प्रोफाइल में बाहरी वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) का उल्लेखनीय इजाफा हुआ (एनबीएफसी-एमएफआई और लाभ रहित एमएफआई सहित) क्योंकि एमएफआई ने अपने निधि के स्रोतों में विविधता लाने की कोशिश की थी। ईसीबी ने 284 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर्ज की, जो 2017-18 में लगभग 16 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2019-2010 में लगभग 228 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई (चार्ट 8)। हालांकि, ईसीबी अभी भी एनबीएफसी-एमएफआई के समग्र उधार का एक छोटा हिस्सा हैं।



⁹ "एमफिन और नॉर्दर्न आर्क कैपिटल कोलेबोरेट टू प्रोवाईड लिक्विडिटी टू सूक्ष्मवित्त - 16 जनवरी 2019 को प्रकाशित प्रेस विज्ञापि <https://mfindex.org/Admin/Pdf/MFIN%20and%20Northern%20Arc%20Capital%20collaborate%20to%20provide%20liquidity%20to%20microfinance%20sector.pdf> पर उपलब्ध।

¹⁰ आरबीआई की वेबसाइट पर जारी मासिक ईसीबी डेटा से लिया जाता है। एनबीएफसी-एमएफआई द्वारा उधार के अलावा, डेटा में आरबीआई में पंजीकृत नहीं होनेवाले अन्य एमएफआई के उधार भी शामिल है (नॉट-फॉर-प्रॉफिट एमएफआई)।



वृद्धिशील वित्तपोषण की कमी ने लघु और मध्यम एनबीएफसी-एमएफआई पोर्टफोलियो वृद्धि को प्रभावित किया (चार्ट 9)। बड़े एनबीएफसी-एमएफआई का जीएलपी जहां 46 प्रतिशतकी औसत दर से बढ़ा, वहीं मध्यम एनबीएफसी-एमएफआई का पोर्टफोलियो इस अवधि के दौरान 35 प्रतिशत की औसत दर से बढ़ा। छोटे एनबीएफसी-एमएफआई ने 17 प्रतिशत की औसत दर से सबसे धीमी पोर्टफोलियो वृद्धि की। छोटे और मध्यम एनबीएफसी-एमएफआई के ऑन-बैलेंस शीट पोर्टफोलियो में वृद्धि की कमी को आंशिक रूप से व्यवसाय प्रतिनिधि (बीसी) के रूप में कार्य करके शुल्क आधारित आय पर उनकी बढ़ी हुई निर्भरता से मुआवजा दिया गया था। एनबीएफसी-एमएफआई का बीसी पोर्टफोलियो 31 मार्च 2018 को ₹ 2163 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च 2020 तक ₹ 3918 करोड़ हो गया।

VI. कोविड-19 चुनौतियां

एनबीएफसी-एमएफआई के ऋण पोर्टफोलियो की अंतर्निहित विशेष प्रकृति, जो काफी हद तक असुरक्षित है, उन्हें विशेष रूप से कोविड-19 से जुड़ी प्रणालीगत जोखिमों से असुरक्षित बनाती है। इसकी तुलना में अन्य सूक्ष्मवित्त प्रतिभागियों के पास अपेक्षाकृत अधिक विविध पोर्टफोलियो और कम लागत जमा, बाजार वित्तपोषण और रिज़र्व बैंक की अंतिम उपाय ऋणदाता सुविधा (एलओएलआर) तक पहुंच है।

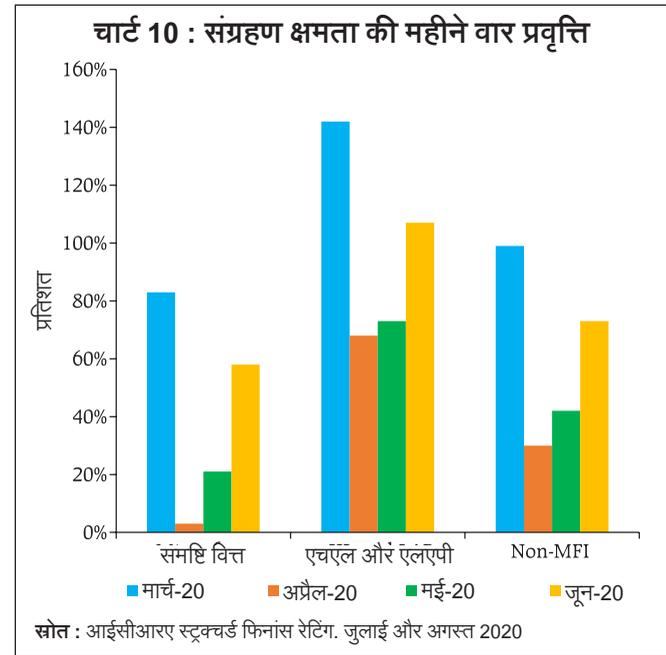
श्रमिकों के लिए विशेष रूप से कम कुशल श्रमिकों के लिए यह आघात तीव्र है जिनके पास घर से काम करने का विकल्प नहीं है। लिंग आधार पर आय नुकसान भी असमान दिखाई देते हैं, कम आय वाले समूहों में महिलाओं पर प्रभाव का असर अधिक है (आईएमएफ 2020)। छोटे व्यापारी, फेरीवाले और दिहाड़ी मजदूर जो सूक्ष्मवित्त उधारकर्ताओं का एक बड़ा हिस्सा हैं, अप्रैल 2020 में लॉकडाउन से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए थे। रोजगार की इस श्रेणी में कुल रोजगार का लगभग 32 प्रतिशत हिस्सा है जिसमें से 75 प्रतिशत अप्रैल 2020¹¹ के आघात में बुरी तरह प्रभावित हुआ। तथापि, लॉकडाउन को क्रमिक रूप से उठाने से रोजगार की स्थिति में सुधार हुआ, जिसमें 19 अप्रैल 2020 के कुल बेरोजगारी दर 26.19 प्रतिशत से उबरकर 30 अगस्त, 2020¹² को 8.13 प्रतिशत हो गया।

एमएफआई के लिए ऋण लागत बढ़ने की उम्मीद है। इसके अलावा, ऋण अनुशासन एमएफआई संचालन में व्यवधान से प्रभावित हो सकता है। यद्यपि एमएफआई पिछले कुछ वर्षों में कैशलेस संवितरण की ओर बढ़ गया है, ऋण संग्रह अभी भी नकद केंद्रित हैं और इसलिए, संग्रह इन्फ्रास्ट्रक्चर में व्यवधान की संभावना है। साथ ही ऋण चुकाने में समस्या को देखते हुए सूक्ष्मवित्त लेने वालों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा ऋण स्थगन का लाभ उठा चुका है। इस पृष्ठभूमि में, हाल के साक्ष्य सूक्ष्मवित्त प्रतिभूतिकरण पूल की संग्रह क्षमता¹³ में तेज़ गिरावट की ओर इशारा करते हैं। संग्रह क्षमता पहले मार्च 2020 में गिरकर 83 प्रतिशत हो गई, फिर और मई 2020 में 21 प्रतिशत तथा जून 2020 में 58 प्रतिशत तक सुधार होने से पहले अप्रैल 2020 में 3 प्रतिशत तक तेजी से गिरावट आई थी (चार्ट 10)। सूक्ष्मवित्त पूल की तुलना में, अन्य प्रतिभूतिकरण पूल (एचएल-आवास ऋण, एलएपी- संपत्ति के बदले में ऋण, गैर-एमएफआई-वाणिज्यिक वाहन ऋण, स्वर्ण ऋण, व्यक्तिगत ऋण आदि) ने बेहतर प्रदर्शन किया जहां संग्रह क्षमता में गिरावट कम स्पष्ट थी।

¹¹ स्रोत: सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआइइ)।

¹² सीएमआईई द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर जारी बेरोजगारी के साप्ताहिक अनुमान।

¹³ संग्रह क्षमता = (वर्तमान संग्रहण + अतिदेय संग्रहण + पूर्व भुगतान) / पूर्व-स्थगन अनुसूची के अनुसार वर्तमान बिलिंग।

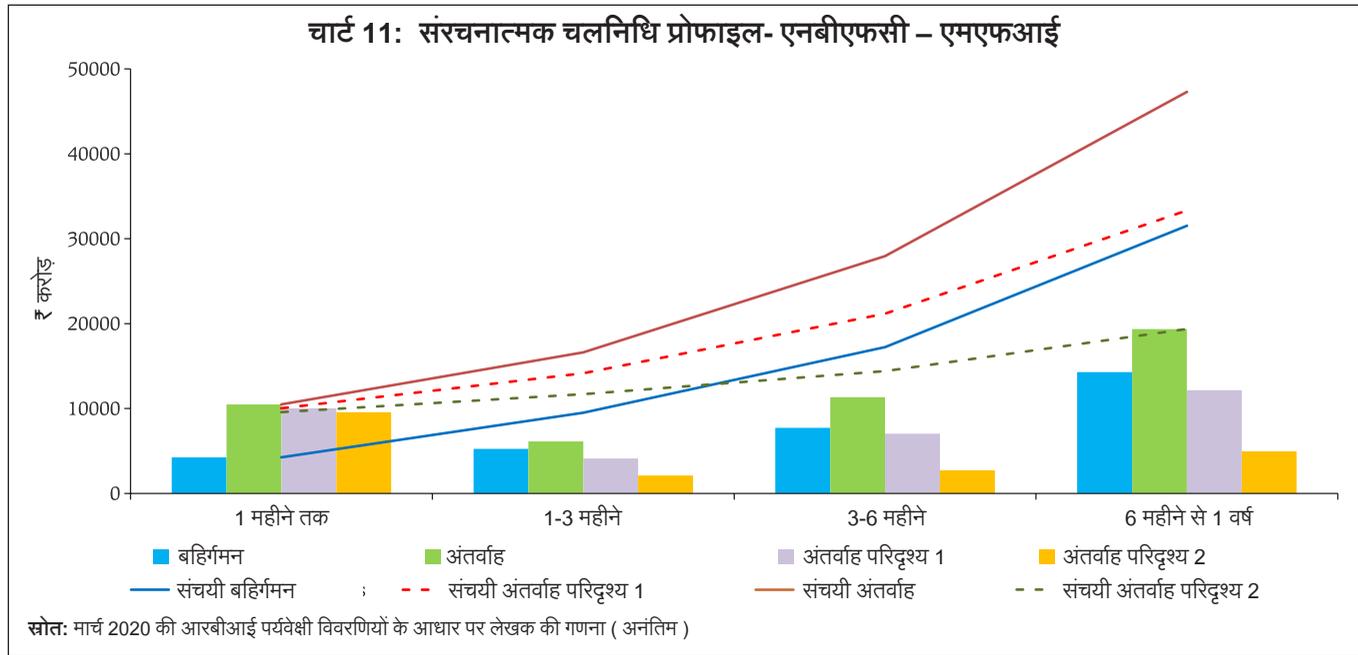


कोविड-19 से एनबीएफसी-एमएफआई के लिए चलनिधि जोखिम होने की भी उम्मीद है (चार्ट 11)। 31 मार्च 2020¹⁴ तक एनबीएफसी-एमएफआई की आस्तियों और देनदारियों के परिपक्वता पैटर्न के अनुसार, व्यक्तिगत और संचयी समय बकेट सकारात्मक अंतराल (प्रवाह¹⁵ > बहिर्वाह¹⁶) प्रदर्शित करती है। यह इस तथ्य का फल है कि परंपरागत रूप से, एनबीएफसी-एमएफआई की देनदारियों में मुख्य रूप से दीर्घावधि उधार शामिल हैं जबकि आस्तियों में उच्च पुनर्भुगतान आवृत्ति वाले अल्पावधि ऋण शामिल हैं। हालांकि, ऋण संग्रह में कठिनाईयां और कोविड-19 के कारण ऋण चूक में वृद्धि के कारण संरचनात्मक चलनिधि प्रोफाइल प्रभावित हो सकता है। इसके अलावा, उधारकर्ताओं द्वारा ली गए स्थगन के कारण स्थगन के अंत तक अंतर्वाह प्रभावित होगा। दो अलग-अलग दबाव परिदृश्यों को दर्शाया गया है, जिसमें परिदृश्य-1 ऋण संग्रह में 40 प्रतिशत की गिरावट की कल्पना तथा परिदृश्य-2 ऋण संग्रह में 80 प्रतिशत

¹⁴ 31 मार्च 2020 को ₹500 करोड़ रुपये से अधिक आस्तित्व आकार वाले शीर्ष 25 एनबीएफसी-एमएफआई का स्ट्रक्चरल लिक्विडिटी डेटा नमूने के लिए लिया गया है। सभी 25 एनबीएफसी-एमएफआई के अंतःप्रवाह/बहिर्गमन के एग्रिगेटिंग से कुल प्रवाह/बहिर्गमन की गणना की गयी है।

¹⁵ संरचनात्मक बहिर्गमन में मुख्य रूप से मीयादी उधार तथा बांड/डिबेंचर, सीपी और अन्य वर्तमान उधार शामिल होते हैं।

¹⁶ संरचनात्मक प्रवाह में मुख्य रूप से ऋण/अग्रिम, नकदी और बैंक शेष और अन्य वर्तमान आस्तियां शामिल हैं।

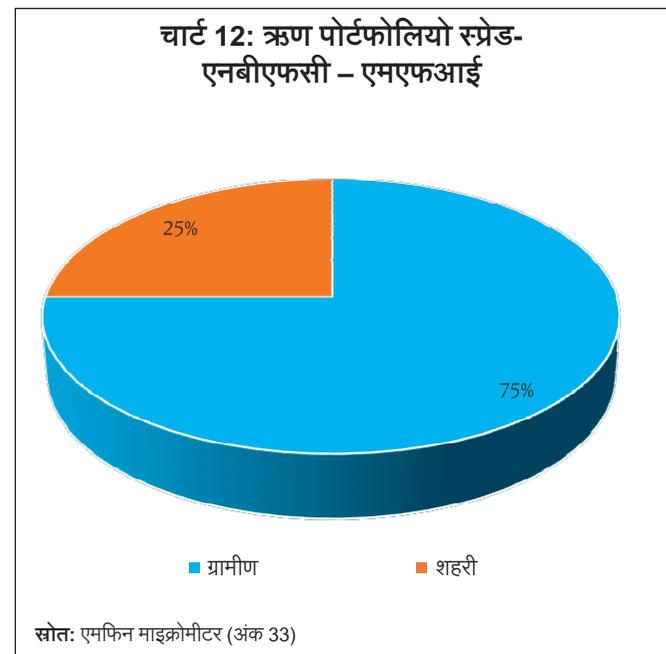


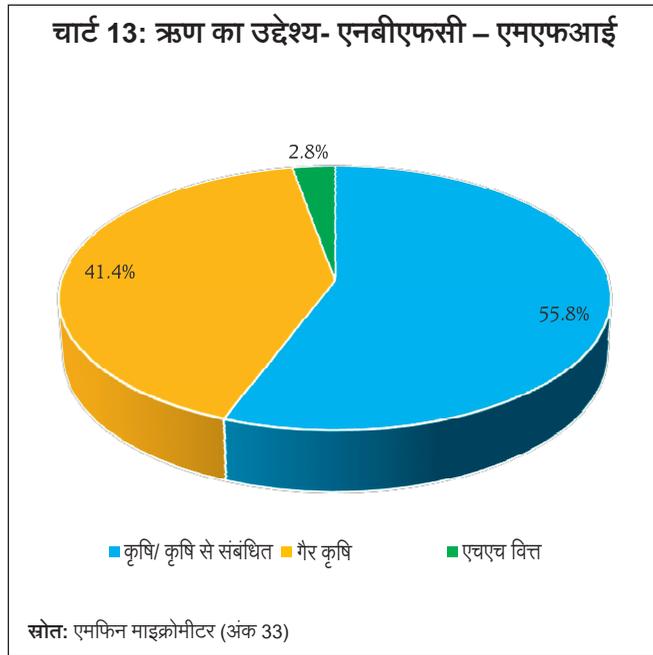
की गिरावट की कल्पना (बहिर्वाह दोनों परिदृश्यों में स्थिर माना गया है)। यह देखा गया है कि परिदृश्य-1 में संचयी अंतराल संकुचित हो जाता है लेकिन फिर भी सभी समय अवधियों में सकारात्मक रहता है। परिदृश्य-2 में 6 महीने और 1 वर्ष तक का संचयी अंतराल नकारात्मक हो जाता है, जिससे समग्र स्तर पर अतिरिक्त वित्तपोषण की आवश्यकता का संकेत मिलता है। फिर भी, व्यक्तिगत एनबीएफसी-एमएफआई के लिए वित्तपोषण आवश्यकताएं उनके संबंधित स्टैंडअलोन चलनिधि प्रोफाइल के अनुसार भिन्न होंगी।

गतिशील चलनिधि का प्रबंधन करना भी एनबीएफसी-एमएफआई के लिए चुनौतीपूर्ण साबित होगा क्योंकि उन्हें नए वितरण करने और परिचालन खर्चों को पूरा करने के लिए वृद्धिशील निधि जुटाने में मुश्किल हो सकती है। निवेशकों की जोखिम लेने की कम क्षमता को देखते हुए, निकटवर्ती अवधि में प्रतिभूतिकरण मूल्य में भी मंदी रहने की उम्मीद है। छोटे एनबीएफसी-एमएफआई के लिए चलनिधी पर प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक होगा, जो बड़े पैमाने पर अन्य एनबीएफसी से उधार पर निर्भर करते हैं। इसके अलावा, कम ऋण रेटिंग के कारण बाजार से उधार लेना भी कठिन हो सकता है।

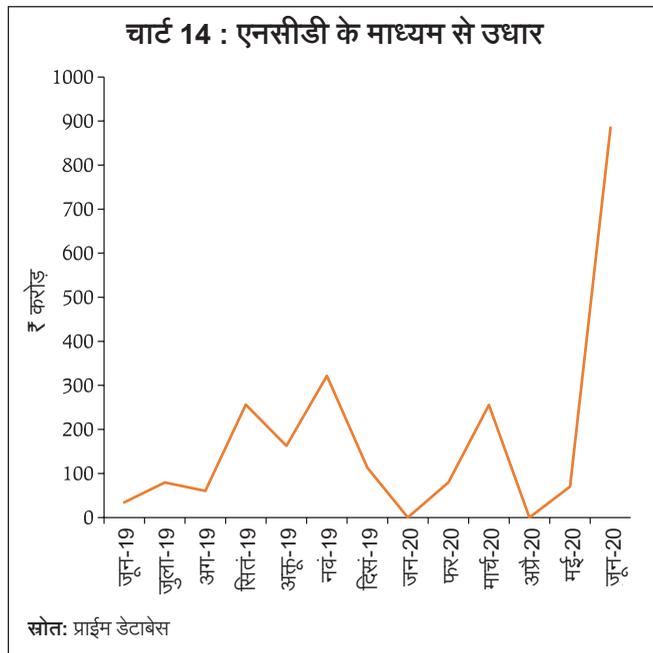
एनबीएफसी-एमएफआई का ऋण पोर्टफोलियो ग्रामीण क्षेत्रों में केंद्रित है (चार्ट-12)। इसके अलावा, अधिकांश

एनबीएफसी-एमएफआई ऋण, कृषि और संबद्ध गतिविधियों (55.8 प्रतिशत) के लिए दिए जाते हैं, इसके अलावा गैर-कृषि गतिविधियों (व्यापार, सेवा, विनिर्माण और उत्पादन आदि) के लिए 41.4 प्रतिशत और घरेलू वित्त (शिक्षा, चिकित्सा, अन्य) के लिए 2.8 प्रतिशत दिया जाता है (चार्ट 13)। इस दिशा में हाल ही में घोषित सरकारी योजनाओं से ग्रामीण परिवारों को लाभ मिलने की उम्मीद है।





रिजर्व बैंक द्वारा किए गए चलनिधि उपायों और बाजार वित्तपोषण की बेहतर स्थितियों के पीछे, एनबीएफसी-एमएफआई¹⁷ के गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) जारी करने से जून 2020 के महीने में रिपोर्टेड ऋणों को छूने में महत्वपूर्ण स्पाइक देखा गया (चार्ट-14)।



¹⁷ एनसीडी डेटा 31 मार्च 2020 की स्थिति के लिए ₹500 करोड़ रुपये से अधिक की आरंभ आकार वाले शीर्ष 25 एनबीएफसी-एमएफआई के नमूने पर आधारित है।

VII. निष्कर्ष

कोविड-19 घटना संभवतः एक अरसे में सबसे बड़ी टेल रिस्क घटना है। आपूर्ति श्रृंखला और व्यावसायिक कार्यों में व्यवधानों के कारण, आजीविका के नुकसान की संभावना और परिणामस्वरूप घरेलू आय में गिरावट अधिक हुई है। इस परिदृश्य में एनबीएफसी-एमएफआई, कम आय वाले समूहों को संपार्श्विक मुक्त ऋण प्रदान करने वाली विशिष्ट संस्था होने के नाते, इन्हें ऋण जोखिम हैं। इसके अलावा, पुनर्भुगतान दर में चलनिधि जोखिम होने से काफी गिरावट आई है। छोटे एनबीएफसी-एमएफआई विशेष रूप से ऋण रेटिंग डाउनग्रेड के कारण असुरक्षित हैं, जो नयी पूंजी जुटाने और चलनिधि तक पहुंच की उनकी क्षमता में बाधा उत्पन्न कर सकते हैं।

नए दशक में कदम रखने के मुहाने पर, सूक्ष्मवित्त क्षेत्र शायद एक पूर्वानुभव का अहसास कर रहा है। कोविड-19 निकट समय में वित्तीय जोखिमों के साथ सूक्ष्मवित्त क्षेत्र को आहत करने की उम्मीद है। हालांकि, यह डिजिटलाइजेशन को भी प्रोत्साहित कर सकता है। ऋण संग्रह को डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर स्थानांतरित करने के प्रयासों से परिचालन क्षमता में काफी सुधार हो सकता है और घटना आधारित अवरोधों को कम करने में सहायता मिल सकती है। इसके अलावा, पोर्टफोलियो व्यवहार का पूर्वानुमान, जोखिम मॉडल बनाने और ग्राहक केंद्रित उत्पादों को डिजाइन करने के लिए डेटा एनालिटिक्स का लाभ उठाया जा सकता है। इस समय जब गलत सूचनाओं के फैलने का खतरा अधिक होता है तो जरूरी है कि ऋण अनुशासन को बनाए रखा जाए। आभासी/टेलीफोनिक साधनों के माध्यम से उधारकर्ताओं के साथ संपर्क बढ़ाना और उचित प्रथा कोड पर कर्मचारियों को संवेदनशील बनाने से उधारकर्ताओं में विश्वास बहाल करने और ऋण चक्र को फिर से शुरू करने में काफी लंबा रास्ता तय करना होगा। इसके अलावा, यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार ऋण प्रथाओं को अपनाया जाना चाहिए कि ऋण राशि उधारकर्ता की चुकौती क्षमता के अनुरूप है और कई/अत्यधिक ऋण देने का कोई उदाहरण नहीं है। जैसा कि पिछली घटनाओं ने प्रदर्शित किया है, आवर्ती स्थानीय व्यवधानों के कारण भौगोलिक क्षेत्रों में पोर्टफोलियो विविधीकरण आवश्यक है, जो एमएफआई संचालन को प्रभावित करता है। इसके अलावा, एनबीएफसी-एमएफआई, विशेष रूप से छोटे एनबीएफसी-एमएफआई को स्वस्थ पोर्टफोलियो वृद्धि बनाए रखने के लिए अपने निधि के स्रोतों में

विविधता लाने की आवश्यकता है। आगे चलते हुए, पूंजी बफ़र्स का निर्माण और चलनिधि का प्रबंधन एमएफआई के लिए कोविड-19 अवरोधों के विरुद्ध अपनी बैलेंस शीट मज़बूत करने में महत्वपूर्ण होगा। इस परिवेश में यह जरूरी है कि सूक्ष्मवित्त क्षेत्र पिछले पाठों का उपयोग करे और महामारी को नई संभावनाओं में बदलने की दिशा में काम करे।

संदर्भ

IMF (2020), "A Crisis Like No Other, An Uncertain Recovery", *World Economic Outlook Update*, June 2020.

Fernandes, K. (2020), "Microfinance recovery analysis: Using time series of Northern Arc portfolio data", *World Bank blogs*.

RBI (2019), *Financial Stability Report*, June 2019.

Singh, B., Behera, H., Raut, D. & Roy, I. (2017), "Impact of Demonetisation on the Financial Sector", *Reserve Bank of India Bulletin*, Vol. LXXI No. 11

Sinha, A. (2012), "Strengthening Governance in Microfinance Institutions (MFIs) - Some Random Thoughts", Keynote address delivered by Sh. Anand Sinha, former Deputy Governor, Reserve Bank of India at FICCI's Workshop on 'Strengthening Microfinance Institutions (MFIs): Good Governance and Strategic People Practices', April 23, 2012.

RBI (2011), *Report of the Sub-Committee of the Central Board of Directors of Reserve Bank of India to Study Issues and Concerns in the MFI Sector* (Chairman: Shri YH Malegam).

हालिया मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं से व्युत्पन्न मुद्रास्फीति पूर्वानुमानः पूर्वव्यापी विश्लेषण*

ऐसा देखा गया है कि भारत में वास्तविक महंगाई के प्रति हाउसहोल्ड्स की मुद्रास्फीति प्रत्याशाएं अत्यधिक संवेदनशील हैं, खास तौर पर हाउसहोल्ड्स की कतिपय निजी विशिष्टताओं के प्रति यथा- उनके आयुवर्ग, उनका पेशा और उनकी भौगोलिक अवस्थिति जिनके कारण प्रत्याशाओं में भिन्नता आ जाती है। यह लेख मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं पर हालिया आंकड़ों का इस्तेमाल करते हुए मुद्रास्फीति पूर्वानुमान लगाने के लिए दो तरीकों का उपयोग करता है: प्रत्याशाओं में समय के साथ आने वाली भिन्नता का समायोजन कर सुधार करते हुए और (ii) पश्च माध्या ऐसा प्रतीत होता है कि इस प्रकार प्राप्त पूर्वानुमानों का सामान्य औसत वास्तविक मुद्रास्फीति के संभावित विकास को दर्शाने में अलग-अलग पूर्वानुमानों की तुलना में बेहतर होता है।

भूमिका

हाउसहोल्ड्स की मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं (आईई) पर सर्वेक्षण आधारित जानकारी मौद्रिक नीति संचालन के लिए उपयोगी इनपुट होती है। यह भविष्य में वेतन-निर्धारण व्यवहार तथा हाउसहोल्ड्स द्वारा लिए जाने वाले वित्तीय निर्णयों में संभाव्य परिवर्तनों का आकलन करने में बहुत मददगार होती है। भारतीय रिजर्व बैंक सितंबर 2005 से हाउसहोल्ड्स की मुद्रास्फीति प्रत्याशा सर्वेक्षण (आईईएसएच) कराता रहा है, जिससे तीन माह और एक वर्ष आगे की अवधि के लिए कीमतों के स्तर और मुद्रास्फीति में परिवर्तन पर हाउसहोल्ड्स की गुणात्मक और मात्रात्मक प्रतिक्रियाओं की जानकारी मिलती है। वर्तमान में, यह सर्वेक्षण 18 शहरों में किया जाता है और इसके प्रत्येक दौर में लगभग 6,000 हाउसहोल्ड्स की प्रतिक्रियाएं ली जाती हैं।

चूंकि किसी भी अर्थव्यवस्था में उपभोग की मांग पैदा करने में हाउसहोल्ड्स की बड़ी भूमिका होती है, अतः मुद्रास्फीति के संबंध में उनके अनुभव और भविष्य में मुद्रास्फीति की संभावित दशा पर उनका नज़रिया नीति निर्माण की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण हो जाता है। इस आलेख में दो मौजूदा पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन करने का प्रयास किया गया है, अर्थात्, आईई में समय

* यह लेख सांख्यिकी और सूचना प्रबंधन विभाग के हाउसहोल्ड सर्वेक्षण प्रभाग में कार्यरत पूर्णिमा साव, ए. आर. जयरामन, अरिंदम चंद्र और तुषार बी. दास द्वारा तैयार किया गया है। लेख में व्यक्त विचार लेखक के हैं और वे भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते।

के साथ आने वाले परिवर्तनों के अनुसार सुधार करते हुए और आईई पर पहले से दी गयी सूचना के लिए पश्च वितरण के माध्यम का अनुमान लगाते हुए।

आलेख का शेष भाग इस प्रकार संगठित है - भाग II में हाउसहोल्ड्स की आईई में हाल के रुझानों को प्रस्तुत किया गया है जिसके बाद सभी जनसांख्यिकीय समूहों की आईई में वर्ष 2018-19¹ और 2019-20 के दौरान देखी गयी विविधताओं का समग्र अवलोकन भाग III में प्रस्तुत किया गया है। आईई का उपयोग करते हुए व्यक्त मुद्रास्फीति पूर्वानुमान और हाल के समय में उनके प्रदर्शन का अध्ययन भाग IV में किया गया है। भाग V अध्ययन के निष्कर्षों को संक्षेप में प्रस्तुत करता है।

II. हाउसहोल्ड्स की मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं में हालिया रुझान

यह खंड उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-शहरी² (सीपीआई-यू) में उतार-चढ़ाव की तुलना में सामान्य कीमतों के बारे में हाउसहोल्ड्स की प्रत्याशाओं पर चर्चा करता है। वर्ष 2019-20 के दौरान दोनों अवधियों -तीन महीने आगे की और एक साल आगे की- में सामान्य कीमतों के स्तर के बारे में प्राप्त प्रतिक्रियाओं के निवल मान³ में क्रमशः वृद्धि देखी गयी जो मोटे तौर पर सीपीआई-यू सूचकांक के अनुरूप ही थी (चार्ट 1ए)। वर्ष 2019-20 की तीसरी तिमाही में सब्जियों की कीमतें तेजी से बढ़ीं, लेकिन अगली ही तिमाही में इनमें गिरावट आने लगी। इसने इस अवधि में खाद्य कीमतों पर हाउसहोल्ड्स के दृष्टिकोण को और बिगड़ने से बचाया। इसी अवधि के दौरान सीपीआई-यू में परिवहन और संचार की कीमतों में वृद्धि से सेवाओं की कीमतों के संबंध में हाउसहोल्ड्स की प्रत्याशाओं पर असर पड़ा (अनुबंध, चार्ट सं. ए (i) से ए(v))।

वर्ष 2019-20 के दौरान सामान्य मुद्रास्फीति⁴ के संबंध में हाउसहोल्ड्स की भावनाओं में व्यापक उतार-चढ़ाव देखने को मिला (चार्ट 1बी)। वर्ष 2019-20 की तीसरी तिमाही के दौरान दोनों -तीन महीने आगे की और एक साल आगे की- अवधियों में

¹ वर्ष 2018-19 के लिए समीक्षा https://www.rbi.org.in/Scripts/BS_ViewBulletin.aspx?Id=18645 पर उपलब्ध है।

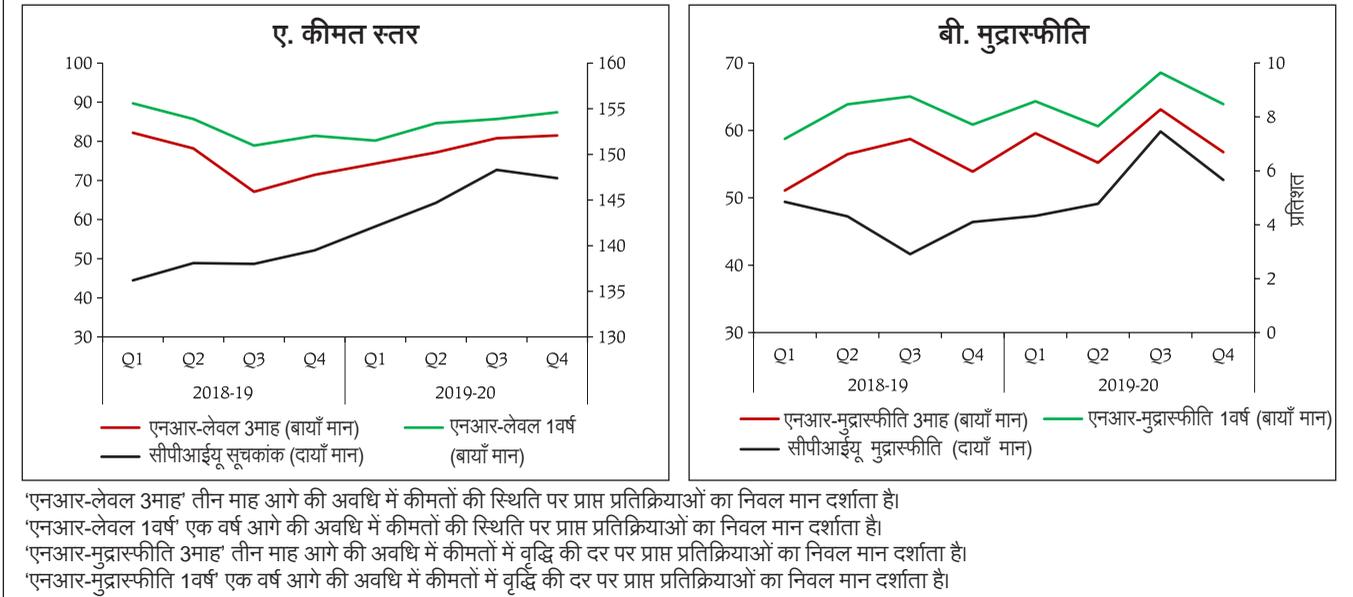
² संबंधित सर्वेक्षण माह का सीपीआई-यू सूचकांक

³ कीमतों के स्तर पर निवल प्रतिक्रिया (एनआर) = कीमतें बढ़ने का अनुमान व्यक्त करने वाले प्रतिक्रियादाताओं का अनुपात- कीमतें घटने का अनुमान व्यक्त करने वाले प्रतिक्रियादाताओं का अनुपात

⁴ संबंधित सर्वेक्षण माह का सीपीआई-यू मुख्य मुद्रास्फीति सूचकांक

⁵ कीमतों में वृद्धि की दर पर निवल प्रतिक्रिया = कीमतें वर्तमान दर से अधिक दर पर बढ़ने का अनुमान व्यक्त करने वाले प्रतिक्रियादाताओं का अनुपात- कीमतें वर्तमान दर से कम दर पर बढ़ने का अनुमान व्यक्त करने वाले प्रतिक्रियादाताओं का अनुपात

चार्ट 1: सामान्य कीमतें और मुद्रास्फीति – निवल प्रतिक्रियाएं

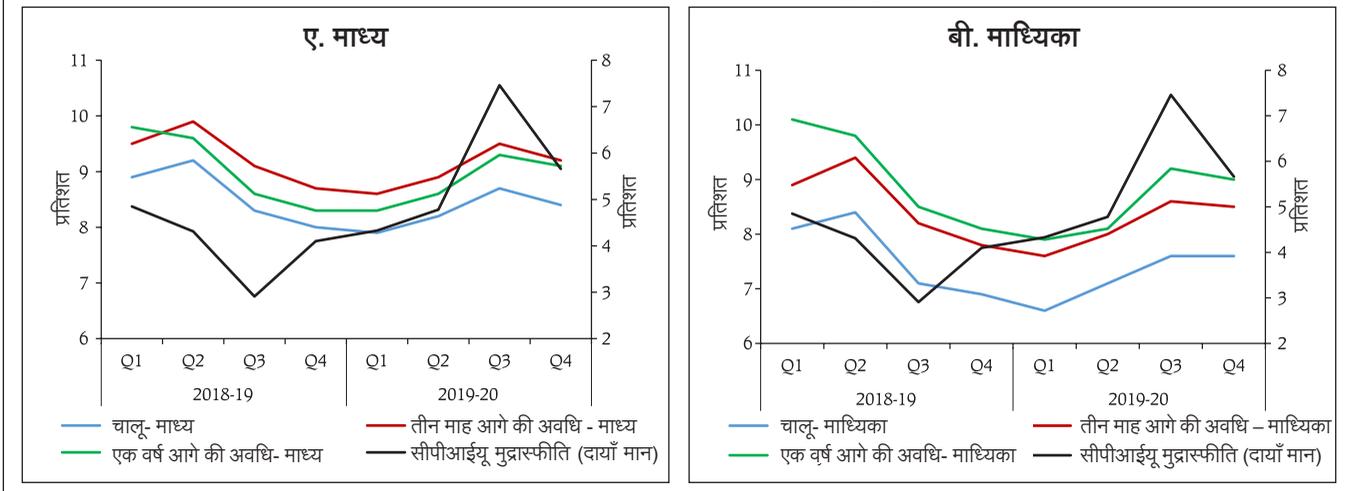


सामान्य कीमतों में वृद्धि की दर पर निवल प्रतिक्रिया अपने चरम पर पहुंच गयी। हालांकि, यह बाद में सब्जियों की महँगायी में तेज गिरावट आने के कारण काफी नरम पड़ गयी। गैर-खाद्य मुद्रास्फीति पर भी हाउसहोल्ड्स के दृष्टिकोण में 2019-20 की तीसरी तिमाही में तेज वृद्धि हुई जो आंशिक रूप से पेट्रोल और डीजल में अपेक्षाकृत अधिक मुद्रास्फीति के कारण था जो कि नकारात्मक से सकारात्मक क्षेत्र में चली गयी थी (अनुबंध, चार्ट बी(i) से बी(v))।

हाउसहोल्ड्स की आईई का माध्य, जिसमें 2018-19 से लगातार गिरावट आ रही थी, उसमें 2019-20 की दूसरी तिमाही

में वृद्धि दर्ज की गयी जिसका कारण था बढ़ती खाद्य मुद्रास्फीति। 2019-20 की चौथी तिमाही में 2018-19 की चौथी तिमाही की तुलना में तीन माह आगे की मुद्रास्फीति प्रत्याशा में 70 आधार अंकों की और एक वर्ष आगे की मुद्रास्फीति प्रत्याशा में 90 आधार अंकों की वृद्धि हुई। 2019-20 की दूसरी छमाही में माध्य मुद्रास्फीति के प्रति दृष्टिकोण और प्रत्याशाओं के बीच की खाई चौड़ी हो गई, खासकर एक वर्ष आगे की (चार्ट II)। अध्ययन की अवधि के दौरान मोटे तौर पर मुद्रास्फीति के प्रति दृष्टिकोण और प्रत्याशाओं में उतार चढ़ाव सीपीआई-यू मुद्रास्फीति के अनुरूप ही रहा।

चार्ट 2: मात्रात्मक आईई बनाम सीपीआई-यू मुद्रास्फीति



III. हाउसहोल्ड्स की विशेषताएं बनाम मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं में अंतर

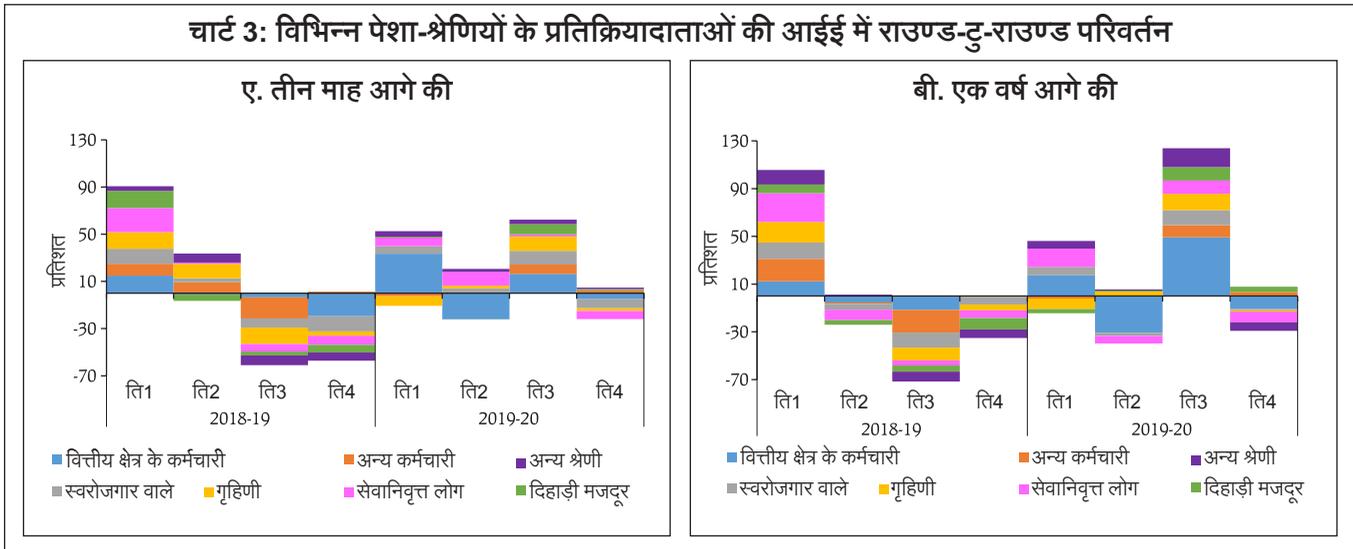
कीमतों में बदलाव के प्रति उपभोक्ताओं की प्रतिक्रिया भिन्न-भिन्न होती है और मुद्रास्फीति से जुड़ी उनकी प्रत्याशाओं और भविष्य की उनकी आर्थिक योजनाएं भी उसी प्रकार भिन्न होती हैं। दृष्टिकोण में भिन्नता से उनकी खरीद, खपत और निवेश के तरीके प्रभावित होते हैं, जो आगे चलकर मुद्रास्फीति में योगदान करते हैं। धारणाओं, प्रत्याशाओं और कीमतों के प्रति दृष्टिकोण का आकलन निरंतर करते रहना होता है (मुएलर, 1959)। उपभोक्ताओं की विभिन्न श्रेणियों के बीच आईई में अंतर का असर विभिन्न माध्यमों जैसे, आस्ति बाजार मॉडल, निवेश आदि के जरिए अर्थव्यवस्था पर पड़ता है (नान और अन्य, 2011)। मिशिगन सर्वेक्षण⁶ में उपभोक्ताओं द्वारा आर्थिक चरों के पूर्वानुमानों में आने वाली त्रुटियाँ सुव्यवस्थित रूप से उनकी जनसांख्यिकीय विशेषताओं के साथ सहसंबद्ध हैं (सौलेल्स, 2004)। भारतीय संदर्भ में, यह माना जाता है कि हाउसहोल्ड्स की विभिन्न श्रेणियों में विविधता का प्रभाव मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं के निर्माण पर पड़ता है (गोयल और परब, 2019)।

हाउसहोल्ड्स की आईई पर प्रतिक्रियादाताओं की जनसांख्यिकीय विशेषताओं के प्रभाव को समझने के लिए, इस लेख में हाल की अवधि के लिए विभिन्न प्रकार के व्यवसाय-

समूहों तथा आयुवर्ग की आईई में देखी गयी विविधताओं की जांच की गयी है। प्रतिक्रियादाताओं के विभिन्न समूहों की आईई के माध्य में हुए कुल (राउण्ड-टु-राउण्ड) प्रतिशत परिवर्तनों को देखते हुए, यह पाया गया है कि आईई में परिवर्तन ज्यादातर एक ही दिशा में और व्यापक पैमाने पर हुए थे (चार्ट III)। हाल की अवधि में, तीन महीने आगे की और एक वर्ष आगे की समग्र आईई में उतार-चढ़ाव मुख्य रूप से वित्तीय क्षेत्र के कर्मचारियों के दृष्टिकोणों में भिन्नता के कारण था। दूसरी ओर, तीन महीने आगे की आईई में बदलाव लाने में 55 से 60 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिक्रियादाताओं का योगदान सबसे ज्यादा रहा जबकि एक वर्ष आगे की समग्र आईई में उतार-चढ़ाव मुख्य रूप से 50 से 55 वर्ष आयु वर्ग और 55 से 60 वर्ष आयु वर्ग वाले प्रतिक्रियादाताओं के कारण था (चार्ट IV)।

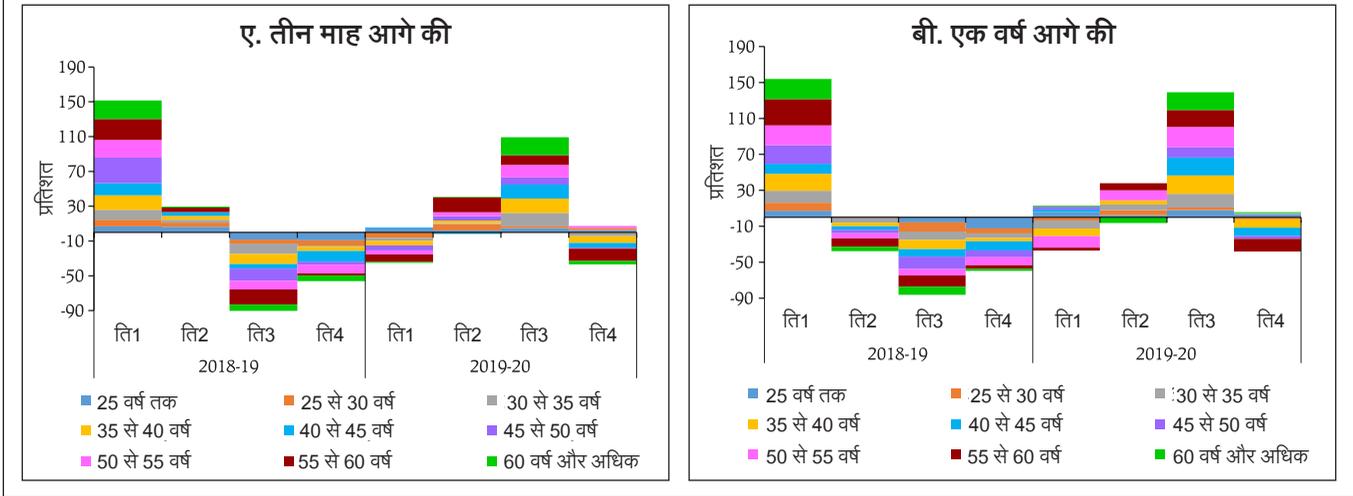
भविष्य की मुद्रास्फीति पर प्रतिक्रियादाताओं के दृष्टिकोण में शहर-वार भिन्नता का अध्ययन मात्रात्मक आईई को पांच समूहों में वर्गीकृत करते हुए किया गया, यथा- '6 प्रतिशत से कम', '6 प्रतिशत से 10 प्रतिशत', '10 प्रतिशत से 12 प्रतिशत', '12 प्रतिशत से 16 प्रतिशत' और '16 प्रतिशत से ज्यादा'। चार्ट-V में प्रत्येक शहर के लिए, इन समूहों में मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं का प्रतिशत और संबंधित राज्य की सीपीआई-यू मुद्रास्फीति (सर्वेक्षण के महीने के दौरान) को 2018-19 और 2019-20 के सर्वेक्षण के चरणों की तुलना में प्रदर्शित किया गया है। वर्ष 2019-20 की

चार्ट 3: विभिन्न पेशा-श्रेणियों के प्रतिक्रियादाताओं की आईई में राउण्ड-टु-राउण्ड परिवर्तन



⁶ <https://www.src.isr.umich.edu/projects/surveys-of-consumers-attitudes-sca/>

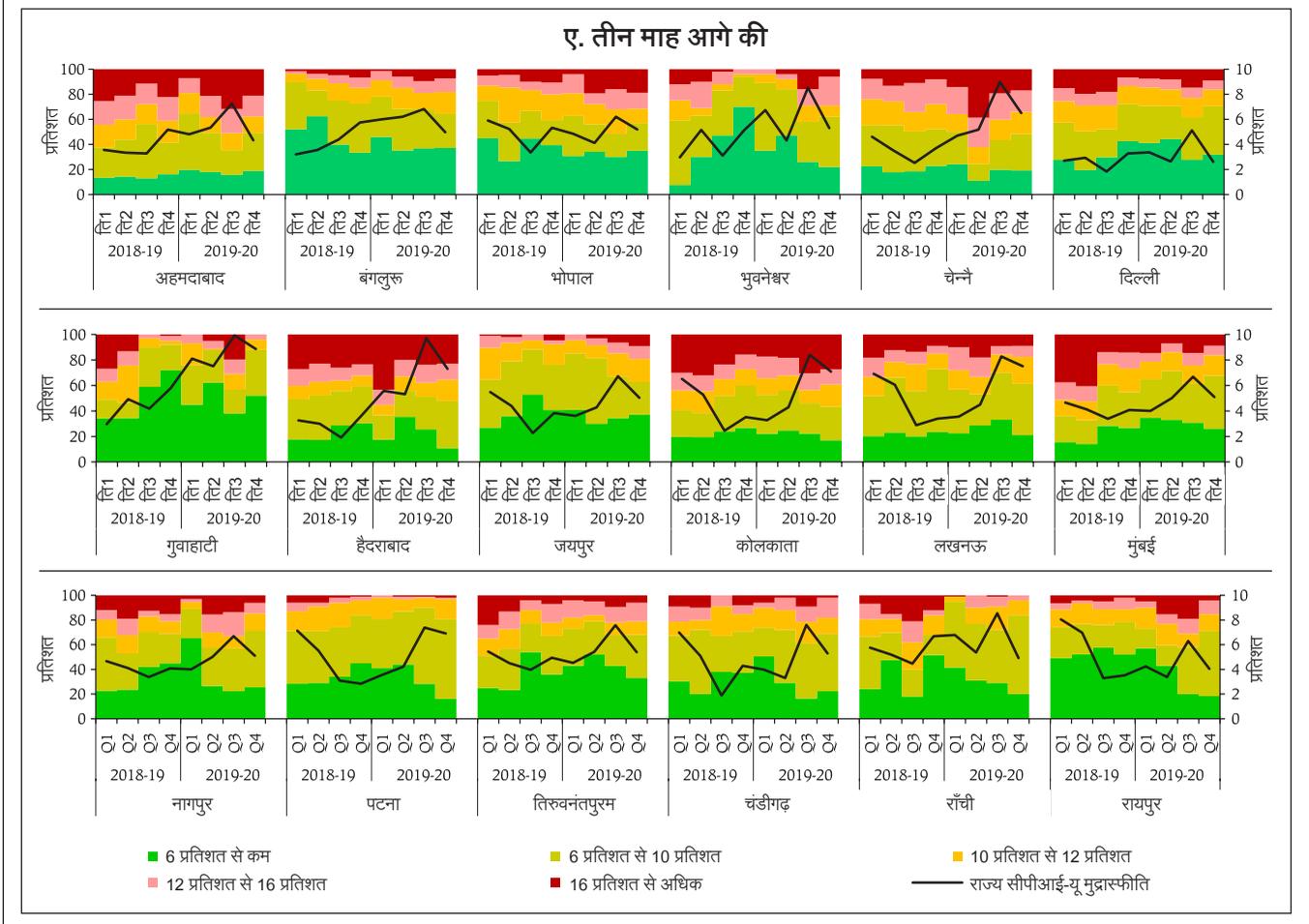
चार्ट 4: विभिन्न आयु-वर्गों के प्रतिक्रियादाताओं की आईई में राउण्ड-टु-राउण्ड परिवर्तन



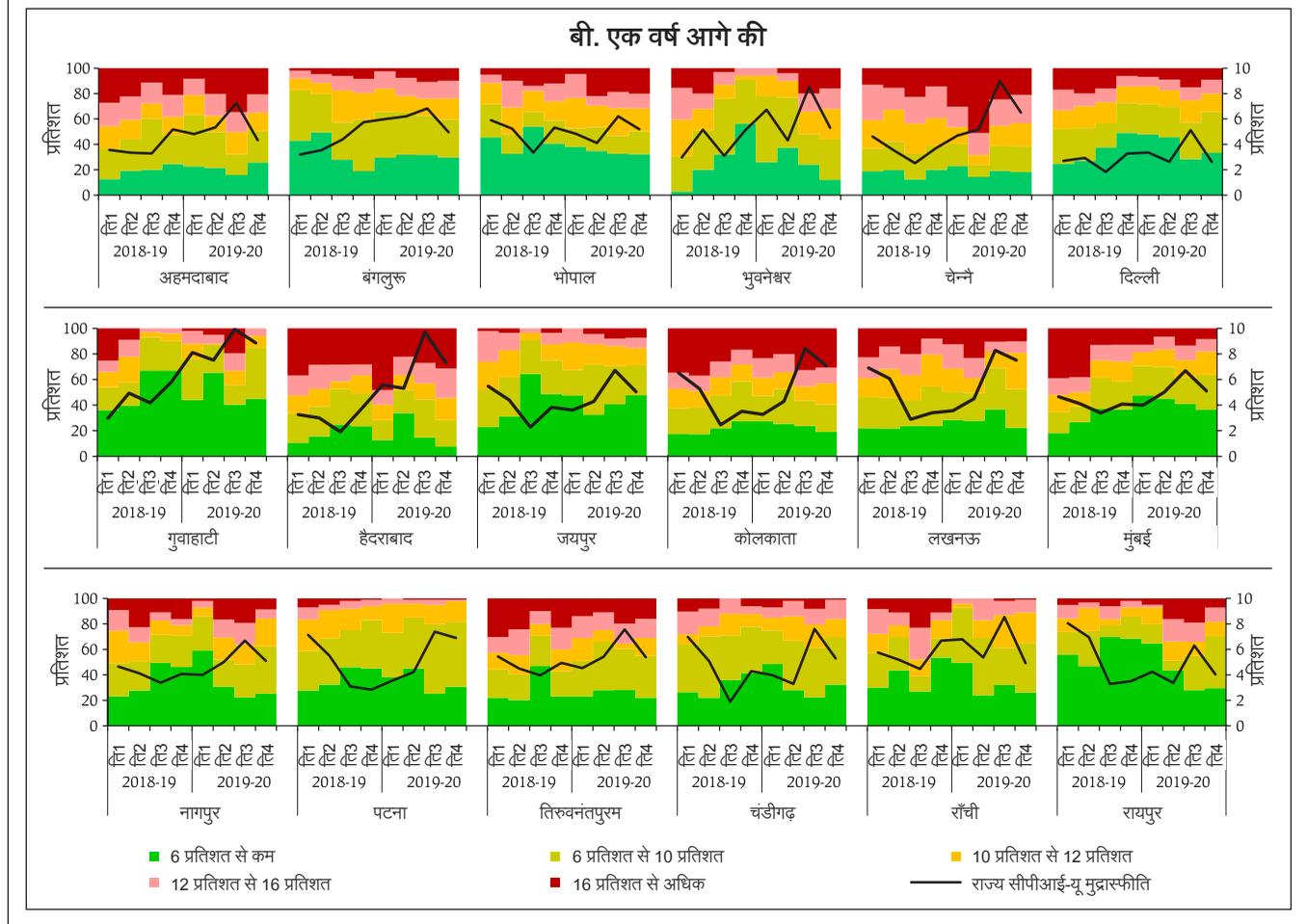
तीसरी तिमाही के दौरान अधिकांश राज्यों में सीपीआई-यू मुद्रास्फीति में तीव्र वृद्धि देखी गयी थी। परिणामस्वरूप, अधिकांश

सर्वेक्षण केंद्रों में प्रतिक्रियादाताओं की आईई इस अवधि के दौरान उच्चतम मुद्रास्फीति ब्रैकेट में पहुंच गयी। यह अहमदाबाद, चेन्नै,

चार्ट 5: विभिन्न शहरों में आईई का वितरण (जारी)



चार्ट 5: विभिन्न शहरों में आईई का वितरण (समाप्त)



हैदराबाद और कोलकाता में अधिक स्पष्ट था। हाउसहोल्ड्स के भिन्न-भिन्न प्रतिक्रियादाता समूहों और भिन्न-भिन्न स्थानों पर किए गए सर्वेक्षणों में देखे गए मुद्रास्फीति संबंधी दृष्टिकोण में अंतर के लिए सूचना एकत्र करने और मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं का आकलन करते समय उन्हें शामिल करने में रहे अंतर को भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है (ज्ञान एवं अन्य, 2011)।

IV. मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं के आधार पर निकाले गए मुद्रास्फीति अनुमान

हाउसहोल्ड्स की आईई का पता लगाने के कई उद्देश्यों में से एक महत्वपूर्ण उद्देश्य यह है कि भविष्य में रहने वाली मुद्रास्फीति के बारे में अनुमान लगाया जा सके। हालांकि, इस प्रयोजन के लिए, आईई का तर्कसंगत होना अनिवार्य है और तर्कसंगतता की एक महत्वपूर्ण शर्त है – पूर्वाग्रहमुक्त होना। हाल के अनुभवजन्य शोध के अनुसार, भारत के संदर्भ में यह शर्त पूरी नहीं की जाती (शॉ, 2019)।

इस पूर्वाग्रह (ईटीटी-1) को समय के साथ परिवर्तनशील मानते हुए, जैसा कि नीचे समीकरण 1 में दर्शाया गया है, समीकरण 2 के अनुसार एक ऑटो-रिग्रेसिव मॉडल की सहायता से प्रत्याशाओं में भावी पूर्वाग्रहों (जिसे इसके बाद “समयानुसार परिवर्तनशील पूर्वाग्रह पूर्वानुमान पद्धति (एटीवीबीपीएम)” का पूर्वानुमान व्यक्त किया जाता है (किम और किम, 2009)। तदुपरांत, भविष्य की अवधि के लिए आईई को पूर्वानुमानित पूर्वाग्रहों को समायोजित करते हुए ठीक किया जाता है और परिणामस्वरूप प्राप्त अनुमान से मुद्रास्फीति पूर्वानुमान का पता चलता है। इसके अलावा, भारतीय संदर्भ में वर्ष 2008-09 की दूसरी तिमाही से 2018-19 की चौथी तिमाही के दौरान हाउसहोल्ड्स की आईई का अध्ययन करने से यह बात प्रमाणित होती है कि एटीवीबीपीएम से मुद्रास्फीति पूर्वानुमान अधिक सटीक बनते हैं (शॉ और अन्य, 2019)।

$$\pi_t - E_{t-1}(\pi_t) = e_t^{t-1} + \varepsilon_t \quad (1)$$

$$e_t^{t-1} = c + \sum_{i=1}^k e_{t-i}^{t-(i+1)} + \xi_t \quad (2)$$

$E_{t-1}(\pi_t)$ = IE for time period t made at time point $(t-1)$,

π_t = realised inflation at time period t

k = number of lags of e_t^{t-1}

$$\varepsilon_t \sim N(0, \sigma^2), \xi_t \sim N(0, \varphi^2)$$

वैकल्पिक तौर पर, शॉ (2019) ने आईई को तर्कसंगत आईई (जिसे इसके बाद "पश्च माध्य (पी एम)" कहा जाएगा) के रूप में परिवर्तित करने के लिए बैचेलर (2006) द्वारा सुझायी गयी एक पद्धति का इस्तेमाल किया और पाया कि इससे काफी सक्षम तरीके से मुद्रास्फीति पूर्वानुमान व्यक्त किए जा सके हैं। इस पद्धति में उपयोग में लाये जाने वाले मॉडलों का उल्लेख समीकरण (3) और (4) में किया गया है और इसकी सहायता से समीकरण (6) और (7) में दिए गए मापदंडों के आधार पर किसी भी आईई के लिए मुद्रास्फीति का पश्च वितरण ज्ञात किया जाता है जैसा कि समीकरण (5) में दर्शाया गया है। पश्च माध्य (μ_{jt}) के आकलन से किसी अवधि t के लिए मुद्रास्फीति पूर्वानुमान का पता लगाया जाता है।

$$E_{t-1}(\pi_{jt}) = \pi_t + u_{jt}, u_{jt} \sim N(0, \tau_{jt}^2) \quad (3)$$

$$\{E_{t-1}(\pi_{jt}) | \pi_t\} \sim N(\pi_t, \tau_{jt}^2)$$

$$\pi_t = \begin{cases} \pi_t^* & \text{with probability } p_{jt} \\ \pi_t' + u_t' & \text{with probability } (1 - p_{jt}) \end{cases} \quad u_t' \sim N(0, \tau_t'^2) \quad (4)$$

$E_{t-1}(\pi_{jt})$ = IE for time period t made by j^{th} group (taken as city) of respondents at time point $(t-1)$

π_t^* = inflation target, taken as 4 per cent

p_{jt} = probability with which the inflation target will be enforced; it differs among various groups of respondents and hence considered here as the proportion of respondents in the j^{th} city with $E_{t-1}(\pi_{jt})$ in the range of 3 per cent to 5 percent

π_t' = time series prediction of inflation for time point t

$$\{\pi_t | E_{t-1}(\pi_{jt})\} \sim N(\mu_{jt}, \vartheta_{jt}^2) \quad (5)$$

$$\vartheta_{jt}^2 = \frac{\tau_{jt}^2(1 - p_{jt})\{p_{jt}(\pi_t^* - \pi_t')^2 + \tau_t'^2\}}{\tau_{jt}^2 + (1 - p_{jt})\{p_{jt}(\pi_t^* - \pi_t')^2 + \tau_t'^2\}} \quad (6)$$

$$\mu_{jt} = w_{jt}E_{t-1}(\pi_{jt}) + (1 - w_{jt})\{p_{jt}\pi_t^* + (1 - p_{jt})\pi_t'\}, \quad w_{jt} = \frac{\vartheta_{jt}^2}{\tau_{jt}^2} \quad (7)$$

आगे का विश्लेषण हाल की अवधि के लिए निकाले गए पहले के निष्कर्षों की शुद्धता की जांच करता है और सरल औसत के माध्यम से पूर्वानुमान संयोजन की प्रभावशीलता की अनुभवश्रित संपरीक्षा करता है। 'एटीवीबीपीएम' और 'पीएम' और तीन महीने आगे की आईई के माध्य का उपयोग करते हुए, 2017-18 की दूसरी तिमाही से लेकर 2019-20 की चौथी तिमाही तक की अवधि के लिए नमूना सीपीआई संयुक्त⁷ में से एक तिमाही आगे के मुद्रास्फीति पूर्वानुमानों की गणना की जाती है। इसके अलावा, इस लेख में, 'एटीवीबीपीएम' और 'पीएम' पर आधारित औसत पूर्वानुमान ('एवीजी') की भी गणना की जाती है। तदुपरांत, 'रैंडम वॉक (आर डब्लू)' विद ड्रिफ्ट और एआर(1) मॉडलों के ज़रिए प्राप्त मुद्रास्फीति पूर्वानुमानों से इन पूर्वानुमानों की तुलना की जाती है। 'आरडब्लू' मॉडल को बेंचमार्क के रूप में लेते हुए, समीकरण (8) में दिए गए सापेक्ष औसत निरपेक्ष विचलन (आरएएडीएम), पूर्वानुमान के लिए एक बेहतर मॉडल के रूप में अपनी पहचान बनाती है। आरएएडीएम का मूल्य जितना ही कम होगा, मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान के लिए 'एम' मॉडल 'आरडब्लू' बेंचमार्क मॉडल की तुलना में बेहतर होगा।

$$RAAD_M = \frac{AAD_M}{AAD_{RW}} 100 \quad (8)$$

$RAAD_M$ = average absolute deviation of forecasts computed using model 'M' from actual CPI-C inflation relative to benchmark model 'RW', where,

$$M = \{AR(1), ATVBPM, PM, AVG\}$$

AAD_{RW} = average absolute deviation of forecasts computed using benchmark model 'RW' from actual CPI-C inflation

AAD_M = average absolute deviation of forecasts computed using model 'M' from actual CPI-C inflation

⁷ समग्र परिदृश्य का अध्ययन करने के लिए लक्षित चर के रूप में सीपीआई-सी मुद्रास्फीति शृंखला का उपयोग किया गया है। शॉ (2019) सीपीआई-सी और सीपीआई-यू दोनों मुद्रास्फीतियों के लिए पूर्वानुमान व्यक्त करते हैं।

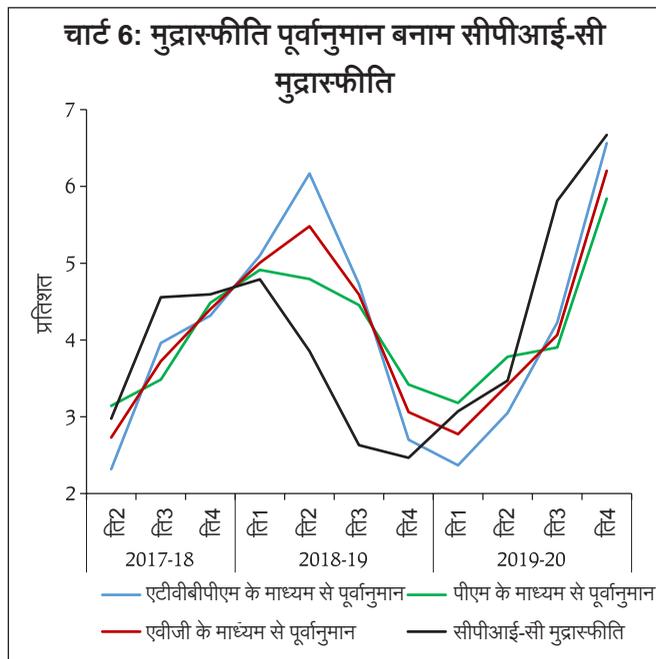
सारणी 1: मुद्रास्फीति पूर्वानुमानों की सटीकता

पद्धति	आरएडी
ऑटो रिग्रेसिव मॉडल: एआर(1)	93.07
समयानुसार परिवर्तनशील पूर्वग्रह पूर्वानुमान पद्धति (एटीवीबीपीएम) का उपयोग करते हुए समायोजन	92.75
पश्च माध्य (पीएम)	83.21
एटीवीबीपीएम और पश्च माध्य (पीएम) का औसत	82.14

सारणी 1 और चार्ट 6 यह दर्शाते हैं कि 'एटीवीबीपीएम' और 'पीएम' से प्राप्त पूर्वानुमानों का औसत निकालते हुए ज्ञात किए गए मुद्रास्फीति पूर्वानुमान अलग-अलग ज्ञात किए गए पूर्वानुमानों की तुलना में बेहतर परिणाम देते हैं जैसा कि औसत पूर्वानुमानों के लिए 'RAAD_M' के न्यूनतम मान से देखा जा सकता है।

V. निष्कर्ष

यह अध्ययन हाउसहोल्ड्स की मुद्रास्फीति प्रत्याशाएं निर्मित होने की प्रक्रिया का विश्लेषण करता है और इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि हाउसहोल्ड्स का मुद्रास्फीति संबंधी दृष्टिकोण वास्तविक मुद्रास्फीति के प्रति उनके अनुभवों से अत्यधिक प्रभावित होती है। हाउसहोल्ड्स की अपनी विशेषताएं जैसे कि उनका आयु-प्रोफाइल और पेशा मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं के निर्माण में भिन्नता पैदा करते हुए देखे जाते हैं। चूंकि ऐसा प्रतीत होता है कि मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं में संभाव्य मुद्रास्फीति वक्र संबंधी प्रमुख सूचनाएं निहित होती हैं, अतः इस आलेख में सर्वेक्षण आधारित मुद्रास्फीति प्रत्याशाओं को वर्तमान में प्रयुक्त

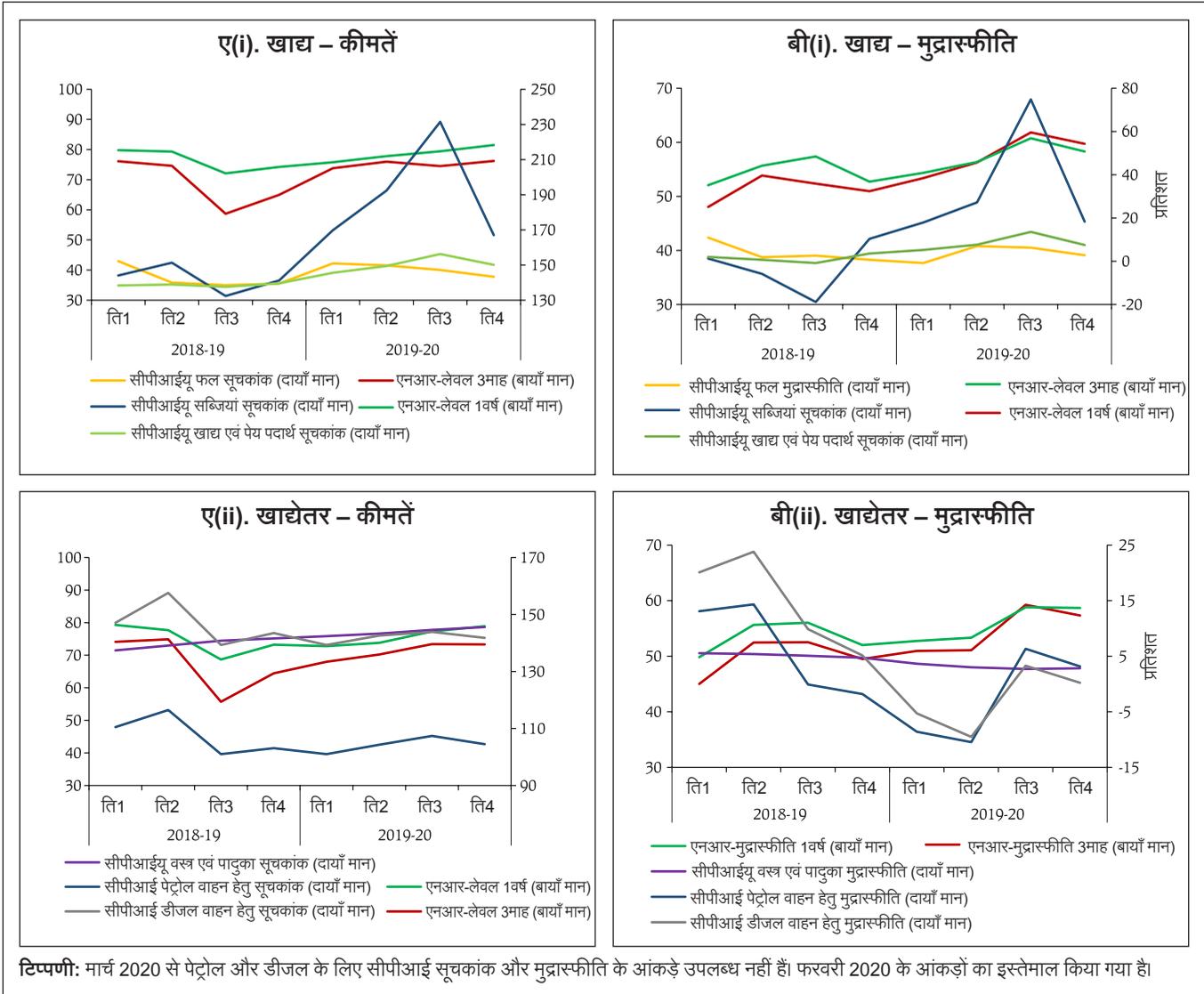


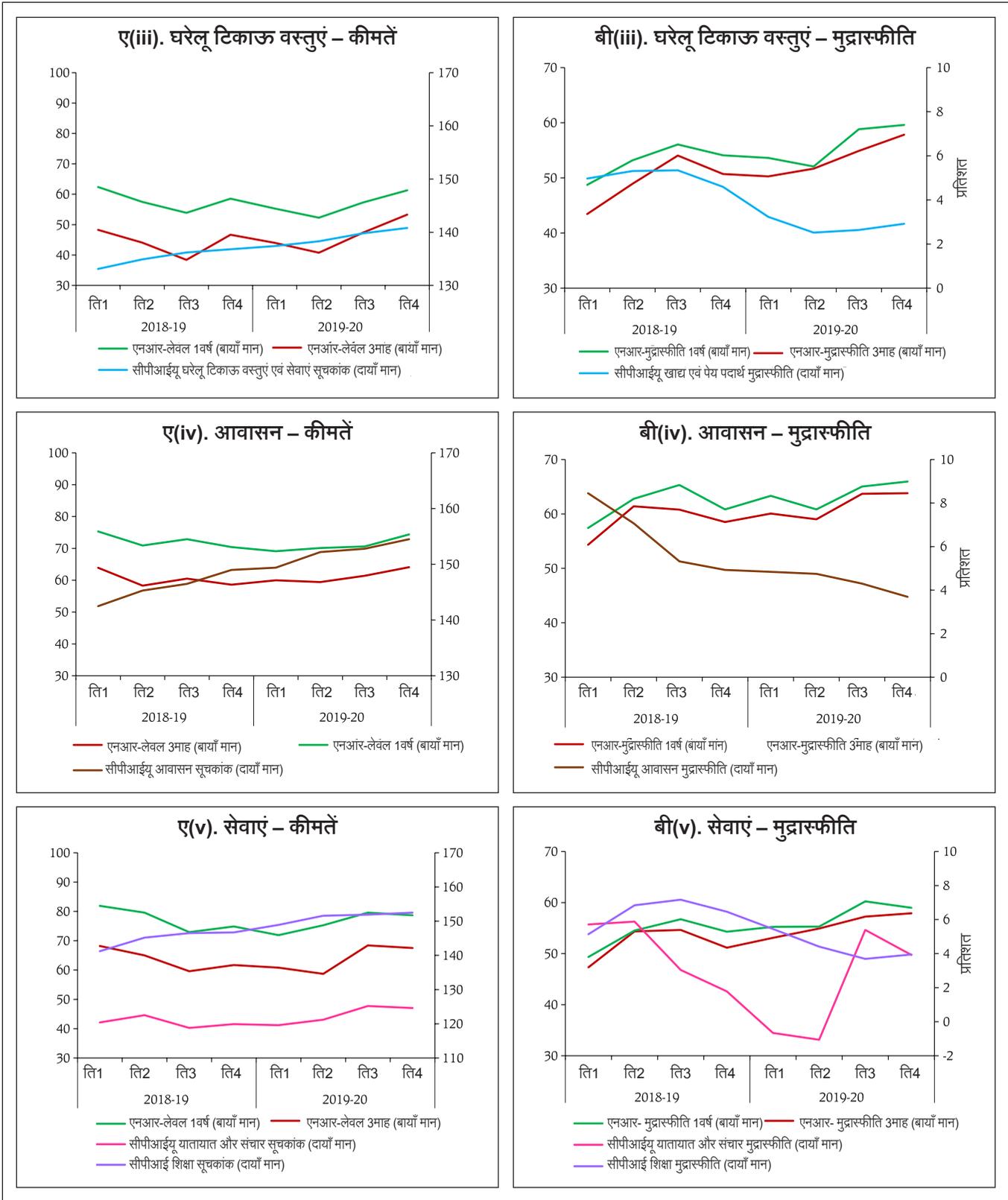
दो पद्धतियों यथा- प्रत्याशाओं में समय-सापेक्ष परिवर्तनों का समायोजन करते हुए सुधार तथा पश्च माध्य और साथ ही साथ वैयक्तिक पूर्वानुमानों का संयोजन – को उपयोग में लाते हुए मुद्रास्फीति पूर्वानुमानों में परिवर्तित किया गया है। यह देखा गया है कि वास्तविक मुद्रास्फीति में परिवर्तन की दिशा और परिमाण दोनों ही दृष्टियों से इन पूर्वानुमानों का औसत निकालते हुए बेहतर पूर्वानुमान किया जा सकता है। साथ ही, ऐसी आशा की जा सकती है कि भविष्य में विकसित की जाने वाली अनेक वैकल्पिक पद्धतियों के इस्तेमाल द्वारा तथा अपेक्षाकृत अधिक विस्तृत समयावधि लेते हुए किए जाने वाले अनुसंधान और भी सटीक परिणाम सुनिश्चित कर सकेंगे।

संदर्भ

- Batchelor, R. (2006), "How robust are quantified survey data?", Evidence from the United States. Cass Business School, City of London.
- Gnan, E., Langthaler, J., and Valderrama, M. T. (2011), "Heterogeneity in Euro Area Consumers' Inflation Expectations: Some Stylized Facts and Implications", *Monetary Policy and the Economy*, Q2(11):43-66.
- Goyal, A., and Parab, P. (2019), "Modelling Heterogeneity and Rationality of Inflation Expectations across Indian Households", *Indira Gandhi Institute of Development Research WP-2019-002*.
- Kim, I., and Kim, M. (2009), "Irrational Bias in Inflation Forecasts", *Munich Personal RePEc Archive Paper 16447*, University Library of Munich, Germany.
- Mueller, E. (1959), "Consumer Reactions to Inflation", *The Quarterly Journal of Economics*, 73(2), 246-262.
- Shaw, P. (2019), "Using Rational Expectations to Predict Inflation", *Reserve Bank of India Occasional Papers*, 40(1):85-104.
- Shaw, P., Jayaraman, A. R., and Das, T. B. (2019), "Households' Inflation Expectations: A Reflection", *Reserve Bank of India Bulletin*, December, 2019:59-69
- Souleles, N. S. (2004), "Expectations, Heterogeneous Forecast Errors, and Consumption: Micro Evidence from the Michigan Consumer Sentiment Surveys", *Journal of Money, Credit and Banking* 36(1): 39-72.

अनुबंध – चार्ट





आयात उपायों की प्रभावकारिता : चुनिंदा वस्तुओं का विश्लेषण*

भारत ने आयात-संबंधी कई उपाय किए हैं जो अन्य बातों के साथ-साथ मुख्यतया व्यापार भागीदारों द्वारा अपनायी जा रही अनुचित व्यापार प्रथाओं की प्रतिक्रिया स्वरूप किए गए उपाय हैं। इस अध्ययन में, दो परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया है। पहला, क्या आयात उपायों से आयात मात्रा पर वांछित प्रभाव पड़ता है। दूसरा, आयात उपायों को लागू करने के बाद कीमतें कैसे व्यवहार करती हैं। 2013 से 2019 की अवधि के लिए 119 आयात वस्तुओं पर कमोडिटी स्तर के पैनेल डेटा का उपयोग करते हुए, अध्ययन में एक समुचित विपरीत तथ्यपरक डेटा प्राप्त करने और आयात उपायों के कारण-संबंधी प्रभाव का अनुमान लगाने के लिए विभिन्नता में भिन्नता विधियों को लागू किया गया है। यह पाया गया है कि आयात उपायों का आयात वस्तुओं की मात्रा पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, लेकिन उनकी मुद्रास्फीति पर नहीं।

I. परिचय

वैश्विक वित्तीय संकट के बाद, देश के प्रमुख उद्योगों, वस्तुओं और रोजगार जैसे राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा को लेकर व्यापार संबंधी उपायों का सहारा लेना, संरक्षणवाद के प्रति झुकाव को दर्शाता है। टैरिफ बढ़ने, आयात कोटा, उत्पाद मानकों, प्रतिपाटन (एंटी-डंपिंग) शुल्क और प्रतिकारी (काउंटरवैलिंग) शुल्क संबंधी जांच के संदर्भ में ये नीतिगत उपाय भिन्न-भिन्न देशों में स्पष्ट दिखते हैं। संरक्षणवाद पर बहस आर्थिक साहित्य के लिए कोई नई बात नहीं है। 1848 की शुरुआत में कार्ल मार्क्स और एंगेल्स के शब्दार्थ अनुसंधान में उल्लेख है कि संरक्षणवादी नीतियां वे साया हैं जो वैश्विक अर्थव्यवस्था का पीछा कर रहे हैं, लेकिन वे भी मुक्त व्यापार की दिशा में नीति के पक्ष में नहीं थे। हालांकि, कई विद्वानों ने देशों के बीच मुक्त व्यापार का समर्थन किया है और इसे संसाधनों की न्यूनतम विकृति के साथ उचित आवंटन में इस्तेमाल करने का सबसे अच्छा साधन माना है (कुछ

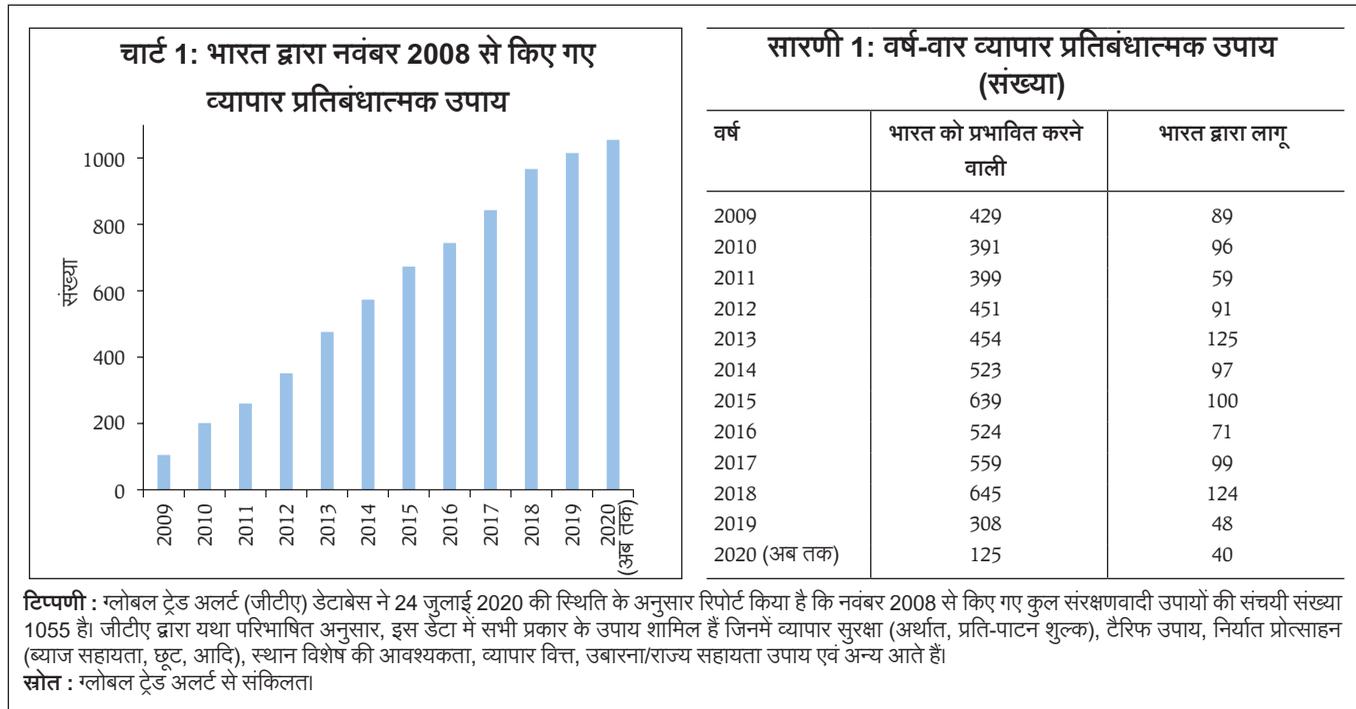
* यह लेख आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक के सोनम चौधरी और राजीव जैन द्वारा तैयार किया गया है। लेख में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने विचार हैं और वे भारतीय रिज़र्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। लेखक, श्रीमती रेखा मिश्र; श्री धीरेन्द्र गजभिये; श्री प्रभात कुमार और श्रीमती मधुच्छन्दा साहू के बहुमूल्य सहयोग के लिए उनके प्रति अपना आभार प्रकट करते हैं।

नाम लिए जा सकते हैं, जैसे, एडम स्मिथ, जेरेमी बेंथम, रिकार्डो)। वैश्वीकरण के साथ देशों के एकीकरण को न केवल वस्तुओं में अप्रतिबंधित व्यापार के संदर्भ में देखा जाता है, बल्कि अबाधित श्रम आवागमन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के संदर्भ में भी देखा जाता है। हालांकि, हाल के दिनों में, नीति-निर्माताओं के बीच अंदरूनी नीतियों को लेकर अधिक जोर दिया जा रहा है। शोधकर्ताओं ने विभिन्न देशों में बड़े पैमाने पर संरक्षणवाद पर चिंता व्यक्त की है, जिससे प्रतिशोधात्मक उपायों के बढ़ने की आशंका है जो उल्टे नतीजतन होने वाली व्यापार खामियों से जुड़ी लागत को बढ़ाता है। जैसा कि पहले कहा गया था, दोनों उन्नत और उभरते बाजार वाली अर्थव्यवस्थाओं ने वैश्विक वित्तीय संकट की अवधि के बाद विभिन्न रूपों में व्यापार संरक्षणवादी उपायों को विस्तृत रूप में अपनाया है।

ग्लोबल ट्रेड अलर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर लागू कुल व्यापार संरक्षणवादी उपायों में से लगभग 15 प्रतिशत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भारत के पण्य व्यापार को प्रभावित करते हैं। ग्लोबल ट्रेड अलर्ट (2019) की एक रिपोर्ट के अनुसार, टैरिफ बढ़ोतरी का सामना करने वाले उत्पादों के आयात का मूल्य भारत के मामले में लगभग 18.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। निर्यात और आयात (माल) दोनों के मामले में सभी प्रकार के संरक्षणवादी उपाय (दोनों टैरिफ और गैर-टैरिफ) 2009 के बाद से बढ़ रहे हैं (चार्ट 1)। भारत को प्रभावित करने वाले संरक्षणवादी उपाय इसके द्वारा लागू किए गए उपायों से 5 गुना अधिक हैं। भारत द्वारा माल व्यापार को लेकर आयात प्रतिबंधात्मक उपाय का सहारा लेने का सिलसिला 2016 और 2017 में बहुत घट गया, लेकिन बाद में घटने से पहले 2018 में फिर से बढ़ा (सारणी 1)।

भारत के मामले में, आयात के उपाय या तो सरकार के प्रमुख 'मेक इन इंडिया' योजना को बढ़ावा देने या कुछ क्षेत्रों (जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स) में प्रचलित उल्टी शुल्क संरचना के मुद्दे का हल करने के उद्देश्य से किए गए हैं। अन्य उपाय व्यापार भागीदारों द्वारा अपनाई गई डंपिंग प्रथाओं के प्रति जवाबी कार्रवाई स्वरूप किए गए थे। इस पृष्ठभूमि में, अध्ययन में प्रमुख सवाल की जांच की गई है कि इन उत्पादों की आयात मात्रा और घरेलू कीमतें आयात प्रतिबंधात्मक उपायों के प्रति कैसा बर्ताव करती हैं।

यह बहुत मुमकिन है कि आयात प्रतिबंध - जब घरेलू माँग घरेलू आपूर्ति से पूरी नहीं होती है - आयात में कटौती की वजह



से उन वस्तुओं की घरेलू कीमतों में वृद्धि हो सकती है। इसलिए, परीक्षण योग्य परिकल्पनाएं इस प्रकार हैं, जैसे (ए) क्या ये आयात संबंधी उपाय आयातों पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं और (बी) क्या ये उपाय आयातों को कम करके उच्च मुद्रास्फीति की ओर ले जाते हैं।

तदनुसार, अध्ययन को चार भागों में बांटा गया है। भाग II में संबंधित साहित्य का सनैपशॉट दिया गया है। भाग III में अनुभवजन्य विश्लेषण के लिए इस्तेमाल किए गए डेटा पर चर्चा की गई है। अनुभवजन्य निष्कर्षों को भाग IV में शामिल किया गया है और अंततः भाग V में निष्कर्ष निकाले गए हैं।

II. रचना की समीक्षा

आर्थिक रचना में, वैश्वीकरण और अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार के खुलेपन के स्तर पर काफी चर्चा की गई है। मुक्त व्यापार के समर्थकों ने सुचारू रूप से काम कर रहे प्रतिस्पर्धी बाजार के तर्क का समर्थन किया है, जो न केवल जहां तक संभव हो सके सर्वोत्तम तरीके से संसाधनों का आवंटन करेगा, बल्कि उत्पादकता लाभ भी पैदा करेगा। यह तर्क दिया जाता है कि व्यापार पर शुल्क और प्रतिबंधों के रूप में बाजार की विकृतियां उपभोक्ताओं सहित संपूर्ण प्रणाली के लिए अक्षमता पैदा करके इष्टतम समाधान से उत्पादकों

को विचलित करती हैं। जबकि दूसरी ओर, व्यापार संरक्षणवाद के समर्थकों का तर्क है कि व्यापार प्रतिबंधित नीतियों का मुख्य आधार राष्ट्रीय सुरक्षा दृष्टिकोण पर टिका हुआ है।

व्यापार संरक्षणवाद के इतिहास में झांककर देखें तो पता चलता है कि उसकी शुरुआत आज से बहुत पहले सन 1567 में वणिकवाद के रूप में हुई थी। फ्रांस वह पहला देश था जिसने अंतर्राष्ट्रीय होड़ से ल्योन रेशम की रक्षा के लिए व्यापार संबंधी उपायों को लागू किया था। अधिकांश 16वीं शताब्दी के दौरान और 18वीं शताब्दी के अंत तक, कई देशों ने वणिकवाद के सिद्धांत को अपनाकर अनुकूल व्यापार संतुलन हासिल करने पर ध्यान केंद्रित किया। इस अवधि के दौरान अधिकांश यूरोपीय देशों ने घरेलू उद्योग को सुरक्षित करने के उद्देश्य से संरक्षणवादी नीतियों का आयातों पर विभिन्न टैरिफ, कोटा के रूप में इस्तेमाल किया। इस युग का अंत तब हुआ जब ब्रिटेन, जो उस समय की सबसे बड़ी व्यापारिक अर्थव्यवस्था थी, ने विकास को बढ़ावा देने के लिए अर्थव्यवस्था को खोलना शुरू किया। विश्व की अर्थव्यवस्था उदारीकृत व्यापार नीतियों की ओर अग्रसर हुई; हालांकि, व्यापार के सिद्धान्त द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर आधारित थे, जिसमें मुक्त-व्यापार संधियों पर ध्यान केंद्रित नहीं किया गया।

1955-56 में अमेरिकी टैरिफ कटौती योजना के तहत लागू टैरिफ परिवर्तनों के कारण के अनुक्रम पर प्रकाश डालते हुए क्रेडिनिन (1961) द्वारा किए गए एक मौलिक अध्ययन में पाया गया है कि टैरिफ कम होने से आयातित वस्तुओं की कीमतें घटती हैं और आयात मात्रा बढ़ती है। 1960 में ब्रिटेन और फ्रांस के बीच एक अन्य लोकप्रिय मुक्त-व्यापार उन्मुख वाणिज्यिक समझौता हुआ था, अर्थात्, कॉबडेन-शेवेलियर संधि¹। इस संधि को 'मुक्त व्यापार महामारी' कहा गया, क्योंकि इसने यूरोपीय महाद्वीप में द्विपक्षीय व्यापार वार्ता की कई शृंखलाओं को प्रेरित किया, जो सदियों से संरक्षणवादी नीतियों का पालन कर रहीं थीं (लेज़र, 1999 और विश्व व्यापार संगठन, (डब्ल्यूटीओ))² समझौतों के इस व्यापक नए नेटवर्क, जिसमें पारस्परिक नीतियों को शामिल किया गया था, ने टैरिफ एंड ट्रेड पर सामान्य समझौते (जीएटीटी) के रूप में बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के लिए एक मजबूत दृष्टि का निर्माण किया। बहुपक्षीय व्यापार वार्ताओं के 8 दौर के बाद, 1995 में यह निर्णय लिया गया कि डब्ल्यूटीओ के रूप में व्यापार को बढ़ावा देने वाले एक अलग निकाय का निर्माण किया जाए जिसमें बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के दायरे में विस्तार करते हुए उसमें सेवाओं और बौद्धिक संपदा अधिकारों को शामिल किया जाए। डब्ल्यूटीओ की स्थापना के बाद से, विश्व जीडीपी के हिस्से के रूप में वैश्विक व्यापार 1995 में 43.4 प्रतिशत से बढ़कर 2019³ में 60.4 प्रतिशत हो गया है। विश्व अर्थव्यवस्था में वित्तीय संकट के दौरान तेज मंदी देखी गई और कई उन्नत अर्थव्यवस्थाओं ने घरेलू फर्मों की सुरक्षा (रोड्रिक, 2009; बोउन, 2011) की दृष्टि से प्रतिबंधात्मक व्यापार उपायों को अपनाया। बढ़ते संरक्षणवाद के हालिया उदाहरणों में से एक यूएस-चीन टैरिफ वॉर है।

¹ इस संधि को क्रांतिकारी माना गया है जिसमें किए गए समझौते के अनुसार 44 मोटे तौर पर परिभाषित ब्रिटिश उत्पादों के आयातों को अनुमति प्रदान की गई है, जो पहले प्रतिबंधित थे। यह समझौता पहला अधिमान्य संधि है, जिसमें बेशर्त सबसे पसंदीदा राष्ट्र (एमएफएन) बर्ताव एवं अधिमान्य टैरिफ शामिल हैं। इनके अलावा, दो देशों द्वारा टैरिफ में भारी कटौती की गई थी।

² 'उन्नीसवीं सदी के द्विपक्षवाद का वर्णन : कॉबडेन-शेवेलियर नेटवर्क के आर्थिक और राजनीतिक निर्धारक तत्व', विश्व व्यापार संगठन।

³ डेटा में सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में वस्तु एवं सेवाओं में व्यापार को शामिल किया गया है और वर्ल्ड बैंक से पुनः प्राप्त किया गया है। <https://data.worldbank.org/indicator/NE.TRD.GNFS.ZS>। नवीनतम उपलब्ध डेटा 2019 के लिए है।

साहित्य में, शोधकर्ताओं ने आयात में गहरी पकड़ और घरेलू अर्थव्यवस्था पर उसके प्रभाव को लेकर मोटे तौर पर दो नज़रिया पेश किया है। एक बहस यह है कि आयात भेदता ज्यादा होने से वृद्धि पर दबाव आता है क्योंकि आयात मूल्य कम होने से घरेलू वस्तुओं की मांग में कमी आती है और बदले में इससे उत्पादन और उद्योग सिकुड़ने लगता है। दूसरे विचार के अनुसार अधिक विदेशी होड़ के साथ आयात में गहरी पकड़ से अति-स्पर्धा का माहौल पनपता है, जो घरेलू फर्मों को निवेश करने और लाभप्रदता बेहतर करने के लिए मजबूर करता है, लिहाजा संवृद्धि को बढ़ावा मिलता है। पारंपरिक व्यापार मॉडल व्यापार पर टैरिफ के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए एक उपयोगी फ्रेमवर्क प्रदान करता है और इस संबंध में व्यापक मत है कि टैरिफ विदेशी वस्तुओं को महंगा कर देता है और आयात की मांग को कम करता है। इनमें से अधिकांशनों अध्ययन देश-स्तर के डेटा पर आधारित हैं न कि पण्य स्तर के डेटा पर। केवल कुछ एक अध्ययन में पण्य स्तर पर आयात की मात्राओं और मुद्रास्फीति पर टैरिफ के प्रभाव को लेकर विशेष तौर पर जोर दिया गया है। पूर्व के कुछ अध्ययनों में व्यापार में खुलेपन के चलते उत्पादन मुद्रास्फीति में तालमेल को लेकर साक्ष्य प्रदान किए गए हैं। मुद्रास्फीति और व्यापार खुलेपन के बीच काफी नकारात्मक संबंध होने का साक्ष्य मिलता है (रोमर, 1993)। एक अन्य अध्ययन, 1973 से 1998 तक के पैनल डेटा का उपयोग कर, के अनुसार व्यापार में खुलापन अल्प समय में देशों की मुद्रास्फीति को रोकने में अहम भूमिका अदा नहीं करता है (अल्फारो, 2005)। विकासशील देशों के मामले में, देश के खुलेपन और मूल्य स्तर के बीच नकारात्मक संबंध है जबकि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं जैसे अमेरिका और बेलजियम के मामले में सकारात्मक संबंध है (किम और बेलाडी, 2005)।

पैनल वीएआर का उपयोग करके हाल में किए गए अध्ययन, जिसमें समष्टिआर्थिक उतार-चढ़ावों पर संरक्षणवाद के प्रभाव का अनुमान लगाया गया था, में पाया गया है कि संरक्षणवाद समष्टिआर्थिक उद्वीपन के लिए कारगर साधन नहीं है। अध्ययन के मुताबिक कि संरक्षणवाद को लेकर लगाया गया अनुमान आपूर्ति झटका के रूप में काम करता है और मुद्रास्फीति को प्रभावित करता है (बारातियारी एवं अन्य, 2018)। एक अन्य

अध्ययन इन निष्कर्षों को और मजबूत करता है कि आयात टैरिफ में तेज कमी के रूप में व्यापार नीति में परिवर्तन औसतन आर्थिक विकास पर सकारात्मक प्रभाव डालता है, हालांकि यह प्रभाव विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं में भिन्न होता है (इरविन, 2019)। विद्वानों ने तर्क दिया है कि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं द्वारा व्यापार संरक्षणवाद में हाल ही में वृद्धि ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को कैसे प्रभावित किया है। कुछ अध्ययनों में अमेरिका और चीन द्वारा टैरिफ में हालिया बढ़ोतरी करने को लेकर जांच करने का प्रयास किया गया है। इनमें से कुछ अध्ययन इस बात पर एक विस्तृत चर्चा करते हैं कि टैरिफ अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के संदर्भ में मांग और कीमतों को कैसे प्रभावित करते हैं। इस तरह के एक अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला कि अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाने से मध्यवर्ती और तैयार माल दोनों की कीमतें प्रभावित हुईं, जिस पर अप्रभावित क्षेत्रों की तुलना में शुल्क लगाए गए थे, और अमेरिकी अर्थव्यवस्था की आपूर्ति-श्रृंखला नेटवर्क में भारी बदलाव देखे गए थे (अमिती एवं अन्य, 2019)। इसके अलावा टैरिफ लगाए जाने से उसका अमेरिकी घरेलू कीमतों पर पूरी तरह से संचरण हुआ, जिसका आशय है कि घरेलू उपभोक्ताओं और आयातकों पर टैरिफ की मार पड़ी और विदेशी निर्यातकों द्वारा प्राप्त कीमतों पर लगभग कोई प्रभाव नहीं पड़ा। अमेरिका के मामले में, टैरिफ-युक्त वस्तुओं पर उच्च कीमतों के परिणामस्वरूप चीन से कम आयात हुआ (निकिता, 2019)। टैरिफ बढ़ोतरी के रूप में अमेरिका और चीन के संरक्षणवाद के प्रभाव का विश्लेषण करते हुए, एक हालिया अध्ययन में पाया गया है कि कीमतों में वृद्धि से अमेरिकी व्यापार प्रवाह में गिरावट आई है और 51 बिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है (फज़लबॉम एवं अन्य, 2020)।

वर्तमान अध्ययन सैद्धांतिक और अनुभवजन्य साहित्य से संबंधित है, जो कीमतों और आयात जैसे वृहद-आर्थिक संकेतकों पर आयात उपायों के प्रभाव का विश्लेषण करता है। यह अध्ययन व्यापार उपायों के अल्पकालिक प्रभावों की पहचान करने के लिए उच्च आवृत्ति वाले मासिक व्यापार और समष्टिआर्थिक डेटा का उपयोग करता है। इस प्रकार यह अध्ययन व्यापार उपायों के प्रभाव के संबंध में बढ़ते साहित्य में योगदान देता है।

III. डेटा विवरण

अध्ययन में उन चुनिंदा वस्तुओं को शामिल किया गया है, जिन पर आयात संबंधी उपाय जनवरी 2015 से दिसंबर 2018 की अवधि के दौरान लागू किए गए थे। ये उपाय या तो उच्च बुनियादी सीमा शुल्क / प्रति-पाटन शुल्क (बीसीडी/एडीडी) के रूप में या गैर-टैरिफ प्रतिबंध के किसी अन्य रूप में थे। आयात उपाय संबंधी डेटा विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) और भारत सरकार के केंद्रीय बजट द्वारा जारी अधिसूचनाओं से संकलित किए जाते हैं (सूची के लिए अनुबंध देखें)।

सैम्पल अवधि के दौरान जिन वस्तुओं के संबंध में आयात उपाय किए गए थे उनमें से केवल 50 वस्तुओं के लिए मुद्रास्फीति और घरेलू उत्पादन संबंधी तुलनीय डेटा उपलब्ध थे, जिसे अनुभवजन्य विश्लेषण (ट्रीटमेन्ट ग्रुप) के लिए उपयोग किया जा सकता है। सैम्पल अवधि के दौरान उन वस्तुओं जिन पर आयात उपाय लागू किए गए थे उनके अलावा अध्ययन में 69 वस्तुओं की भी जांच की गई है जो समूह (कन्ट्रोल ग्रुप) में से यादृच्छिक रूप से चुनी गयी आयात वस्तुएं हैं। व्यापक समूह में आने वाली इन वस्तुओं का उन वस्तुओं के साथ या तो समस्तरीय अथवा विषमस्तरीय संबंध है जिन पर आयात संबंधी उपाय लागू किए गए थे। इसलिए, कुल 119 आयात वस्तुओं का सैम्पल लिया गया था। इस अध्ययन के मूल में दोनों श्रेणियों (अर्थात्, आयात उपायों सहित और रहित) के आयातों की पार्याप्त मौजूदगी सुनिश्चित करना है। अध्ययन में जनवरी 2013 से दिसंबर 2019 तक इन 119 वस्तुओं को लेकर कीमत, आयात और उत्पादन संबंधी डेटा जुटाए गए हैं।

मुद्रास्फीति की गणना करने के लिए, अध्ययन में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) एवं वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (एमओसीएंडआई) के आर्थिक सलाहकार कार्यालय द्वारा जारी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक/थोक मूल्य सूचकांक के मासिक डेटा का उपयोग किया गया है। चयनित वस्तुओं के आयात का डेटा एमओसी एंड आई के

वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी (डीजीसीआई एंड एस) महानिदेशालय से या तो छह अथवा आठ अंकों के स्तर पर निकाला गया है। घरेलू उत्पादन डेटा मुख्य रूप से एमओएसपीआई से औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित हैं। कृषि वस्तुओं के उत्पादन के संबंध में, रबी/ खरीफ के लिए कृषि मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए डेटा तथा बादाम और अखरोट के लिए राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (एनएचबी) द्वारा उपलब्ध कराए गए डेटा का उपयोग शुल्क लगाने के पूर्व और बाद के दौरान उत्पादन में औसत वृद्धि के लिए उचित रूप से किया जाता है। अध्ययन में अधिक बारीकी से वस्तु की कीमतों और उत्पादन के संबंध में संगत जानकारी के साथ ही वस्तुओं के आयातों का एक-एक करके मैपिंग किया गया है, जिन पर टैरिफ / गैर-टैरिफ उपाय लागू किए गए थे।

IV. शोधपरक तथ्य और प्रयोगसिद्ध विश्लेषण

कीमतों और कल्याण पर व्यापार उपायों के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए पारंपरिक व्यापार ढांचा पूरी तरह से प्रतिस्पर्धी बाजार की धारणा के साथ आंशिक संतुलन मॉडल पर आधारित है। सिद्धांत भविष्यवाणी करता है कि टैरिफ, कोटा, स्वैच्छिक प्रतिबंधों आदि के रूप में आयात प्रतिबंधात्मक उपायों को लागू करने से आयातित वस्तु की लागत बढ़ जाती है और इसलिए इसकी घरेलू मांग कम हो जाती है। हालांकि, मांग में कमी की तीव्रता मांग और आपूर्ति वक्रों के ढलान पर निर्भर करती है।

यह जानने के लिए कि प्रतिबंधात्मक उपायों ने कैसे आयातों को प्रभावित किया है, प्रथम कदम के तौर पर, हम अध्ययन में विचार की गई समयावधि के दौरान इन वस्तुओं की आयात मात्रा का क्या हुआ उसकी जांच करते हैं। डीजीसीआई एंड एस द्वारा सूचित डेटा हार्मोनाइज्ड टैरिफ शेड्यूल (एचटीएस) के छह और आठ-अंक स्तर पर आयात मूल्य और आयातित मात्रा देते हैं। ये डेटा छोटी-छोटी लगभग 12,000 श्रेणियों के आयातों के मासिक ब्योरा के लिए हैं।

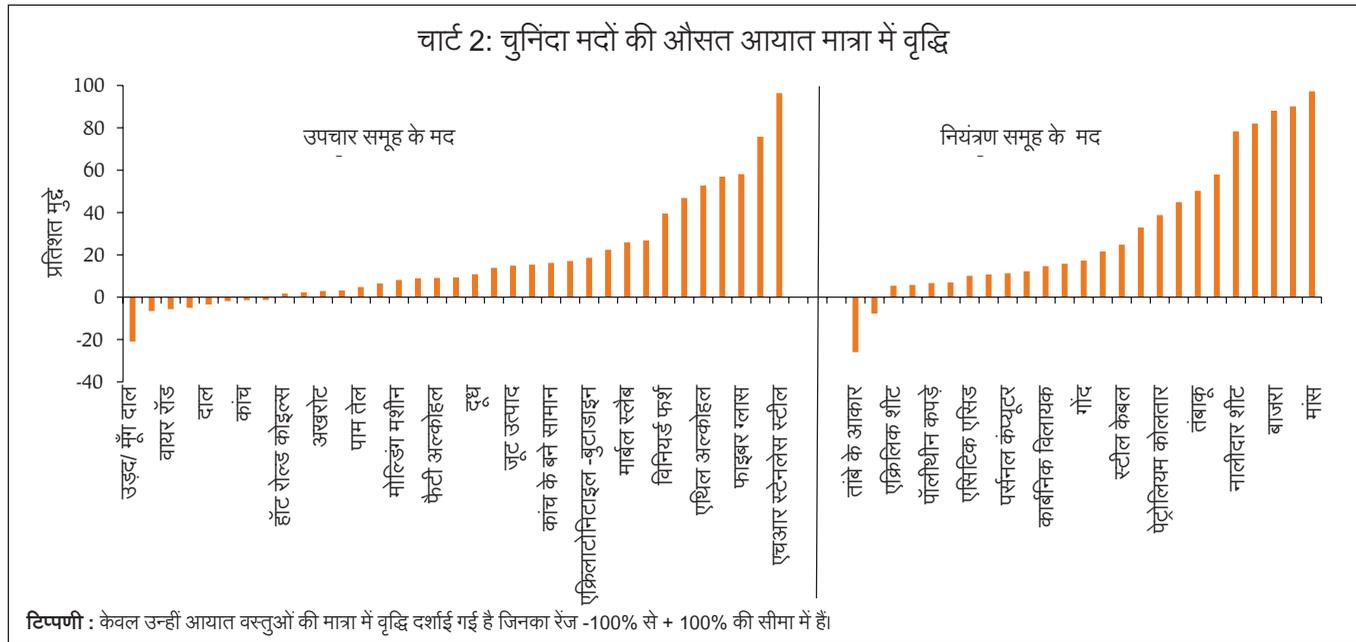
सारणी 2: सारांश सांख्यिकी : आयात मात्रा में उतार-चढ़ाव

आयात	कुल सैम्पल आकार	व्यापार उपाय लागू करने के बाद आयात मात्रा में परिवर्तन	
		गिरावट	वृद्धि
आयात उपायों के साथ : ट्रीटमेंट ग्रुप	50	37	13
आयात उपायों के बगैर (संबंधित वस्तुएं): कन्ट्रोल ग्रुप	69	33	36
कुल	119	70	49

स्रोत : डीजीसीआईएस डेटा पर आधारित लेखकों की गणना।

सारणी 2 में ट्रीटमेंट और कन्ट्रोल ग्रुप दोनों वस्तुओं के लिए आयात मात्रा वृद्धि पर आधारित वस्तुओं की सैम्पल संरचना एवं विभाजन प्रस्तुत किया गया है। 50 वस्तुओं, जिन पर आयात प्रतिबंधात्मक उपाय लागू किए गए थे, में से कुछ वस्तुओं में उपायों के कार्यान्वयन-पश्चात की आयात मात्रा वृद्धि में काफी गिरावट दर्ज की गई। प्राथमिक विश्लेषण से कई महत्वपूर्ण स्वरूप उभरते हैं। उदाहरण के लिए, 70 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं, जिन पर आयात उपाय लागू किए गए थे, में कार्यान्वयन-पश्चात अवधि में औसतन आयात मात्रा में गिरावट दर्ज की गई। इसके विपरीत, कुछ वस्तुओं के लिए, आयात मात्रा में इस तरह के उपाय लागू करने के बाद वृद्धि हुई। चार्ट 2 में प्रतिबंधित अवधि के दौरान दोनों ट्रीटमेंट और कन्ट्रोल ग्रुप श्रेणियों के मामले में कैसे आयात-मात्रा वृद्धि व्यवहार करती है के संबंध में जानकारी दी गई है। हॉट-रोल्ड स्टेनलेस स्टील, फाइबरग्लास, एथिल अल्कोहल जैसी वस्तुएं उन वस्तुओं में से हैं, जिन्होंने आयात उपाय के बाद भी उच्च मात्रा में वृद्धि दर्ज की है।

शैलीगत तथ्य आयात उपायों के पूर्व और पश्च कार्यान्वयन में विशिष्ट वस्तुओं की आयात मात्रा में वृद्धि के कुछ रुझान प्रदान करते हैं, जो इस धारणा के अनुरूप है कि इन प्रतिबंधात्मक उपायों के कारण आयात में गिरावट आई है या लागत में वृद्धि के



कारण घरेलू आपूर्ति वस्तुओं की उच्च उपलब्धता के कारण। सारणी 3 में इन आयातित वस्तुओं के घरेलू मूल्यों से संबंधित प्रारंभिक अवलोकन की जांच के लिए वही कार्य प्रणाली दोहराई गई है। सारणी से यह बात पता चलती है कि उपचार समूह में आधे से अधिक पण्यों में पश्च कार्यान्वयन अवधि में औसतन कीमतों में वृद्धि का अनुभव नहीं हुआ। हालांकि, इस पर ध्यान दिया जा सकता है कि पाम तेल, सोयाबीन तेल, कोल्ड रोल्ड और हॉट रोल्ड कोइल, कोल्ड रोल्ड स्टेनलेस स्टील उत्पादों जैसी वस्तुओं की कार्यान्वयन के पश्च उपायों से मुद्रास्फीति दर में तेजी से वृद्धि हुई है (चार्ट 3)। प्रत्यक्षतः, ऐसा लगता है कि आयात उपाय लागू किए जाने के बाद मुद्रास्फीति की प्रतिक्रिया

में कोई पैटर्न नहीं है। हालांकि, निम्नलिखित चर्चा में इसका अनुभवजन्य परीक्षण किया जा रहा है।

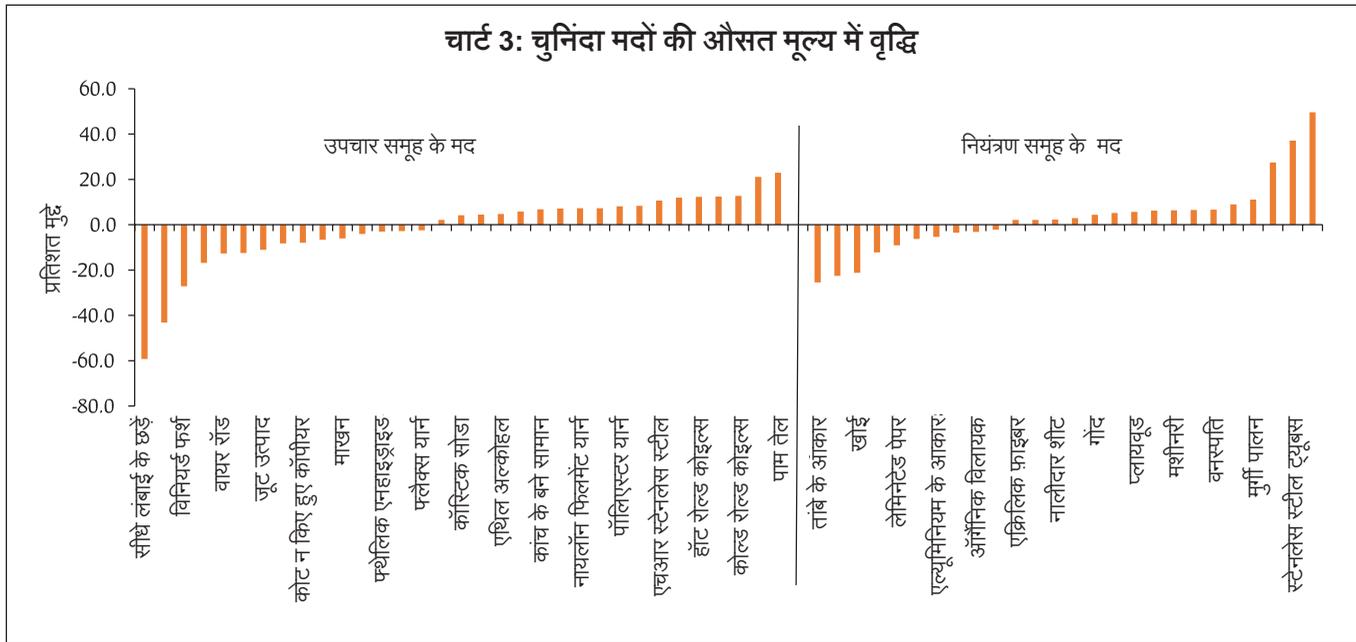
आयात मात्रा और मुद्रास्फीति संचलन पर कुछ शैलीगत तथ्य प्रदान करने के बाद, अध्ययन के दो परिणाम संकेतक, अर्थात्, मूल्य और आयात मात्रा वृद्धि पर आयात प्रतिबंधक उपायों के प्रभाव की जांच करने के लिए एक मॉडल निर्दिष्ट करता है। प्रभाव को समझने के लिए, हमने दिनांकित पैनेल ढांचे में अंतर-में-अंतर (डीआईडी) का प्रयोग किया, जो नीतिगत परिवर्तनों के आकस्मिक प्रभावों की जांच करने के लिए लोकप्रिय डिजाइनों में से एक है। इस अध्ययन के लिए अनुमान का परीक्षण इस बात से संबंधित है कि क्या आयात उपायों को लागू करने से आयात कम हुआ और विशेष रूप से घरेलू कीमतों में कैसे प्रगति हुई। यह अनुभवजन्य विनिर्देश वस्तुओं के बीच संबंधों को अलग करने का प्रयास करता है जिस पर उपाय लगाए जाते हैं और जिन वस्तुओं पर ऐसे उपाय नहीं लगाए जाते हैं।

इस प्रकार, हमारे मामले में, वस्तुओं के दो उप-समूह हैं, अर्थात्, आयात उपायों (उपचार समूह) के साथ आयात मद और आयात उपाय (नियंत्रण समूह) के बिना आयात मद, जो उत्पाद डमी द्वारा दर्शाया जाता है। इसी तरह, प्रत्येक आयातित वस्तु के लिए दो समय अवधि हैं, अर्थात्, प्रतिबंधों के पूर्व और

सारणी3: सारांश सांख्यिकी: मूल्य भिन्नता

पण्य	कुल नमूना आकार	व्यापार उपायों को लागू करने के बाद मुद्रास्फीति में बदलाव	
		कमी	वृद्धि
आयात उपायों के साथ :उपचार समूह	50	27	23
आयात उपायों के बिना (संबंधित मदें): नियंत्रण समूह	69	39	30
कुल	119	66	53

स्रोत: डीजीसीआईएस डाटा पर आधारित लेखकों की गणना



बाद में लगाए जाने और समय के डमी द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया। पैनल डेटा के साथ डीआईडी का उपयोग करने का फायदा यह है कि आइटम निश्चित प्रभाव और समय निश्चित प्रभाव को अन्य अवलोकन योग्य चर⁴ के अलावा भी नियंत्रित किया जा सकता है।

अनुभवजन्य विनिर्देश इस प्रकार हैं :

$$\begin{aligned}
 & \text{(Control variables)} \\
 & \text{.....} \\
 & LIMPV_{it} = \beta_0 + \beta_1 LIIP_{it-1} + \beta_2 LGRIP_{it-1} \\
 & \quad + \beta_3 (\text{Time dummy} * \text{Product dummy}) \\
 & \quad + \text{Product FE} + \text{Time FE} + \varepsilon_{it} \\
 & \text{.....(1)}
 \end{aligned}$$

यहां, आईआईएमपीवी वस्तुओं की आयात की मात्रा का प्रतिनिधित्व करने वाला एक आश्रित चर है⁵। जबकि आईआईपी, वस्तुओं के घरेलू उत्पादन का प्रतिनिधित्व करता है, जीआरआईआईपी का तात्पर्य वस्तुओं के समूह के

⁴ आइटम निश्चित प्रभाव सभी अप्रचलित छोड़े गए चर को निर्भर करता है जो आश्रित चर को अनुभागीय रूप से प्रभावित करते हैं लेकिन समय के साथ भिन्न नहीं होते हैं। उदाहरण के लिए, माँग की कीमत लोच वस्तुओं में भिन्न हो सकती है, लेकिन समय की पर्याप्त अवधि में नहीं बदलती है। इसी प्रकार, अवधि निश्चित प्रभाव अप्रभावित छोड़े गए चर के प्रभाव को पकड़ लेता है, विशेष रूप से, विनियम दर में परिवर्तन और अन्य नीतिगत परिवर्तन जो आश्रित चर को प्रभावित कर सकते हैं और समय के साथ भिन्न हो सकते हैं लेकिन निरंतर पार-अनुभागीय हैं। सिद्धांत रूप में, टैरिफ आंशिक रूप से टैरिफ लगाने वाले देश (जीनी 2020) में एक मुद्रा प्रशंसा से ऑफसेट होते हैं और उनके प्रभाव विनियम दरों (स्टिग्लिट्ज 2016) में अंतर्जात गति द्वारा ऑफसेट होने की संभावना है।

⁵ समीकरणों में L एक वेरिएबल के लॉग को दर्शाता है।

आईआईपी से है, जिसमें से आयात मद⁶ शामिल है। आईआईपी गुप को समूह के भीतर संबंधित वस्तुओं की मांग के लिए प्रॉक्सी के रूप में प्रयोग किया जाता है और इसकी यह धारणा यह है कि किसी विशेष समूह का उच्च उत्पादन विकास समूह के भीतर की सभी वस्तुओं के लिए उछाल की मांग को प्रतिबिंबित करता है। यह उस समूह के भीतर वस्तुओं के आयात को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा, i और t क्रमशः उत्पाद और समय का प्रतिनिधित्व करता है। यहां आयात उपायों का प्रभाव संवादात्मक शब्द के माध्यम से लिया गया है। इसके अलावा मुद्रास्फीति पर प्रभाव को समझने के लिए, नीचे दर्शाए गए विशिष्ट समीकरण के आधार पर अध्ययन अनुमान का परीक्षण करता है:

$$\begin{aligned}
 & \text{(Control variables)} \\
 & \text{.....} \\
 & DLPI_{it,12} = \gamma_0 + \gamma_1 DLIMPV_{it,12} + \gamma_2 DLIIP_{it,12} + \gamma_3 DLGRINF_{it,12} \\
 & \quad + \gamma_4 (\text{Time dummy} * \text{Product dummy}) \\
 & \quad + \text{Product FE} + \text{Time FE} + \varepsilon_{it} \\
 & \text{.....(2)}
 \end{aligned}$$

समीकरण 2 में, डीएलपीआई निर्भर चर है जो 12 महीने पूर्व (वर्ष दर वर्ष परिवर्तन) की तुलना में अवधि t में किसी आइटम के लॉग मूल्य सूचकांक में परिवर्तन का प्रतिनिधित्व

⁶ चूंकि आयात की मात्रा में वास्तविक वृद्धि कुछ मामलों में असामान्य रूप से अधिक थी, इसलिए इस चर को 100 से विभाजित करके घटाया गया है। उदाहरण के लिए, 10% की आयात मात्रा में वृद्धि 0.10 के रूप में ली जाएगी और इस प्रकार इसके गुणांक के आकार के अनुसार व्याख्या की जानी चाहिए। एंडोजेनिटी को सही करने के लिए, समूह IIP विकास और समूह मुद्रास्फीति को आयात के भारित योगदान के साथ ही पूरा करके समायोजित किया जाता है।

करता है। इसी प्रकार डीलआईएमपीवी, डीलआईआईपी, डीलजीआरआईएनएफ क्रमशः आयात मात्रा, घरेलू उत्पादन, समूह मुद्रास्फीति में वर्ष दर वर्ष परिवर्तन पर हैं। समूह मुद्रास्फीति वस्तुओं के व्यापक समूह की मुद्रास्फीति का प्रतिनिधित्व करती है, जो या तो नमूने में कवर की गई वस्तुओं से लंबवत या क्षैतिज रूप से संबंधित होती हैं।

यहां उद्देश्य यह है कि एक ही समूह से संबंधित वस्तुओं की मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना है, जो आयात के उपायों के कारण कम आयात के कारण आपूर्ति की कमी के अलावा अन्य सामान्य कारकों (अर्थात्, आपूर्ति की कमी के अलावा अन्य) के प्रभाव को प्रतिबिंबित कर सकता है।

इन दो समीकरणों में, β_3 और γ_4 हमारे मुख्य हित के गुणांक हैं क्योंकि उनका सांख्यिकीय महत्व आयात मात्रा वृद्धि और मुद्रास्फीति को प्रभावित करने में आयात उपायों की प्रभावकारिता को प्रभावित करेगा। समीकरण 1 पर आधारित परिणाम दर्शाते हैं कि IIP का गुणांक काफी नकारात्मक है, जो आयात मात्रा पर घरेलू उत्पादन के व्युत्क्रम कारण का संकेत देता है। पिछले महीने उत्पादन में 1 प्रतिशत की वृद्धि से कम से कम 0.004 प्रतिशत की औसत से कमोडिटी आयात में गिरावट के साथ जुड़ा हुआ है। उमी की अंतःक्रियात्मक अवधि नकारात्मक और सांख्यिकीय रूप से 5 प्रतिशत के स्तर पर महत्वपूर्ण है, जिसका अर्थ है कि आयात उपायों के लागू होने से पश्च कार्यान्वयन की अवधि (तालिका 4) में आयात मात्रा में गिरावट आती है। इंटरैक्शन टर्म का मतलब है कि इंपोर्ट प्रतिबंध समूह को

सारणी 4: पैनेल डेटा पर आधारित अंतर-अंतर अनुमान (आश्रित चर : एलआईएमपीवी)

	कोईएफएफ	एस. ई	जेड	पी-मूल्य
सी	0.11	0.01	10.18	0.00
एल आई आई पी(-1)	-0.004	0.002	-2.21	0.03
एल जी आरआईआईपी (-1)	0.01	0.00	1.48	0.14
सहभागिता टर्म के लिए नियंत्रित	-0.01	0.01	-2.26	0.02
मद स्थिर प्रभाव	Yes			
निर्धारित अवधि प्रभाव	Yes			
आर 2	0.75			

टिप्पणी: सफेद- अवधि -भार का प्रयोग करते हुए अवलोकन के कल्सटरिंग के लिए मानक त्रुटियाँ(कोष्ठक में) को सुधार किया गया।

नियंत्रित करने की तुलना में आयात प्रतिबंधात्मक उपाय लागू होने के बाद आयात की मात्रा औसतन 1.3 प्रतिशत घट जाती है। अन्य नियंत्रण चर, अर्थात्, समूह IIP के संबंध में, परिणाम यह बताता है कि संबंधित वस्तु समूह में मांग की स्थिति सकारात्मक रूप से आयात की मांग को प्रभावित करती है।

मुद्रास्फीति समीकरण में, बातचीत शब्द का गुणांक (अर्थात्, γ_4) सकारात्मक है जो बताता है कि मुद्रास्फीति प्रतिबंधात्मक उपायों के लागू होने के साथ अधिक होती है, हालांकि यह सांख्यिकीय रूप से महत्वहीन है। इसके अलावा, घरेलू उत्पादन में बदलाव नमूने में शामिल वस्तुओं के मुद्रास्फीति के स्तर को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। तालिका 5 अनुमान प्रदान करती है कि उत्पादन में 1 प्रतिशत की वृद्धि मुद्रास्फीति में 0.008 प्रतिशत की गिरावट के साथ जुड़ी हुई है। इसके अलावा, आयात की मात्रा में परिवर्तन किसी वस्तु के घरेलू मुद्रास्फीति को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है, जो कि हमारी प्राथमिकताओं के अनुसार नहीं है। आम तौर पर इस तरह के संबंध की वृहद स्तर पर उम्मीद की जा सकती है क्योंकि उच्च आयात से घरेलू मुद्रा का मूल्यहास होता है जो बदले में मुद्रास्फीति को विनिमय दर के माध्यम से प्रभावित कर सकता है। हालांकि, कमोडिटी स्तर पर, गुणांक का संकेत आयातित वस्तुओं की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में रुझान से निर्धारित किया जा सकता है। यह भी देखा गया है कि समूह की मुद्रास्फीति में परिवर्तन आयातित वस्तुओं की मुद्रास्फीति में महत्वपूर्ण बदलाव की व्याख्या करता है। इससे पता चलता है कि समान

सारणी 5: पैनेल डेटा पर आधारित अंतर-अंतर अनुमान (आश्रित चर : डीलओजीपीआई, अर्थात् मुद्रास्फीति)

	कोईएफएफ	एस. ई	जेड	पी-मूल्य
सी	0.007	0.002	3.69	0.00
डीएलआईएमपीवी	0.004	0.001	3.74	0.00
डीएलआईआईपी	-0.008	0.004	-2.21	0.03
डीएलजीआरआईएनएफ	0.886	0.018	49.85	0.00
सहभागिता टर्म के लिए नियंत्रित	0.008	0.006	1.25	0.21
मद स्थिर प्रभाव	Yes			
निर्धारित अवधि प्रभाव	Yes			
आर 2	0.29			

टिप्पणी: सफेद- अवधि -भार का प्रयोग करते हुए अवलोकन के कल्सटरिंग के लिए मानक त्रुटियाँ(कोष्ठक में) को सुधार किया गया।

कारक, जो अन्य समूह की वस्तुओं की मुद्रास्फीति को प्रभावित करते हैं (या तो क्षैतिज या लंबवत रूप से संबंधित) आयात उपायों वाली वस्तुओं के लिए महत्वपूर्ण हैं।

V. निष्कर्ष

व्यापक समष्टि आर्थिक संकेतकों पर आयात उपायों के प्रभाव को समझने पर साहित्य में व्यापार ढांचे के निष्कर्षों से प्रेरित, यह अध्ययन भारत के लिए मामले की जांच करता है। अध्ययन दो परिकल्पनाओं का परीक्षण करता है। पहला, क्या आयात उपायों का सामना करने वाली वस्तुओं के आयात की मात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। दूसरा, क्या आयात उपायों को अपनाने के बाद इन वस्तुओं की घरेलू मुद्रास्फीति दर में तेजी आती है। 119 वस्तुओं के लिए पैनेल डेटा पर डीआईडी विधि का उपयोग करके परिकल्पनाओं का परीक्षण किया जाता है।

परिणाम बताते हैं कि ये आयात उपाय, कार्यान्वयन के बाद की अवधि में आयात मात्रा को प्रभावित करते हैं। यद्यपि मुद्रास्फीति पर प्रभाव सिद्धांत के अनुरूप है, गुणांक सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं है। मुद्रास्फीति पर नगण्य प्रभाव संभवतः यह दर्शाता है कि आयात माप के लिए जिन वस्तुओं के आयात की मात्रा पर विचार किया जा रहा है, वह कीमतों को प्रभावित करने के लिए घरेलू आपूर्ति के सापेक्ष पर्याप्त नहीं है, हालांकि मात्रा डेटा की कमी के कारण इस अनुमान को अनुभवजन्य रूप से पता लगाना मुश्किल है। घरेलू आपूर्ति पर संक्षेप में, यह अनुमान लगाया जा सकता है कि आयात उपाय इन वस्तुओं के आयात की मात्रा में वृद्धि को प्रभावित करते हैं लेकिन उनकी मुद्रास्फीति को नहीं। हालांकि, अनुमान को चेतावनी के साथ देखने की जरूरत है कि अन्य चर पर तुलनीय डेटा की अनुपलब्धता के कारण कई आयात आइटम नमूने में शामिल नहीं किए जा सकते हैं। इसके अलावा, गणना एक आंशिक संतुलन ढांचे पर आधारित होती है जिसके तहत यह अनुमान लगाया जाता है कि आयात उपाय उन क्षेत्रों को प्रभावित नहीं करते हैं जो माप से सीधे प्रभावित आयात का उपयोग नहीं करते हैं। फिर भी, अध्ययन आयात मात्रा और मुद्रास्फीति पर आयात प्रतिबंधात्मक उपायों के कारण प्रभावों पर महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है जो अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और संरक्षणवाद पर मौजूदा साहित्य के अनुरूप हैं।

संदर्भ

- Alfaro, L. (2005), "Inflation, openness, and exchange-rate regimes: the quest for short-term commitment". *Journal of Development Economics*, 77(1), 229-249.
- Amiti, M., Redding, S. J., and Weinstein, D. E. (2019), "The Impact of the 2018 Tariffs on Prices and Welfare". *Journal of Economic Perspectives*, 33(4), 187-210.
- Barattieri, A., Cacciatore, M., and Ghironi, F. (2018), "Protectionism and the business cycle". *National Bureau of Economic Research, Working Paper 24353*.
- Bown, C. P. (2010), "Global antidumping database". *World Bank*.
- Bown, C. P. (2011), "Taking Stock of Antidumping, Safeguards and Countervailing Duties, 1990-2009". *The World Economy* 34: 1955-1998.
- Bown, C. P., and Crowley, M. A. (2012), "Import protection, business cycles, and exchange rates: Evidence from the Great Recession". *World Bank*.
- De Loecker, J., J. Eeckhout, and G. Unger (2018), "The Rise of Market Power and the Macroeconomic Implications". *National Bureau of Economic Research, Working Paper 23687*.
- Fajgelbaum, P. D., Goldberg, P. K., Kennedy, P. J., and Khandelwal, A. K. (2020), "The return to protectionism". *The Quarterly Journal of Economics*, 135(1), 1-55.
- Goldberg, P. K., Khandelwal, A. K., Pavcnik, N., and Topalova, P. (2010). "Imported intermediate inputs and domestic product growth: Evidence from India". *The Quarterly journal of economics*, 125(4), 1727-1767.
- Irwin, D. A. (2019), "Does Trade Reform Promote Economic Growth? A Review of Recent Evidence". *National Bureau of Economic Research, Working Paper 25927*.
- Lazer, D. A. (1999), "The free trade epidemic of the 1860s and other outbreaks of economic discrimination", *World Politics*, Vol. 51, 447-83.

Li, M. (2020). The US-China trade war: Tariff data and general equilibrium analysis. *Journal of Asian Economics*, 101216.

Marx, K., & Engels, F. (1848), "The Communist Manifesto". Selected Works by Karl Marx and Frederick Engels. New York: International Publishers, 1363.

Jeanne, Olivier (2020), "To What Extent Are Tariffs Offset by Exchange Rates?", PIIE Working Paper No.20-1, January.

Kim, M., Beladi, H. (2005), "Is Free Trade Deflationary". *Economics Letters*, 89: 343-349.

Kreinin, Mordechai E. (1961), "Effect of Tariff Changes on the Prices and Volume of Imports" *The American Economic Review*, Vol. 51, No. 3, 310-324

Nicita, Alessandro (2019), "Trade and trade diversion effects of United States tariffs on China", UNCTAD Research Paper No. 37, UNCTAD/SER.RP/2019/9.

Rodrik, D. (2009), "The myth of rising protectionism". *Project Syndicate*

Romer, D. (1993), "Openness and inflation: theory and evidence". *The Quarterly Journal of Economics*, 108(4), 869-903.

Selina Jackson (2015), "Growth and development: Why openness to trade is necessary but not sufficient", <https://www.brookings.edu/blog/future-development/2015/11/23/growth-and-development-why-openness-to-trade-is-necessary-but-not-sufficient/>

Stiglitz, Joseph. (2016), "A Nobel Laureate Explains How Trump Could Nuke the Economy", *Vanity Fair*, December 27.

World Trade Organisation Report (2011), "The WTO and preferential trade agreements: From co-existence to coherence".

परिशिष्ट
नमूने में शामिल वस्तुओं की सूची और उनके लिए किए गए आयात उपाय

क्रम संख्या	पण्य	दिनांक	आयात उपायों के प्रकार
1	शीट ग्लास	13-03-2015	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
2	स्टेनलेस स्टील के हॉट रोलड फ्लैट उत्पाद	05-06-2015	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
3	दूध	24-06-2015	आयात पर प्रतिबंध
4	दूध के उत्पाद	24-06-2015	आयात पर प्रतिबंध
5	फाईबर ग्लास	09-07-2015	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
6	गेहूँ	07-08-2015	आयात पर प्रतिबंध
7	कोस्टिक सोडा	18-08-2015	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
8	फॉस्फोरिक एसिड	24-08-2015	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
9	एक्रिलोनिट्राइल ब्यूटाडाइन रबर	04-09-2015	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
10	प्लास्टिक प्रसंस्करण या इंजेक्शन मोल्डिंग मशीन	04-12-2015	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
11	फथेलिक एनहाइड्राइड	04-12-2015	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
12	स्टेनलेस स्टील के कोल्ड रोलड फ्लैट उत्पाद	11-12-2015	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
13	विस्कोस स्टेपल फाईबर	08-08-2016	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
14	हॉट रोलड (एच आर) कोइल्स और शीट्स	08-08-2016	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
15	मार्बल स्लेब, टैवर्टीन	17-09-2016	आयात पर प्रतिबंध
16	मिश्र धातु या गैर मिश्र धातु इस्पात के तार रॉड	02-11-2016	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
17	जूट उत्पाद (यार्न और हेसियन)	05-01-2017	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
18	मिश्र धातु या गैर मिश्र धातु इस्पात के कोल्ड रोलड फ्लैट उत्पाद	07-02-2017	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
19	विस्कोस फिलामेंट यार्न	03-05-2017	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
20	सोडा पाउडर	30-06-2017	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
21	चीनी	10-07-2017	आयात ड्यूटी
22	पिजन मटर	05-08-2017	आयात पर प्रतिबंध
23	पाम तेल (कच्चा और परिष्कृत)	11-08-2017	बेसिक कस्टम ड्यूटी
24	उड़द / मूंग दाल	21-08-2017	आयात पर प्रतिबंध
25	सोयाबीन	17-11-2017	बेसिक कस्टम ड्यूटी
26	क्रुड सोयाबीन तेल	17-11-2017	बेसिक कस्टम ड्यूटी
27	विशिष्ट इलेक्ट्रॉनिक सामान (टीवी)	14-12-2017	बेसिक कस्टम ड्यूटी
28	चिकपेस और मसूर	21-12-2017	बेसिक कस्टम ड्यूटी
29	यूरिया	24-01-2018	आयात पर प्रतिबंध
30	विनियर्ड इंजीनियर लकड़ी का फर्श	27-03-2018	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
31	कांच के सामान	18-04-2018	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
32	पेरोक्सो सल्फेट	14-05-2018	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
33	अखरोट	23-05-2018	आयात पर प्रतिबंध
34	संतृप्त फैटी शराब	25-05-2018	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
35	बादाम	01-06-2018	आयात पर प्रतिबंध
36	हाइड्रोजन पेरोक्साइड	01-06-2018	आयात पर प्रतिबंध
37	दलहन	20-06-2018	टैरिफ
38	उच्च तम्बू पॉलिएस्टर यार्न	09-07-2018	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
39	पीस मीडिया बॉल्स	13-07-2018	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
40	सौर सेल	30-07-2018	सुरक्षा ड्यूटी
41	एथिल अल्कोहल	21-08-2018	आयात पर प्रतिबंध
42	पेट्रोलियम तेल	21-08-2018	आयात पर प्रतिबंध
43	कांच	06-09-2018	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
44	फ्लैट बेस स्टील	05-10-2018	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
45	नायलॉन मल्टी फिलामेंट यार्न	05-10-2018	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
46	डक्टाइल आयरन पाइप	09-10-2018	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
47	सीधे लंबाई बार और छड़	18-10-2018	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
48	फ्लैक्स यार्न	18-10-2018	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
49	एसिड	15-11-2018	एंटी-डंपिंग ड्यूटी
50	लेप न किए हुए कापियर	04-12-2018	एंटी-डंपिंग ड्यूटी

वर्तमान सांख्यिकी

चुनिंदा आर्थिक संकेतक
भारतीय रिज़र्व बैंक
मुद्रा और बैंकिंग
मूल्य और उत्पादन
सरकारी लेखा और खज़ाना बिल
वित्तीय बाजार
बाह्य क्षेत्र
भुगतान और निपटान प्रणालियाँ
अवसरिक शृंखला

विषयवस्तु

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
1	चुनिंदा आर्थिक संकेतक	39
	भारतीय रिज़र्व बैंक	
2	भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां	40
3	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन	41
4	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमरीकी डॉलर का क्रय/विक्रय	42
4ए	भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमरीकी डॉलर)	43
5	भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं	43
	मुद्रा और बैंकिंग	
6	मुद्रा भंडार की मात्रा	44
7	मुद्रा भंडार (एम ₃) के स्रोत	45
8	मौद्रिक सर्वेक्षण	46
9	कुल चलनिधि राशियां	46
10	भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण	47
11	आरक्षित मुद्रा - घटक और स्रोत	47
12	वाणिज्यिक बैंक सर्वेक्षण	48
13	अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के निवेश	48
14	भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	49
15	प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का अभिनियोजन	50
16	सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार विनियोजन	51
17	भारतीय रिज़र्व बैंक में खाते रखने वाले राज्य सहकारी बैंक	52
	मूल्य और उत्पादन	
18	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2012=100)	53
19	अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	53
20	मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य	53
21	थोक मूल्य सूचकांक	54
22	औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधार: 2011-12=100)	58
	सरकारी लेखा और खज़ाना बिल	
23	केन्द्र सरकार का लेखा- एक नज़र में	58
24	खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप	59
25	खज़ाना बिलों की नीलामी	59
	वित्तीय बाजार	
26	दैनिक मांग मुद्रा दरें	60
27	जमाराशि प्रमाण-पत्र	61
28	वाणिज्यिक पत्र	61
29	चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक कारोबार	61
30	गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम	62

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
	बाह्य क्षेत्र	
31	विदेशी व्यापार	63
32	विदेशी मुद्रा भंडार	63
33	अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां	63
34	विदेशी निवेश अंतर्वाह	64
35	निवासी भारतीयों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना के अंतर्गत जावक विप्रेषण	64
36	भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (आरईईआर) और सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर (एनईईआर) सूचकांक	65
37	बाह्य वाणिज्यिक उधार	65
38	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (मिलियन अमरीकी डॉलर)	66
39	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (करोड़ ₹)	67
40	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (मिलियन अमरीकी डॉलर)	68
41	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (करोड़ ₹)	69
42	अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति	70
	भुगतान और निपटान प्रणालियाँ	
43	भुगतान प्रणाली संकेतक	71
	अवसरिक शृंखला	
44	लघु बचत	73
45	केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप	74
46	केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण	75
47	विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता	76
48	राज्य सरकारों द्वारा किए गए निवेश	77
49	राज्य सरकारों की बाज़ार उधारियां	78

टिप्पणियां : .. = उपलब्ध नहीं।

– = शून्य/नगण्य

प्रा/अ= प्रारंभिक/अनंतिम आंसं = आंशिक रूप से संशोधित

सं. 1 : चुनिंदा आर्थिक संकेतक

मद	2019-20	2018-19	2019-20		2020-21
		ति4	ति1	ति4	ति1
	1	2	3	4	5
1 वस्तु क्षेत्र (% परिवर्तन)					
1.1 आधार मूल्यों पर जीवीए	3.9	5.6	4.8	3.0	-22.8
1.1.1 कृषि	4.0	1.6	3.0	5.9	3.4
1.1.2 उद्योग	0.8	1.4	3.8	-0.01	-33.8
1.1.3 सेवाएं	5.0	8.3	5.5	3.5	-24.3
1.1क अंतिम खपत व्यय	6.3	7.3	5.6	4.2	-19.2
1.1ख सकल नियत पूंजी निर्माण	-2.8	4.4	4.6	-6.5	-47.1
	2019-20	2019		2020	
	1	जून	जुला.	जून	जुला.
	1	2	3	4	5
1.2 औद्योगिक उत्पादन सूचकांक	-0.8	1.3	4.9	-16.6	-
2 मुद्रा और बैंकिंग (% परिवर्तन)					
2.1 अनुसूचित वाणिज्य बैंक					
2.1.1 जमाराशियां	7.9	10.4	9.6	9.6	12.1
2.1.2 ऋण	6.1	11.9	12.1	5.6	6.4
2.1.2.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	6.1	11.9	12.1	5.4	6.3
2.1.3 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	10.6	1.8	1.3	18.9	22.5
2.2 मुद्रा स्टॉक मात्रा					
2.2.1 आरक्षित मुद्रा (एम0)	9.4	13.5	12.9	11.8	14.9
2.2.2 स्थूल मुद्रा (एम3)	8.9	10.1	10.6	12.3	13.2
3 अनुपात (%)					
3.1 आरक्षित नकदी निधि अनुपात	3.00	4.00	4.00	3.00	3.00
3.2 सांविधिक चलनिधि अनुपात	18.25	19.00	18.75	18.00	18.00
3.3 नकदी-जमा अनुपात	4.6	5.1	4.8	3.7	3.7
3.4 ऋण-जमा अनुपात	76.4	76.4	76.5	73.6	72.6
3.5 वृद्धिशील ऋण-जमा अनुपात	60.3	-60.4	-186.1	-37.5	-15.0
3.6 निवेश-जमा अनुपात	27.6	27.6	27.7	29.9	30.3
3.7 वृद्धिशील निवेश-जमा अनुपात	36.2	105.3	207.1	122.8	93.1
4 व्याज दरें (%)					
4.1 नीति रिपो दर	4.40	5.75	5.75	4.00	4.00
4.2 रिवर्स रिपो दर	4.00	5.50	5.50	3.35	3.35
4.3 सीमांत स्थायी सुविधा दर	4.65	6.00	6.00	4.25	4.25
4.4 बैंक दर	4.65	6.00	6.00	4.25	4.25
4.5 आधार दर	8.15/9.40	8.95/9.40	8.95/9.40	7.40/9.00	7.40/9.00
4.6 एमसीएलआर (एक दिन के लिए)	7.40/7.90	8.05/8.50	8.00/8.40	6.70/7.45	6.65/7.30
4.7 एक वर्ष से अधिक की मीयादी जमा दर	5.90/6.40	6.25/7.30	6.25/7.30	5.10/5.65	5.10/5.50
4.8 बचत जमा दर	3.00/3.50	3.50	3.25/3.50	2.70/3.50	2.70/3.00
4.9 मांग मुद्रा दर (भारित औसत)	5.05	5.78	5.59	3.54	3.46
4.10 91-दिवसीय खजाना बिल (प्राथमिक) आय	4.36	6.03	5.65	3.19	3.30
4.11 182-दिवसीय खजाना बिल (प्राथमिक) आय	4.97	6.16	5.88	3.42	3.39
4.12 364-दिवसीय खजाना बिल (प्राथमिक) आय	4.94	6.16	5.94	3.54	3.52
4.13 10-वर्षीय सरकारी प्रतिभूतियों पर आय (एफबीआईएल)	6.71	6.93	6.47	5.90	5.78
5 आरबीआई संदर्भ दर और फारवर्ड प्रीमिया					
5.1 भा.रु.-अमरीकी डॉलर हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	74.84	68.92	69.06	75.48	74.77
5.2 भा.रु.-यूरो हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	82.64	78.36	76.94	84.63	88.87
5.3 फारवर्ड प्रीमिया अमरीकी डॉलर					
1-माह (%)	8.98	4.61	4.00	3.66	3.61
3-माह (%)	5.93	4.64	4.09	3.66	3.74
6-माह (%)	5.05	4.70	4.31	3.82	3.80
6 मुद्रास्फीति (%)					
6.1 अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	4.76	3.2	3.1	6.2	6.9
6.2 औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	7.54	8.6	6.0	5.1	5.3
6.3 थोक मूल्य सूचकांक	1.69	2.0	1.2	-1.8	-0.6
6.3.1 प्राथमिक वस्तुएं	6.77	6.4	5.5	-1.2	0.6
6.3.2 ईंधन और पावर	-1.63	-2.1	-3.6	-13.6	-9.8
6.3.3 विनिर्मित उत्पाद	0.29	1.0	0.3	0.1	0.5
7 विदेशी व्यापार (% परिवर्तन)					
7.1 आयात	-7.80	-8.4	-10.4	-48.5	-28.4
7.2 निर्यात	-5.13	-7.8	2.2	-12.5	-10.2

हर नकारात्मक है।

टिप्पणी : फाइनेंसियल बेंचमार्क इंडिया प्रा. लि. (एफबीआईएल) भारतीय रिजर्व बैंक के 31 अप्रैल 2018 के परिपत्र एफएमआरडी.डीआईआरडी.7/14.03.025/ 2017-18 के अनुसार जी सेक बेंचमार्क का प्रकाशन शुरू किया है। एफबीआईएल ने 10 जुलाई 2018 से संदर्भ दरों का प्रसारण शुरू किया है।

भारतीय रिज़र्व बैंक

सं. 2 : भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां*

(करोड़ ₹)

मद	अंतिम शुक्रवार/शुक्रवार की स्थिति						
	2019-20	2019	2020				
		अग.	जुला. 31	अग. 7	अग. 14	अग. 21	अग. 28 ¹
	1	2	3	4	5	6	7
1 निर्गम विभाग							
1.1 देयताएं							
1.1.1 संचलन में नोट	2412993	2150382	2646131	2659755	2665391	2662007	2654096
1.1.2 बैंकिंग विभाग में रखे गए नोट	10	11	13	13	22	22	23
1.1/1.2 कुल देयताएं (जारी किए गए कुल नोट) या आस्तियां	2413003	2150393	2646144	2659768	2665413	2662029	2654119
1.2 आस्तियां							
1.2.1 सोने के सिक्के और बुलियन	103439	93095	123866	131007	123171	121998	119425
1.2.2 विदेशी प्रतिभूतियां	2308718	2056512	2521510	2527998	2541484	2539277	2533943
1.2.3 रुपया सिक्का	846	785	768	763	758	754	751
1.2.4 भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां	-	-	-	-	-	-	-
2 बैंकिंग विभाग							
2.1 देयताएं							
2.1.1 जमा राशियां	1187409	838350	1281734	1280916	1335831	1348026	1373902
2.1.1.1 केंद्र सरकार	100	101	100	101	100	100	100
2.1.1.2 बाजार स्थिरीकरण योजना							
2.1.1.3 राज्य सरकारें	43	42	42	42	43	43	42
2.1.1.4 अनुसूचित वाणिज्य बैंक	536186	538143	435414	427813	436470	431374	439411
2.1.1.5 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	7603	4190	5443	5403	5731	5360	5183
2.1.1.6 गैर-अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	3445	2651	2536	2525	2505	2447	2416
2.1.1.7 अन्य बैंक	32641	30810	25694	25695	26013	25613	25785
2.1.1.8 अन्य	605100	262413	805280	809402	856558	875832	897611
2.1.1.9 भारत के बाहर वित्तीय संस्थान	2291		7225	9935	8411	7257	3354
2.1.2 अन्य देयताएं	1350333	1104241	1544130	1568171	1485060	1486941	1419535
2.1/2.2 कुल देयताएं या आस्तियां	2537742	1942591	2825864	2849087	2820891	2834967	2793437
2.2 आस्तियां							
2.2.1 नोट और सिक्के	10	11	13	13	22	22	23
2.2.2 विदेश में रखे शेष	1006357	797721	1180774	1191317	1170861	1189944	1151725
2.2.3 ऋण और अग्रिम							
2.2.3.1 केन्द्र सरकार	50477	-	-	-	-	-	-
2.2.3.2 राज्य सरकारें	1967	606	4857	9972	10749	5810	9033
2.2.3.3 अनुसूचित वाणिज्य बैंक	285623	31140	258425	253410	253357	253345	253645
2.2.3.4 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.5 भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.6 नाबार्ड	-	-	25013	24217	25197	25163	24803
2.2.3.7 एक्विजम बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.8 अन्य	10064	5633	9649	9649	9649	9649	9619
2.2.3.9 भारत के बाहर की वित्तीय संस्थाएं	2300		7226	9939	8430	7255	2626
2.2.4 खरीदे और भुनाए गए बिल							
2.2.4.1 आंतरिक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.4.2 सरकारी खजाना बिल	-	-	-	-	-	-	-
2.2.5 निवेश	1042950	1000909	1180831	1181846	1182367	1184993	1186206
2.2.6 अन्य आस्तियां	137993	106571	159076	168724	160259	158786	155757
2.2.6.1 सोना	127644	103784	157597	167101	158418	156909	153600

* डेटा अनंतिम है।

सं. 3 : भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन

(करोड़ ₹)

दिनांक	रिपो	रिवर्स रिपो	परिवर्तन-शील रिपो दर	परिवर्तन-शील रिवर्स रिपो दर	एमएसएफ	स्थायी चलनिधि सुविधाएं	बाजार स्थिरीकरण योजना	विक्रय	क्रय	दीर्घावधि रिपो परिचालन	लक्षित दीर्घावधि रिपो परिचालन#	म्यूचुअल फंड के लिए विशेष चलनिधि सुविधा	निवल अंतर्वेशन (+)/ अवशोषण (-) (1+3+5+6+9+10+11+12-2-4-7-8)
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
जुला. 1, 2020	-	693296	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-693296
जुला. 2, 2020	-	708302	-	-	50	-	-	-	-	-	-	-	-708252
जुला. 3, 2020	-	705324	-	-	10	-	-	10000	10000	-	-	-	-705314
जुला. 4, 2020	-	19606	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-19606
जुला. 5, 2020	-	0	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	0
जुला. 6, 2020	-	675131	-	-	1504	-	-	-	-	-	-	-	-673627
जुला. 7, 2020	-	681731	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-681731
जुला. 8, 2020	-	660605	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-660605
जुला. 9, 2020	-	653076	-	-	600	-	-	-	-	-	-	-	-652476
जुला. 10, 2020	-	659893	-	-	20	-	-	-	500	-	-	-	-659373
जुला. 11, 2020	-	600	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-600
जुला. 12, 2020	-	0	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	0
जुला. 13, 2020	-	626368	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-626368
जुला. 14, 2020	-	640688	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-640688
जुला. 15, 2020	-	634299	-	-	0	2875	-	-	-	-	-	-	-631424
जुला. 16, 2020	-	623658	-	-	90	-23	-	-	760	-	-	-	-622831
जुला. 17, 2020	-	613626	-	-	55	3	-	-	-	-	-	-	-613568
जुला. 18, 2020	-	14403	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-14403
जुला. 19, 2020	-	6	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-6
जुला. 20, 2020	-	584852	-	-	20	-	-	-	-	-	-	-	-584832
जुला. 21, 2020	-	580300	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-580300
जुला. 22, 2020	-	565381	-	-	60	-272	-	-	-	-	-	-	-565593
जुला. 23, 2020	-	568206	-	-	0	125	-	-	-	-	-	-	-568081
जुला. 24, 2020	-	571660	-	-	0	25	-	-	960	-	-	-	-570675
जुला. 25, 2020	-	0	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	0
जुला. 26, 2020	-	0	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	0
जुला. 27, 2020	-	553743	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-553743
जुला. 28, 2020	-	594180	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-594180
जुला. 29, 2020	-	607150	-	-	4	-	-	-	925	-	-	-	-606221
जुला. 30, 2020	-	610294	-	-	0	-	-	-	535	-	-	-	-609759
जुला. 31, 2020	-	655034	-	-	80	-190	-	-	-	-	-	-	-655144

लक्षित दीर्घावधि रिपो परिचालन (टीएलटीआरओ) और लक्षित दीर्घावधि रिपो परिचालन 2.0 (टीएलटीआरओ 2.0) शामिल है।

सं. 4: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमरीकी डॉलर का क्रय-विक्रय

i) ओटीसी सेगमेंट में ऑनशॉर / ऑफशॉर में परिचालन

मद	2019-20	2019	2020	
		जुला.	जून	जुला.
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमरीकी डॉलर) (1.1-1.2)	45097	-93	9814	15973
1.1 क्रय (+)	72205	1592	14847	16903
1.2 विक्रय (-)	27108	1685	5033	930
2 संविदा दर पर ₹ के बराबर (करोड़ ₹)	312005	-1379	73847	119677
3 संचयी (मार्च के अंत से) (मिलियन अमरीकी डॉलर)	45097	9809	13035	29008
(करोड़ ₹)	312005	64906	97982	217659
4 माह के अंत में बकाया निवल वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमरीकी डॉलर)	-4939	-8609	2459	-379

ii) मुद्रा फ्यूचर्स सेगमेंट में परिचालन

मद	2019-20	2019	2020	
		जुला.	जून	जुला.
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमरीकी डॉलर) (1.1-1.2)	0	0	0	0
1.1 क्रय (+)	7713	327	0	0
1.2 विक्रय (-)	7713	327	0	0
2 माह के अंत में बकाया निवल मुद्रा वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमरीकी डॉलर)	-500	249	0	0

सं. 4ए भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार)
परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमरीकी डॉलर)

मद	31 जुलाई 2020 तक		
	दीर्घ (+)	अल्प (-)	निवल (1-2)
	1	2	3
1. 1 माह तक	932	330	602
2. 1 माह से अधिक और 3 माह तक	6300	1235	5065
3. 3 माह से अधिक और 1 वर्ष तक	3974	0	3974
4. 1 वर्ष से अधिक	0	10020	-10020
कुल (1+2+3+4)	11206	11585	-379

सं. 5: भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं

(करोड़ ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार की स्थिति							
	2019-20	2019	2020					अग. 28
			अग. 30	मार्च 27	अप्रैल 24	मई 22	जून 19	
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 सीमांत स्थायी सुविधा	1262	55	1262	45	1400	310	80	300
2 अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के लिए निर्यात ऋण पुनर्वित्त								
2.1 सीमा	-	-	-	-	-	-	-	-
2.2 बकाया	-	-	-	-	-	-	-	-
3 प्राथमिक व्यापारियों के लिए चलनिधि सुविधा								
3.1 सीमा	10000	2800	10000	10000	4900	4900	4900	4900
3.2 बकाया	4782	1879	4782	4162	1372	326	30	-
4 अन्य								
4.1 सीमा	-	-	-	50000	50000	50000	65000	65000
4.2 बकाया	-	-	-	-	21369	26894	34376	34166
5 कुल बकाया (1+2.2+3.2+4.2)	6044	1934	6044	4207	24141	27530	34486	34466

टिप्पणी: 1. अन्य को विशेष पुनर्वित्त सुविधा अर्थात एक्जिम बैंक को 22 मई 2020 से पुनः शुरू कर दिया।

2. अन्य के लिए पुनर्वित्त सुविधा, अर्थात भारिबैंक अधिनियम 1934 के नाबार्ड/ सिडबी/एनएचबी यू/एस 17 (4 एच), 17 अप्रैल 2020 से।

मुद्रा और बैंकिंग

सं. 6: मुद्रा भंडार की मात्रा

(करोड़ ₹)

मद	मार्च 31 /माह के नियत अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की बकाया स्थिति				
	2019-20	2019	2020		
		जुला. 19	जून 19	जुला. 17	जुला. 31
	1	2	3	4	5
1 जनता के पास मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 - 1.4)	2349715	2098705	2567008	2580154	2576179
1.1 संचलन में नोट	2420964	2161526	2634218	2649445	2646131
1.2 रुपये सिक्के का संचलन	25572	25241	25572	25572	25572
1.3 छोटे सिक्कों का संचलन	743	743	743	743	743
1.4 बैंकों के पास नकदी	97563	88806	93525	95605	96267
2 जनता की जमाराशियां	1776199	1475859	1611690	1651702	1688504
2.1 बैंकों के पास मांग जमाराशियां	1737692	1439850	1572974	1612427	1648797
2.2 रिजर्व बैंक के पास 'अन्य' जमाराशियां	38507	36009	38716	39276	39707
3 एम₁ (1 + 2)	4125915	3574564	4178698	4231857	4264683
4 डाकघर बचत बैंक जमाराशियां	141786	147425	141786	141786	141786
5 एम₂ (3 + 4)	4267701	3721989	4320484	4373643	4406469
6 बैंकों के पास मीयादी जमाराशियां	12674016	11993218	13140721	13258723	13361006
7 एम₃ (3 + 6)	16799930	15567781	17319418	17490580	17625688
8 कुल डाकघर जमाराशियां	409246	392306	409246	409246	409246
9 एम₄ (7 + 8)	17209176	15960087	17728664	17899826	18034934

सं. 7: मुद्रा भंडार (एम₃) का स्रोत

(करोड़ ₹)

स्रोत	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2019-20	2019	2020		
		जुला. 19	जून 19	जुला. 17	जुला. 31
	1	2	3	4	5
1 सरकार को निवल बैंक ऋण	4906583	4746772	5499987	5499197	5609914
1.1 आरबीआई का सरकार को निवल ऋण (1.1.1-1.1.2)	992192	1054649	1123896	1077033	1078662
1.1.1 सरकार पर दावे	1047808	1054791	1180189	1183607	1184492
1.1.1.1 केन्द्र सरकार	1045314	1051651	1175526	1173512	1179635
1.1.1.2 राज्य सरकारें	2494	3140	4663	10095	4857
1.1.2 आरबीआई के पास सरकार की जमाशियां	55616	142	56293	106574	105830
1.1.2.1 केन्द्र सरकार	55573	100	56251	106531	105788
1.1.2.2 राज्य सरकारें	43	42	42	43	42
1.2 सरकार को अन्य बैंक ऋण	3914391	3692123	4376091	4422164	4531252
2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	11038644	10270656	10902373	10877715	10941684
2.1 आरबीआई का वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	13166	7951	7187	11827	11588
2.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को अन्य बैंकों द्वारा दिया गया ऋण	11025478	10262705	10895186	10865888	10930096
2.2.1 वाणिज्य बैंकों द्वारा बैंक ऋण	10370861	9658378	10247763	10219112	10282057
2.2.2 सहकारी बैंकों द्वारा बैंक ऋण	637776	590851	637516	636556	637599
2.2.3 वाणिज्य और सहकारी बैंकों द्वारा अन्य प्रतिभूतियों में निवेश	16842	13476	9908	10220	10440
3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1 + 3.2)	3801036	3161083	4041348	4079636	4194144
3.1 आरबीआई की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1.1-3.1.2)	3590402	2949795	3830714	3869002	3983510
3.1.1 सकल विदेशी आस्तियां	3590636	2950003	3830951	3869240	3983748
3.1.2 विदेशी देयताएं	234	208	237	238	238
3.2 अन्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	210634	211288	210634	210634	210634
4 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	26315	25984	26315	26315	26315
5 बैंकिंग क्षेत्र की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	2972648	2636713	3150604	2992282	3146368
5.1 आरबीआई की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	1378342	1108128	1515001	1493261	1547264
5.2 अन्य बैंकों की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं (अवशिष्ट)	1594306	1528585	1635603	1499021	1599104
एम₃ (1+2+3+4-5)	16799930	15567781	17319418	17490580	17625688

सं. 8: मौद्रिक सर्वेक्षण

(करोड़ ₹)

मद	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2019-20	2019		2020	
		जुला. 19	जून 19	जुला. 17	जुला. 31
	1	2	3	4	5
मौद्रिक समुच्चय					
एन एम1 (1.1 + 1.2.1+1.3)	4125915	3574564	4178698	4231857	4264683
एन एम2 (एन एम1 + 1.2.2.1)	9745743	8894294	10013131	10121183	10199398
एन एम3 (एन एम2 + 1.2.2.2 + 1.4 = 2.1 + 2.2 + 2.3 - 2.4- 2.5)	16923860	15747998	17430975	17598215	17726915
1 घटक					
1.1 जनता के पास मुद्रा	2349715	2098705	2567008	2580154	2576179
1.2. निवासियों की कुल जमाराशियां	14226198	13261473	14538382	14699819	14837053
1.2.1 मांग जमाराशियां	1737692	1439850	1572974	1612427	1648797
1.2.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	12488506	11821623	12965408	13087392	13188256
1.2.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	5619828	5319730	5834434	5889326	5934715
1.2.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	169419	217697	123414	112230	106526
1.2.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	6868678	6501892	7130974	7198066	7253541
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	38507	36009	38716	39276	39707
1.4 वित्तीय संस्थाओं से मांग /सावधि निधीयन	309439	351812	286869	278966	273977
2 स्रोत					
2.1 देशी ऋण	16802627	15914432	17426552	17371017	17550995
2.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	4906583	4746772	5499987	5499197	5609914
2.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं. ऋण	992192	1054649	1123896	1077033	1078662
2.1.1.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा सरकार को ऋण	3914391	3692123	4376091	4422164	4531252
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	11896044	11167660	11926565	11871821	11941081
2.1.2.1 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैंक ऋण	13166	7951	29238	36825	36601
2.1.2.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	11882878	11159709	11897327	11834996	11904480
2.1.2.2.1 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियां)	846284	889164	989760	959342	965520
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	26315	25984	26315	26315	26315
2.3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	3612303	2899819	3852370	3970042	4087513
2.3.1 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	3590402	2949795	3830714	3869002	3983510
2.3.2 बैंकिंग प्रणाली की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	21900	-49975	21656	101040	104003
2.4 पूंजी खाता	2670439	2386574	2821178	2771645	2826533
2.5 अन्य मदें (निवल)	846946	705663	1053084	997513	1111374

सं. 9: चलनिधि समुच्चय

(करोड़ ₹)

समुच्चय	2019-20	2019		2020	
		जुला.	मई	जून	जुला.
	1	2	3	4	5
1 एन एम₃	16923860	15747998	17342718	17430975	17726915
2 डाकघर जमाराशियां	409246	392304	409246	409246	409246
3 एल₁ (1 + 2)	17333106	16140302	17751964	17840221	18136161
4 वित्तीय संस्थाओं की देयताएं	57479	2932	53017	53474	43663
4.1 सावधि मुद्रा उधार	7928	2656	10801	10666	8425
4.2 जमा प्रमाण-पत्र	46249	31	38899	39450	31750
4.3 सावधि जमाराशियां	3302	245	3317	3358	3489
5 एल₂ (3 + 4)	17390584	16143234	17804981	17893695	18179824
6 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पास जनता की जमाराशियां	31905	31905	..
7 एल₃ (5 + 6)	17422489	17925600	..

टिप्पणी: नवंबर 2019 के बाद से, वित्तीय संस्थानों की देनदारियों पर अद्यतन डेटा इस सारणी में शामिल किया गया है, और इसलिए, पिछले डेटा के साथ इसकी तुलना नहीं की जा सकती है।

सं. 10: भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण

(करोड़ ₹)

मद	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2019-20	2019		2020	
		जुला. 19	जून 19	जुला. 17	जुला. 31
	1	2	3	4	5
1 घटक					
1.1 संचलन में मुद्रा	2447279	2187510	2660533	2675760	2672446
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकों की जमाराशियां	543888	570316	484463	467884	469087
1.2.1 अनुसूचित वाणिज्य बैंक	505131	533013	451363	434563	435414
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	38507	36009	38716	39276	39707
आरक्षित मुद्रा (1.1+1.2+1.3=2.1+2.2+2.3-2.4-2.5)	3029674	2793835	3183711	3182919	3181239
2 स्रोत					
2.1 भा.रि.बैं.के देशी ऋण	791299	926184	841684	780864	718679
2.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं.ऋण	992192	1054649	1123896	1077033	1078662
2.1.1.1 केन्द्र सरकार को निवल भा.रि.बैं.ऋण (2.1.1.1.1+2.1.1.1.2+2.1.1.1.3+2.1.1.1.4-2.1.1.1.5)	989741	1051551	1119275	1066981	1073847
2.1.1.1.1 केन्द्र सरकार को ऋण और अग्रिम	-	65729	-	-	-
2.1.1.1.2 खज़ाना बिलों में निवेश	-	-	-	-	-
2.1.1.1.3 दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	1044468	985102	1174736	1172737	1178867
2.1.1.1.3.1 केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियां	1044468	985102	1174736	1172737	1178867
2.1.1.1.4 रुपया सिक्के	846	820	790	775	768
2.1.1.1.5 केन्द्र सरकार की जमाराशियां	55573	100	56251	106531	105788
2.1.1.2 राज्य सरकारों को निवल भा.रि.बैं. ऋण	2451	3098	4621	10052	4815
2.1.2 बैंकों पर भा.रि.बैं. के दावे	-214059	-136416	-311450	-332994	-396584
2.1.2.1 अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को ऋण और अग्रिम	-214059	-136416	-289399	-307996	-371571
2.1.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैं. के ऋण	13166	7951	29238	36825	36601
2.1.3.1 प्राथमिक व्यापारियों को ऋण और अग्रिम	5920	2356	326	302	30
2.1.3.2 नाबार्ड को ऋण और अग्रिम	-	-	22051	24998	25013
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	26315	25984	26315	26315	26315
2.3 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	3590402	2949795	3830714	3869002	3983510
2.3.1 सोना	230527	167502	250028	260631	281463
2.3.2 विदेशी मुद्रा आस्तियां	3359893	2782310	3580703	3608388	3702064
2.4 पूंजी खाता	1165066	956127	1259409	1201647	1248046
2.5 अन्य मदें (निवल)	213276	152001	255592	291614	299218

सं. 11: आरक्षित मुद्रा - घटक और स्रोत

(करोड़ ₹)

Item	मद	2019-20	मार्च 31/माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया						
			2019		2020				
			जुला. 26	जून 26	जुला. 3	जुला. 10	जुला. 17	जुला. 24	जुला. 31
			1	2	3	4	5	6	7
आरक्षित मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 = 2.1 + 2.2 + 2.3 + 2.4 + 2.5 - 2.6)		3029674	2768488	3163578	3179786	3175485	3182919	3175960	3181239
1 घटक									
1.1 संचलन में मुद्रा		2447279	2175537	2660382	2665329	2677781	2675760	2670987	2672446
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकों की जमाराशियां		543888	562936	463901	474279	457976	467884	465767	469087
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां		38507	30015	39296	40178	39728	39276	39207	39707
2 स्रोत									
2.1 सरकार को निवल रिज़र्व बैंक ऋण		992192	1023783	1134432	1181017	1123835	1077033	1016187	1078662
2.2 बैंकों को रिज़र्व बैंक ऋण		-214059	-131846	-322330	-397614	-357173	-307996	-265960	-371571
2.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को रिज़र्व बैंक ऋण		13166	7799	9203	11848	11848	11827	11580	11588
2.4 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां		3590402	2951066	3811722	3813341	3869284	3869002	3896503	3983510
2.5 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं		26315	25984	26315	26315	26315	26315	26315	26315
2.6 भा.रि.बैं. की निवल गैर मौद्रिक देयताएं		1378342	1108298	1495763	1455121	1498624	1493261	1508664	1547264

सं. 12: वाणिज्यिक बैंक सर्वेक्षण

(करोड़ ₹)

मद	माह के नियत अंतिम शुक्रवार/ माह के नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2019-20	2019	2020		
		जुला. 19	जून 19	जुला. 17	जुला. 31
	1	2	3	4	5
1 घटक					
1.1 निवासियों की कुल जमाराशियां	13381983	12478996	13691815	13849180	13988520
1.1.1 मांग जमाराशियां	1617003	1324903	1452440	1491351	1528034
1.1.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	11764979	11154093	12239375	12357829	12460486
1.1.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	5294241	5019342	5507719	5561023	5607219
1.1.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	169419	217697	123414	112230	106526
1.1.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	6470739	6134751	6731656	6796806	6853267
1.2 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधीयन	309439	351812	286869	278966	273977
2 स्रोत					
2.1 देशी ऋण	14913131	14039419	15383601	15366838	15541150
2.1.1 सरकार को ऋण	3684917	3487419	4141325	4185871	4291521
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	11228214	10552001	11242276	11180968	11249629
2.1.2.1 बैंक ऋण	10370861	9658378	10247763	10219112	10282057
2.1.2.1.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	10319097	9592376	10158474	10132756	10202769
2.1.2.2 प्राथमिक व्यापारियों को निवल ऋण	11378	8103	12643	10029	9126
2.1.2.3 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	8653	5318	1072	1448	1888
2.1.2.4 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों में)	837321	880202	980798	950379	956558
2.2 वाणिज्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (2.2.1-2.2.2-2.2.3)	21900	-49975	21656	101040	104003
2.2.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	315641	262389	289675	353423	355425
2.2.2 अनिवासी विदेशी मुद्रा प्रत्यावर्तनीय मीयादी जमाराशियां	185510	171595	175313	171331	172750
2.2.3 समुद्रपार विदेशी मुद्रा उधार	108231	140770	92706	81052	78672
2.3 निवल बैंक रिजर्व (2.3.1+2.3.2-2.3.3)	899410	748457	823903	827866	893214
2.3.1 भा.रि.बैं. के पास शेष	536186	533013	451363	434563	435414
2.3.2 उपलब्ध नकदी	87260	79028	83141	85307	86229
2.3.3 भा.रि.बैं. से ऋण और अग्रिम	-275964	-136416	-289399	-307996	-371571
2.4 पूंजी खाता	1481202	1406277	1537598	1545827	1554316
2.5 अन्य मदें (निवल) (2.1+2.2+2.3-2.4-1.1-1.2)	661818	500817	712879	621771	721555
2.5.1 अन्य मांग और मीयादी देयताएं (2.2.3 का निवल)	495445	358677	426797	416014	444800
2.5.2 निवल अंतर-बैंक देयताएं (प्राथमिक व्यापारियों से इतर)	65654	-52875	75819	81703	73877

सं. 13: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के निवेश

(करोड़ ₹)

मद	मार्च 27, 2020 की स्थिति	2019	2020		
		जुला. 19	जून 19	जुला. 17	जुला. 31
	1	2	3	4	5
1 एसएलआर प्रतिभूतियां	3747349	3492737	4142392	4187319	4293409
2 वाणिज्यिक पत्र	104526	94922	111319	99882	91396
3 निम्नलिखित द्वारा जारी शेयर					
3.1 सरकारी उद्यम	14106	12040	11800	11711	11655
3.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	75415	67170	70645	72081	73004
3.3 अन्य	5734	5606	5208	5209	5201
4 निम्नलिखित द्वारा जारी बांड / डिबेंचर					
4.1 सरकारी उद्यम	125710	129883	131832	129472	143490
4.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	226559	256179	303538	304042	308785
4.3 अन्य	191690	163168	156851	153656	152655
5 निम्नलिखित द्वारा जारी लिखत					
5.1 म्यूचुअल फंड	35610	60018	67306	51074	45359
5.2 वित्तीय संस्थाएं	97665	90896	122359	123252	125014

सं. 14: भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक

(करोड़ ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में) /नियत शुक्रवार की स्थिति							
	सभी अनुसूचित बैंक				सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक			
	2019-20	2019	2020		2019-20	2019	2020	
		जुला.	जून	जुला.		जुला.	जून	जुला.
1	2	3	4	5	6	7	8	
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	219	215	210	210	142	139	134	134
1 बैंकिंग प्रणाली के प्रति देयताएं	320240	263876	327590	309997	314513	258259	322308	304773
1.1 बैंकों से मांग और मीयादी जमाराशियां	239943	185400	250049	232337	234348	180398	244929	227270
1.2 बैंकों से उधार राशि	64001	67474	61160	61085	64001	67025	61160	61085
1.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	16295	11002	16382	16574	16163	10836	16219	16417
2 अन्य के प्रति देयताएं	14905949	13842551	15178204	15391592	14480607	13489748	14743920	14958718
2.1 कुल जमाराशियां	13975551	12974287	14331967	14576349	13567492	12633527	13915198	14161269
2.1.1 मांग	1653242	1330254	1521744	1563412	1617003	1300077	1486820	1528034
2.1.2 मीयादी	12322309	11644033	12810223	13012937	11950489	11333450	12428378	12633235
2.2 उधार	313908	356127	293313	278344	309439	352570	289051	273977
2.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	616491	512137	552924	536900	603676	503652	539671	523472
3 रिजर्व बैंक से उधार	285623	29570	290512	258425	285623	29570	290512	258425
3.1 मीयादी बिल / वचन पत्रों की जमानत पर	-	-	-	-	-	-	-	-
3.2 अन्य	285623	29570	290512	258425	285623	29570	290512	258425
4 उपलब्ध नकदी और रिजर्व बैंक के पास शेष	643038	621410	533009	536322	623446	606416	517852	521643
4.1 उपलब्ध नकदी	89671	82242	90081	88260	87260	80508	87658	86229
4.2 रिजर्व बैंक के पास शेष	553367	539168	442928	448062	536186	525908	430194	435414
5 बैंकिंग प्रणाली के पास आस्तियां	323680	366497	330943	300806	260238	315319	260839	240022
5.1 अन्य बैंकों के पास शेष	181460	260055	213816	195080	155401	236186	177476	162911
5.1.1 चालू खाते में	17204	20795	21933	23317	14457	18253	19719	21275
5.1.2 अन्य खातों में	164256	239261	191883	171763	140945	217933	157758	141637
5.2 मांग और अल्पसूचना पर मुद्रा	43335	28498	41153	35619	20273	11892	15245	13592
5.3 बैंकों को अग्रिम	38266	30160	24293	25030	30531	26892	23152	24276
5.4 अन्य आस्तियां	60619	47784	51681	45076	54032	40349	44966	39243
6 निवेश	3865544	3600192	4289272	4421057	3747349	3506704	4166414	4293409
6.1 सरकारी प्रतिभूतियां	3850819	3590252	4281592	4412558	3738696	3502765	4165558	4291521
6.2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	14724	9940	7679	8500	8653	3938	856	1888
7 बैंक ऋण	10705336	9944498	10572007	10614079	10370861	9660517	10240381	10282057
7क खाद्यान्न ऋण	82172	88137	115026	109692	51763	61104	84620	79287
7.1 ऋण नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	10480934	9723456	10381742	10445333	10149509	9443639	10052070	10115237
7.2 देशी बिल - खरीदे गए	26214	25697	21663	19744	25658	24687	21408	19465
7.3 देशी बिल - भुनाए गए	147209	136518	126950	105754	145683	134252	125980	104766
7.4 विदेशी बिल - खरीदे गए	20866	23895	16204	17440	20458	23583	15978	17202
7.5 विदेशी बिल - भुनाए गए	30114	34932	25449	25807	29554	34356	24945	25387

सं. 15: प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का अभिनियोजन

(करोड़ ₹)

मद	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मई 27, 2020	2019	2020		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
			जुला. 19	जून 19		
	1	2	3	4	5	6
1 सकल बैंक ऋण	9263134	8561546	9136004	9148074	-1.2	6.9
1.1 खाद्यान्न ऋण	51590	65787	88990	79023	53.2	20.1
1.2 गैर-खाद्यान्न ऋण	9211544	8495759	9047014	9069051	-1.5	6.7
1.2.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	1157796	1108988	1152934	1169273	1.0	5.4
1.2.2 उद्योग	2905151	2798360	2875210	2821316	-2.9	0.8
1.2.2.1 सूक्ष्म और लघु	381825	361608	352696	354728	-7.1	-1.9
1.2.2.2 मझौले	105598	105214	95670	101994	-3.4	-3.1
1.2.2.3 बड़े	2417728	2331538	2426844	2364594	-2.2	1.4
1.2.3 सेवाएं	2594945	2312871	2528489	2547228	-1.8	10.1
1.2.3.1 परिवहन परिचालक	144466	140948	146715	148727	2.9	5.5
1.2.3.2 कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	20051	18213	20592	21167	5.6	16.2
1.2.3.3 पर्यटन, होटल और रेस्तरां	45977	39899	46253	47383	3.1	18.8
1.2.3.4 नौवहन	6557	5879	5155	5178	-21.0	-11.9
1.2.3.5 पेशेवर सेवाएं	177085	166562	173914	176815	-0.2	6.2
1.2.3.6 व्यापार	552392	513452	543012	560579	1.5	9.2
1.2.3.6.1 थोक व्यापार	263397	229764	255206	267712	1.6	16.5
1.2.3.6.2 खुदरा व्यापार	288995	283688	287806	292867	1.3	3.2
1.2.3.7 वाणिज्यिक स्थावर संपदा	229770	208627	229263	233200	1.5	11.8
1.2.3.8 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	807383	636733	798514	793451	-1.7	24.6
1.2.3.9 अन्य सेवाएं	611264	582558	565071	560728	-8.3	-3.7
1.2.4 व्यक्तिगत ऋण	2553652	2275540	2490381	2531234	-0.9	11.2
1.2.4.1 उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	9298	5623	8847	9127	-1.8	62.3
1.2.4.2 आवास	1338964	1199806	1335902	1347565	0.6	12.3
1.2.4.3 मीयादी जमाराशि की जमानत पर अग्रिम	79496	64901	61457	62317	-21.6	-4.0
1.2.4.4 शेयरों और बांडों की जमानत पर व्यक्तियों को अग्रिम	5334	5396	5803	6392	19.8	18.5
1.2.4.5 क्रेडिट कार्ड बकाया	108094	93974	97586	101391	-6.2	7.9
1.2.4.6 शिक्षा	65745	67665	65017	65100	-1.0	-3.8
1.2.4.7 वाहन ऋण	220609	201318	214602	217697	-1.3	8.1
1.2.4.8 अन्य व्यक्तिगत ऋण	726112	636857	701167	721645	-0.6	13.3
1.2अ प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र	2897461	2716953	2803776	2828526	-2.4	4.1
1.2अ.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	1146624	1102240	1144499	1155451	0.8	4.8
1.2अ.2 सूक्ष्म और लघु उद्यम	1149394	1047483	1132391	1100578	-4.2	5.1
1.2अ.2.1 विनिर्माण	381826	361608	352696	354728	-7.1	-1.9
1.2अ.2.2 सेवाएं	767568	685875	779695	745850	-2.8	8.7
1.2अ.3 आवास	449945	441976	463729	464437	3.2	5.1
1.2अ.4 माइक्रो क्रेडिट	38237	31593	35826	32817	-14.2	3.9
1.2अ.5 शिक्षा ऋण	51906	53659	52035	51434	-0.9	-4.1
1.2अ.6 अजा/अजजा के लिए राज्य प्रायोजित संस्थाएं	388	385	399	410	5.7	6.5
1.2अ.7 कमजोर वर्ग	731409	678242	740428	742426	1.5	9.5
1.2अ.8 निर्यात ऋण	16114	14155	16719	15237	-5.4	7.6

सं. 16: सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार अभिनियोजन

(करोड़ ₹)

उद्योग	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 27, 2020	2019	2020		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष 2020
			जुला. 19	जून 19		
	1	2	3	4	5	6
1 उद्योग	2905151	2798360	2875210	2821316	-2.9	0.8
1.1 खनन और उत्खनन (कोयला सहित)	43927	40563	42890	43632	-0.7	7.6
1.2 खाद्य प्रसंस्करण	154146	150077	157937	159112	3.2	6.0
1.2.1 चीनी	27382	28582	25491	23023	-15.9	-19.4
1.2.2 खाद्य तेल और वनस्पति	19240	19475	17589	18149	-5.7	-6.8
1.2.3 चाय	5375	5200	5108	5252	-2.3	1.0
1.2.4 अन्य	102149	96820	109749	112688	10.3	16.4
1.3 पेय पदार्थ और तंबाकू	16522	14440	15025	14382	-13.0	-0.4
1.4 वस्त्र	192424	191284	189236	188874	-1.8	-1.3
1.4.1 सूती वस्त्र	89283	90087	86401	86201	-3.5	-4.3
1.4.2 जूट से बने वस्त्र	2116	2110	2046	2059	-2.7	-2.4
1.4.3 मानव-निर्मित वस्त्र	26074	25452	26835	27004	3.6	6.1
1.4.4 अन्य वस्त्र	74951	73635	73954	73610	-1.8	-0.0
1.5 चमड़ा और चमड़े से बने उत्पाद	11098	11211	10936	11704	5.5	4.4
1.6 लकड़ी और लकड़ी से बने उत्पाद	12233	11701	12591	12794	4.6	9.3
1.7 कागज़ और कागज़ से बने उत्पाद	30965	29760	31675	32338	4.4	8.7
1.8 पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद और आण्विक इंधन	75834	53085	73323	57756	-23.8	8.8
1.9 रसायन और रासायनिक उत्पाद	202949	173212	180006	175432	-13.6	1.3
1.9.1 उर्वरक	49066	34419	34486	35651	-27.3	3.6
1.9.2 औषधि और दवाइयां	53427	48195	52040	49751	-6.9	3.2
1.9.3 पेट्रो केमिकल्स	42233	37900	39455	35707	-15.5	-5.8
1.9.4 अन्य	58223	52698	54025	54323	-6.7	3.1
1.10 रबड़, प्लास्टिक और उनके उत्पाद	50415	45843	48402	48827	-3.1	6.5
1.11 कांच और कांच के सामान	8777	9652	8132	8477	-3.4	-12.2
1.12 सीमेन्ट और सीमेन्ट से बने उत्पाद	58689	57539	57163	58597	-0.2	1.8
1.13 मूल धातु और धातु उत्पाद	350325	347995	350359	338908	-3.3	-2.6
1.13.1 लोहा और स्टील	262396	265912	266465	256893	-2.1	-3.4
1.13.2 अन्य धातु और धातु से बने उत्पाद	87929	82083	83894	82015	-6.7	-0.1
1.14 सभी अभियांत्रिकी	157259	165038	147283	141558	-10.0	-14.2
1.14.1 इलेक्ट्रॉनिक्स	30159	37367	29742	28591	-5.2	-23.5
1.14.2 अन्य	127100	127671	117541	112967	-11.1	-11.5
1.15 वाहन, वाहन के पुर्जे और परिवहन उपस्कर	82606	82728	85374	87668	6.1	6.0
1.16 रत्न और आभूषण	59515	66066	55686	54576	-8.3	-17.4
1.17 निर्माण	104288	95384	102608	102507	-1.7	7.5
1.18 इन्फ्रास्ट्रक्चर	1053913	1034716	1069160	1054581	0.1	1.9
1.18.1 पावर	559774	568247	568950	566977	1.3	-0.2
1.18.2 दूरसंचार	143760	112215	146173	132283	-8.0	17.9
1.18.3 सड़क	190676	188386	194921	196306	3.0	4.2
1.18.4 अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर	159703	165868	159116	159015	-0.4	-4.1
1.19 अन्य उद्योग	239266	218066	237424	229593	-4.0	5.3

सं. 17: भारतीय रिज़र्व बैंक में राज्य सहकारी बैंकों के खाते

(करोड़ ₹)

I मद्	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में)/अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की स्थिति								
	2019-20	2019		2020					
		जून 28	अप्रैल 24	मई 08	मई 22	मई 29	जून 05	जून 19	जून 26
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	32	31	31	31	31	31	31	31	31
1 कुल जमाराशियां (2.1.1.2+2.2.1.2)	124101.8	63312.2	125204.9	125346.7	125096.8	125375.1	125603.8	126309.6	126689.0
2 मांग और मीयादी देयताएं									
2.1 मांग देयताएं	26213.8	20252.3	24706.2	25729.6	23631.3	24755.4	25014.4	24214.0	23797.4
2.1.1 जमाराशियां									
2.1.1.1 अंतर-बैंक	5295.0	5966.2	5177.3	5919.2	5151.9	5276.6	4937.7	4365.2	4100.6
2.1.1.2 अन्य	14,523.6	10081.8	13835.8	13552.3	12649.7	13674.1	13552.1	13836.4	13675.2
2.1.2 बैंकों से उधार	100.0	1255.3	0.0	0.0	0.0	25.0	100.0	199.9	110.0
2.1.3 अन्य मांग देयताएं	6295.2	2949.1	5693.1	6258.0	5829.8	5779.7	6424.7	5812.5	5911.7
2.2 मीयादी देयताएं	167684.5	104068.6	173854.7	175140.7	179693.5	177855.8	177766.6	177293.4	177574.4
2.2.1 जमाराशियां									
2.2.1.1 अंतर-बैंक	56564.0	47378.5	60943.0	61787.7	63944.7	64012.5	64066.2	62670.0	62430.6
2.2.1.2 अन्य	109578.2	53230.5	111369.1	111794.3	112447.2	111701.0	112051.8	112473.2	113013.8
2.2.2 बैंकों से उधार	630.2	1265.3	629.9	629.9	640.9	755.9	749.9	635.1	630.0
2.2.3 अन्य मीयादी देयताएं	912.1	2194.4	912.7	928.7	2660.7	1386.3	898.7	1515.1	1500.1
3 रिज़र्व बैंक से उधार	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
4 अधिसूचित बैंक/राज्य सरकार से उधार	52772.2	46146.6	50287.7	57302.1	58212.6	56219.3	55134.5	54148.6	55983.2
4.1 मांग	13764.4	13687.7	12779.0	13496.5	13771.3	13701.3	12712.3	11750.2	12464.4
4.2 मीयादी	39007.8	32458.9	37508.7	43805.6	44441.3	42517.9	42422.2	42398.4	43518.8
5 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेष	9428.2	5287.7	7122.4	7278.1	7869.0	7525.9	7825.5	7247.2	7422.0
5.1 उपलब्ध नकदी	750.5	331.9	761.9	673.5	676.9	711.2	737.9	751.6	710.0
5.2 रिज़र्व बैंक के पास शेष	8677.8	4955.8	6360.5	6604.7	7192.1	6814.7	7087.6	6495.6	6712.1
6 चालू खाते में अन्य बैंकों के पास शेष	1521.7	2219.1	1140.3	1651.3	991.6	1338.0	907.9	2099.1	2019.9
7 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	50626.9	30466.3	52294.4	54080.9	52055.1	53179.8	54158.8	53092.2	53708.4
8 मांग और अल्प सूचना पर मुद्रा	25283.9	17617.2	27393.7	32111.1	30755.6	30633.2	29102.7	29405.7	29380.8
9 बैंक ऋण (10.1+11)	110905.5	63182.5	107724.7	108234.9	109907.8	110987.9	111445.1	112198.2	111349.3
10 अग्रिम									
10.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	110901.5	63181.6	107723.5	108234.3	109907.1	110987.2	111444.5	112197.6	111348.7
10.2 बैंकों से प्राप्य राशि	81300.1	77817.4	81907.8	81947.9	82010.5	79337.2	79353.7	79958.6	80858.7
11 खरीदे और भुनाए गए बिल	4.0	0.9	1.2	0.6	0.6	0.6	0.6	0.6	0.6

मूल्य और उत्पादन

सं. 18: उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2012=100)

समूह/उप समूह	2019-20			ग्रामीण			शहरी			मिश्रित		
	ग्रामीण	शहरी	मिश्रित	जुला.'19	जून'20	जुला.'20(अ)	जुला.'19	जून'20	जुला.'20(अ)	जुला.'19	जून'20	जुला.'20(अ)
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1 खाद्य और पेय पदार्थ	146.3	149.6	147.5	143.0	152.3	155.8	147.7	157.0	159.9	144.7	154.0	157.3
1.1 अनाज और उत्पाद	140.7	143.2	141.4	138.4	148.2	147.8	141.4	152.7	151.6	139.3	149.6	149.0
1.2 मांस और मछली	163.3	161.4	162.6	164.0	190.3	190.8	160.2	197.0	198.0	162.7	192.7	193.3
1.3 अंडा	142.1	145.7	143.5	138.4	149.4	150.8	142.5	154.6	154.6	140.0	151.4	152.3
1.4 दूध और उत्पाद	146.5	146.0	146.3	143.9	153.3	153.5	144.1	153.4	153.5	144.0	153.3	153.5
1.5 तेल और चर्बी	127.1	121.8	125.1	124.4	138.2	140.1	119.3	132.9	133.5	122.5	136.3	137.7
1.6 फल	144.0	148.8	146.2	146.4	143.2	146.9	154.7	151.8	154.7	150.3	147.2	150.5
1.7 सब्जी	163.5	187.8	171.7	150.1	148.9	171.3	180.1	171.2	192.2	160.3	156.5	178.4
1.8 दाल और उत्पाद	133.7	132.0	133.1	130.6	150.3	150.4	128.9	152.0	151.3	130.0	150.9	150.7
1.9 चीनी और उत्पाद	112.0	113.4	112.5	110.8	113.2	114.2	111.8	116.3	116.8	111.1	114.2	115.1
1.10 मसाले	145.6	145.1	145.5	141.7	159.8	160.6	141.6	158.8	160.2	141.7	159.5	160.5
1.11 गैर नशीले पेय पदार्थ	138.8	130.2	135.2	138.5	142.1	143.5	129.5	135.6	136.6	134.7	139.4	140.6
1.12 तैयार भोजन, नाश्ता, मिठाई	157.6	156.7	157.2	156.7	161.8	161.6	155.6	161.7	163.3	156.2	161.8	162.4
2 पान, तंबाकू और मादक पदार्थ	166.3	169.0	167.0	164.5	182.4	184.2	167.2	186.7	189.3	165.2	183.5	185.6
3 कपड़ा और जूते	151.3	143.7	148.3	150.9	154.1	154.5	142.7	147.2	147.9	147.6	151.4	151.9
3.1 कपड़ा	152.0	145.7	149.5	151.6	154.7	155.3	144.7	149.1	150.2	148.9	152.5	153.3
3.2 जूते	146.9	132.4	140.9	146.6	150.0	149.5	131.9	136.6	135.4	140.5	144.4	143.6
4 आवास	--	152.2	152.2	--	--	--	150.6	154.7	155.5	150.6	154.7	155.5
5 ईंधन और लाइट	148.6	131.5	142.2	146.8	144.9	146.2	127.0	137.1	138.3	139.3	141.9	143.2
6 विविध	145.6	135.9	140.9	144.2	151.7	153.0	134.5	142.0	145.1	139.5	147.0	149.2
6.1 घरेलू सामान और सेवा	150.6	138.7	145.0	150.0	151.7	152.2	137.7	140.4	144.8	144.2	146.4	148.7
6.2 स्वास्थ्य	153.6	142.1	149.3	152.2	158.2	158.6	140.8	148.1	148.8	147.9	154.4	154.9
6.3 परिवहन और संचार	132.6	122.2	127.1	131.2	141.4	143.7	120.6	129.3	133.1	125.6	135.0	138.1
6.4 मनोरंजन	148.3	135.9	141.3	147.5	153.2	153.0	135.0	144.5	144.4	140.5	148.3	148.2
6.5 शिक्षा	159.8	150.9	154.5	159.1	161.8	162.4	150.4	152.5	156.6	154.0	156.4	159.0
6.6 व्यक्तिगत देखभाल और प्रभाव	139.2	138.4	138.9	136.1	151.2	153.5	135.1	152.2	155.3	135.7	151.6	154.2
सामान्य सूचकांक (सभी समूह)	147.3	145.1	146.3	144.9	152.7	155.1	143.3	150.8	153.1	144.2	151.8	154.2

स्रोत: राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 19: अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

मद	आधार वर्ष	योजक कारक	2019-20	2020		
				जुला.	जून	जुला.
	1	2	3	4	5	6
1 औद्योगिक कामगार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2001	4.63	323	319	332	336
2 कृषि श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	5.89	980	958	1018	1021
3 ग्रामीण श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	-	986	965	1024	1028

स्रोत: श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 20: मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य

मद	2019-20	2019		2020	
		जुला.	जून	जुला.	जुला.
	1	2	3	4	
1 मानक स्वर्ण (₹ प्रति 10 ग्राम)	37018	34522	47315	49878	
2 चांदी (₹ प्रति किलोग्राम)	42514	39099	48213	54813	

स्रोत: मुंबई में सोने और चांदी के मूल्य के लिए भारत बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लि., मुंबई।

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक
(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2019-20	2020			
			जुला.	मई	जून (अ)	जुला. (अ)
	1	2	3	4	5	6
1 सभी पण्य	100.000	121.8	121.3	117.5	119.3	120.6
1.1 प्राथमिक वस्तुएं	22.618	143.3	142.8	137.3	139.3	143.7
1.1.1 खाद्य वस्तुएं	15.256	155.8	154.3	153.1	155.3	160.6
1.1.1.1 खाद्यान्न (अनाज+ दाल)	3.462	159.6	157.5	162.1	161.6	161.2
1.1.1.2 फल और सब्जियाँ	3.475	174.7	175.5	152.8	159.3	181.8
1.1.1.3 दूध	4.440	146.7	145.3	151.4	151.4	152.0
1.1.1.4 अंडा, मांस और मछली	2.402	147.0	144.3	147.3	152.5	151.9
1.1.1.5 मसाले	0.529	143.9	136.0	147.5	145.6	143.0
1.1.1.6 अन्य खाद्य वस्तुएं	0.948	144.0	142.6	146.8	147.8	152.5
1.1.2 खाद्येतर वस्तुएं	4.119	128.7	128.7	122.5	125.1	124.1
1.1.2.1 फाइबर	0.839	128.2	131.9	118.0	117.2	117.7
1.1.2.2 तिलहन	1.115	151.4	150.1	153.6	154.8	154.0
1.1.2.3 अन्य खाद्येतर वस्तुएं	1.960	104.8	106.6	103.8	103.8	104.8
1.1.2.4 फूल	0.204	238.0	211.8	150.7	200.5	173.3
1.1.3 खनिज	0.833	154.5	163.6	150.9	154.1	150.9
1.1.3.1 धात्विक खनिज	0.648	147.4	159.5	144.4	145.1	144.4
1.1.3.2 अन्य खनिज	0.185	179.0	177.8	174.0	185.7	174.0
1.1.4 कच्चा तेल और नैसर्गिक गैस	2.410	85.3	87.2	57.8	57.8	67.8
1.2 ईंधन और बिजली	13.152	102.2	100.6	80.3	88.3	90.7
1.2.1 कोल	2.138	125.3	124.0	126.4	126.5	126.4
1.2.1.1 कुकिंग कोल	0.647	138.1	133.9	141.6	141.9	141.6
1.2.1.2 नॉन-कुकिंग कोल	1.401	119.0	119.0	119.0	119.0	119.0
1.2.1.3 लिग्नाइट	0.090	129.1	129.9	131.1	131.1	131.1
1.2.2 खनिज तेल	7.950	92.3	91.4	58.4	68.2	77.2
1.2.3 बिजली	3.064	111.8	108.3	105.0	113.9	101.0
1.3 विनिर्मित उत्पाद	64.231	118.3	118.0	118.2	118.6	118.6
1.3.1 खाद्य उत्पादों का विनिर्माण	9.122	133.9	131.3	136.1	137.4	137.7
1.3.1.1 मांस का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.134	137.5	139.0	133.8	135.2	136.0
1.3.1.2 मछली, क्रस्टेशियस, मोलस्क और उनके उत्पादों का प्रसंस्करण एवं परिरक्षण	0.204	136.1	133.1	141.5	139.2	137.0
1.3.1.3 फल और सब्जियों का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.138	114.3	113.9	118.6	119.4	119.6
1.3.1.4 सब्जियाँ और पशु तेल एवं चर्बी	2.643	119.3	112.3	125.7	128.0	130.1
1.3.1.5 डेयरी उत्पाद	1.165	145.0	141.7	147.8	148.8	146.2
1.3.1.6 अनाज मिल के उत्पाद	2.010	146.3	145.6	145.7	145.7	144.3
1.3.1.7 स्टार्च और स्टार्च के उत्पाद	0.110	135.5	137.3	125.0	117.5	114.1
1.3.1.8 बेकरी उत्पाद	0.215	133.5	132.3	137.0	137.2	137.5
1.3.1.9 चीनी, गुड़ और शहद	1.163	118.3	116.8	117.0	119.0	120.5
1.3.1.10 कोक, चॉकलेट और चीनी कन्फेक्शनरी	0.175	127.2	126.2	128.3	128.0	128.1
1.3.1.11 मैक्रोनी, नूडल्स, कूसकूस और उसके जैसे मैदे से बने उत्पाद	0.026	132.7	132.8	133.8	142.0	140.3
1.3.1.12 चाय और कॉफी उत्पाद	0.371	139.7	146.4	152.4	160.7	167.7
1.3.1.13 प्रसंस्कृत मसाले और नमक	0.163	132.4	126.6	146.9	141.6	146.4
1.3.1.14 प्रसंस्कृत तैयार खाद्य पदार्थ	0.024	128.7	128.0	130.2	134.0	130.0
1.3.1.15 स्वास्थ्य पूरक	0.225	159.9	162.2	147.0	146.8	144.3
1.3.1.16 पशु के लिए तैयार खाद्य	0.356	173.6	175.2	165.7	167.6	167.5
1.3.2 पेय पदार्थों का विनिर्माण	0.909	123.6	123.7	125.4	124.6	124.8
1.3.2.1 शराब और स्पिरिट	0.408	117.8	117.6	120.4	119.7	120.7
1.3.2.2 माल्ट लिकर और माल्ट	0.225	125.7	126.4	127.7	127.7	126.7
1.3.2.3 शीतल पेय, मिनरल वॉटर और बोतलबन्द पानी के अन्य उत्पाद	0.275	130.5	130.4	131.1	129.3	129.2
1.3.3 विनिर्मित तंबाकू उत्पाद	0.514	153.4	152.5	160.6	158.0	157.0
1.3.3.1 तंबाकू के उत्पाद	0.514	153.4	152.5	160.6	158.0	157.0

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (जारी)
(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2019-20	2019	2020		
			जुला.	मई	जून (अ)	जुला. (अ)
1.3.4 वस्त्र विनिर्माण	4.881	117.7	118.9	115.2	114.9	113.2
1.3.4.1 धागों की कताई और वस्त्र तैयार करना	2.582	107.9	110.0	102.5	102.0	100.6
1.3.4.2 बुनाई और तैयार वस्त्र	1.509	130.1	130.5	130.9	130.2	128.0
1.3.4.3 बुने हुए और क्रॉचिडेट फेब्रिक्स	0.193	114.5	115.6	114.2	116.9	115.7
1.3.4.4 कपड़ों को छोड़कर निर्मित वस्त्र सामग्री	0.299	134.5	134.9	132.4	133.8	131.4
1.3.4.5 डोरियाँ, रस्सी, सुतली और नेटिंग	0.098	143.1	140.1	149.9	148.9	150.3
1.3.4.6 अन्य वस्त्र	0.201	116.8	115.4	119.8	118.4	117.2
1.3.5 विनिर्मित तैयार वस्त्र	0.814	138.3	137.7	138.4	139.1	137.0
1.3.5.1 फर से बने वस्त्रों को छोड़कर वुलन के तैयार वस्त्र	0.593	139.2	138.5	138.5	139.5	138.7
1.3.5.2 बुने हुए क्रॉचिडेट वस्त्र	0.221	135.9	135.5	138.0	138.0	132.7
1.3.6 चमड़ा और उससे बने हुए उत्पाद का विनिर्माण	0.535	118.6	118.3	118.3	116.7	117.9
1.3.6.1 चमड़े की टैनिंग और ड्रेसिंग; ड्रेसिंग और फर की रंगायी	0.142	105.5	105.1	104.3	101.0	100.9
1.3.6.2 सामान, हैंडबैग, काठी और दोहन	0.075	136.3	136.9	137.9	139.0	138.8
1.3.6.3 जूते-चप्पल	0.318	120.3	119.7	119.9	118.5	120.5
1.3.7 लकड़ी के विनिर्माण और लकड़ी और कॉर्क के उत्पाद	0.772	133.7	135.0	133.1	132.9	134.3
1.3.7.1 आरा मिलिंग और लकड़ी के उत्पाद	0.124	122.2	124.9	120.2	119.6	120.3
1.3.7.2 विनियर शीट, प्लायवुड का विनिर्माण, लॅमिन बोर्ड, पार्टिकल बोर्ड और अन्य पॅनल और बोर्ड	0.493	135.5	135.6	136.7	135.4	137.0
1.3.7.3 बिल्डरों की बढईगीरी	0.036	176.2	175.5	176.9	179.8	180.2
1.3.7.4 लकड़ी के डिब्बे	0.119	125.7	131.4	118.6	122.5	124.4
1.3.8 कागज़ और कागज़ के उत्पाद का विनिर्माण	1.113	121.1	122.1	120.8	120.5	120.1
1.3.8.1 लुगदी, कागज़ और कागज़ बोर्ड	0.493	125.0	126.4	124.3	123.3	122.1
1.3.8.2 लहरदार कागज़ और पेपर बोर्ड और कागज़ के पात्र और पेपर बोर्ड	0.314	115.0	116.0	116.8	117.4	118.7
1.3.8.3 कागज़ की अन्य सामग्री और पेपर बोर्ड	0.306	121.2	121.5	119.3	119.3	118.4
1.3.9 मुद्रण और रिकार्डेड मीडिया का पुनरुत्पादन	0.676	150.6	148.5	151.5	151.7	151.1
1.3.9.1 मुद्रण	0.676	150.6	148.5	151.5	151.7	151.1
1.3.10 रसायन और रासायनिक उत्पाद का विनिर्माण	6.465	117.5	118.4	115.5	115.8	115.9
1.3.10.1 मूल रसायन	1.433	119.9	121.3	115.2	115.3	114.9
1.3.10.2 उर्वरक और नाइट्रोजन यौगिक	1.485	123.1	123.5	123.7	123.7	123.8
1.3.10.3 प्लास्टिक और सिंथेटिक रबड़ प्राथमिक रूप में	1.001	112.4	113.6	106.4	108.8	109.7
1.3.10.4 कीटनाशक और अन्य एग्रोकैमिकल उत्पाद	0.454	122.6	124.2	120.8	123.1	124.2
1.3.10.5 पेन्ट, वार्निश और समान कोटिंग, मुद्रण स्याही और मैस्टिक्स	0.491	114.7	115.7	114.2	113.9	113.6
1.3.10.6 साबुन और डिटर्जेंट, सफाई और चमकाने की सामग्री, इत्र और शौचालय सफाई की सामग्री	0.612	118.6	119.0	119.4	119.3	119.7
1.3.10.7 अन्य रासायनिक उत्पाद	0.692	114.2	114.2	114.8	114.4	113.7
1.3.10.8 मानव निर्मित फाइबर	0.296	97.9	99.2	93.8	91.1	90.5
1.3.11 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद का विनिर्माण	1.993	127.3	125.3	128.6	130.8	129.1
1.3.11.1 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद	1.993	127.3	125.3	128.6	130.8	129.1
1.3.12 रबड़ और प्लास्टिक उत्पाद का विनिर्माण	2.299	108.5	109.1	107.4	107.9	107.6
1.3.12.1 रबड़ टायर और ट्यूब, रबड़ टायर की रीट्रीडिंग और पुनर्निर्माण	0.609	98.9	99.4	98.0	97.8	98.3
1.3.12.2 रबड़ के अन्य उत्पाद	0.272	93.5	93.6	93.3	93.1	92.7
1.3.12.3 प्लास्टिक उत्पाद	1.418	115.4	116.2	114.1	115.1	114.5
1.3.13 अन्य अधात्विक खनिज उत्पादों का विनिर्माण	3.202	116.7	117.5	118.2	118.0	117.7
1.3.13.1 कांच और कांच उत्पाद	0.295	124.5	125.4	124.1	125.6	126.1
1.3.13.2 आग रोधक उत्पाद	0.223	108.7	110.5	107.3	109.0	108.5
1.3.13.3 मिट्टी से बनी भवन निर्माण सामग्री	0.121	102.8	102.9	106.2	110.1	105.3
1.3.13.4 चीनी मिट्टी के बर्तन और चीनी मिट्टी	0.222	113.9	114.5	109.4	109.2	108.6
1.3.13.5 सीमेन्ट, चूना और प्लास्टर	1.645	119.5	120.2	123.8	122.5	121.9

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (जारी)
(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2019-20	2019	2020		
				जुला.	मई	जून (अ)
1.3.13.6 कंक्रीट,सीमेन्ट और प्लास्टर से बनी वस्तुएं	0.292	121.6	120.7	124.4	124.8	127.3
1.3.13.7 पत्थरों को काटना,आकार देना और संवारना	0.234	120.2	121.2	118.8	118.7	119.5
1.3.13.8 अन्य अधात्विक खनिज उत्पाद	0.169	86.6	90.0	77.6	77.6	77.6
1.3.14 मूल धातुओं का विनिर्माण	9.646	106.2	106.9	103.3	103.9	104.1
1.3.14.1 स्टील तैयार करने में प्रयुक्त सामग्री	1.411	100.6	100.8	97.9	97.0	97.1
1.3.14.2 मेटेलिक आयसन	0.653	107.7	109.8	100.3	102.1	102.4
1.3.14.3 नरम इस्पात-अर्ध निर्मित इस्पात	1.274	95.1	94.9	94.1	94.7	94.9
1.3.14.4 नरम इस्पात- लंबे उत्पाद	1.081	105.5	106.1	105.6	104.6	103.1
1.3.14.5 नरम इस्पात- चपटे उत्पाद	1.144	108.7	111.4	107.0	105.5	106.7
1.3.14.6 स्टेनलेस स्टील के अतिरिक्त एलॉय स्टील-आकार	0.067	102.8	104.4	101.8	102.5	101.5
1.3.14.7 स्टेनलेस स्टील अर्ध निर्मित	0.924	102.9	101.2	98.8	101.4	103.1
1.3.14.8 पाइप और ट्यूब	0.205	126.2	127.0	123.3	121.8	123.6
1.3.14.9 कीमती धातु सहित अलौह धातु	1.693	107.0	107.1	103.7	104.9	106.6
1.3.14.10 कास्टिंग	0.925	112.8	115.3	106.4	109.3	107.0
1.3.14.11 स्टील से गढ़ी वस्तुएं	0.271	146.5	147.5	145.9	147.5	146.1
1.3.15 मशीनरी और उपकरणों को छोड़कर गढ़े हुए धातु उत्पादों का विनिर्माण	3.155	115.5	114.9	112.8	114.8	113.8
1.3.15.1 इमारती धातु उत्पाद	1.031	113.9	114.2	112.5	111.5	111.5
1.3.15.2 धातु से बने टैंक,जलाशय और डिब्बे	0.660	124.4	121.9	121.4	125.4	121.7
1.3.15.3 बाष्प चालित जनरेटर, सेंट्रल हीटिंग हॉट वाटर बॉयलरस को छोड़कर	0.145	104.7	100.9	99.0	107.7	104.3
1.3.15.4 धातु की फोर्जिंग, दबाना, स्टैपिंग और रोल फॉर्मिंग, पाउडर धातुकर्म	0.383	100.5	100.0	95.7	100.3	96.3
1.3.15.5 कटलरी, हस्त चालित उपकरण और सामान्य हार्डवेयर	0.208	100.5	100.2	101.4	101.1	101.8
1.3.15.6 अन्य गढ़े हुए धातु उत्पाद	0.728	124.0	124.4	120.3	122.9	124.5
1.3.16 कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल उत्पादों का विनिर्माण	2.009	110.4	111.2	110.0	109.9	109.5
1.3.16.1 इलेक्ट्रॉनिक पुरजे	0.402	98.1	99.6	98.6	97.5	96.6
1.3.16.2 कंप्यूटर और संबंधित उपकरण	0.336	135.0	135.0	135.0	135.0	135.0
1.3.16.3 संचार उपकरण	0.310	117.0	116.9	115.0	115.4	114.8
1.3.16.4 उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स	0.641	98.8	101.0	98.1	98.3	99.4
1.3.16.5 मापने, जांचने, नेविगेशन और नियंत्रण उपकरण	0.181	111.5	110.8	111.0	111.0	106.0
1.3.16.6 हाथ घड़ी और दीवार घड़ी	0.076	139.1	138.7	141.1	142.0	141.7
1.3.16.7 विभासन, विद्युत चिकित्सकीय एवं विद्युत उपचारात्मक उपकरण	0.055	103.6	102.0	103.8	103.9	102.0
1.3.16.8 ऑप्टिकल उपकरण और फोटोग्राफिक उपकरण	0.008	110.2	109.4	112.1	112.1	112.1
1.3.17 इलेक्ट्रिकल उपकरण का विनिर्माण	2.930	111.3	111.2	111.1	111.1	112.5
1.3.17.1 विद्युतमोटर्स, जनरेटर, ट्रांसफार्मर और बिजली वितरण और नियंत्रण संबंधी उपकरण	1.298	109.0	108.4	110.2	109.8	114.2
1.3.17.2 बैटरी और एक्युमुलेटर	0.236	117.0	117.5	117.1	117.8	116.6
1.3.17.3 डेटा संचरण या छवियों के सजीव प्रसारण के लिए फाइबर ऑप्टिक केबल	0.133	109.9	115.4	101.1	100.1	93.7
1.3.17.4 अन्य इलेक्ट्रॉनिक और बिजली के वायर और केबल	0.428	109.7	109.7	108.1	109.6	110.0
1.3.17.5 वायरिंग संबंधी चीजें और बिजली के प्रकाश और सजावट के उपकरण	0.263	111.1	107.9	112.0	111.3	110.4
1.3.17.6 घरेलू उपकरण	0.366	119.9	120.5	118.2	118.1	118.2
1.3.17.7 अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरण	0.206	108.6	110.1	109.2	109.4	107.4
1.3.18 मशीनरी और उपकरणों का विनिर्माण	4.789	113.1	113.2	112.9	112.7	112.9
1.3.18.1 इंजन और टर्बाइन, एयरक्राफ्ट, वाहन और दुपहिया वाहनों के इंजन को छोड़कर	0.638	104.8	104.4	104.0	103.5	104.8
1.3.18.2 तरल बिजली उपकरण	0.162	119.9	120.1	117.7	120.6	117.1
1.3.18.3 अन्य पंप, कंप्रेसर, नल और वाल्व	0.552	111.2	112.3	109.8	111.4	111.0
1.3.18.4 बेयरिंग, गियर्स, गैयरिंग और ड्राइविंग उपकरण	0.340	110.1	111.5	112.6	111.7	111.4
1.3.18.5 ओवन, फर्नेस और फर्नेस बर्नर	0.008	80.0	79.5	81.0	81.3	81.5
1.3.18.6 माल उठाने एवं चढ़ाने-उतारने वाले उपकरण	0.285	111.5	111.3	111.2	111.8	111.4

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (जारी)
(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2019-20	2019	2020		
			जुला.	मई	जून (अ)	जुला. (अ)
1.3.18.7 कार्यालय मशीनरी और उपकरण	0.006	130.2	130.2	130.2	130.2	130.2
1.3.18.8 सामान्य प्रयोजन के अन्य उपकरण	0.437	130.9	132.3	128.0	128.1	128.0
1.3.18.9 कृषि और वानिकी मशीनरी	0.833	120.6	120.1	121.1	120.6	120.6
1.3.18.10 धातु निर्माण करनेवाली मशीनरी और मशीन टूल्स	0.224	108.1	108.2	109.6	109.5	109.5
1.3.18.11 खनन, उत्खनन और निर्माण के लिए मशीनरी	0.371	75.1	74.5	76.3	76.2	75.1
1.3.18.12 खाद्य, पेय और तंबाकू प्रसंस्करण के लिए मशीनरी	0.228	125.2	123.8	125.2	125.2	125.1
1.3.18.13 कपड़ा, परिधान और चमड़े के उत्पादन से जुड़ी मशीनरी	0.192	119.7	119.8	117.2	117.5	123.1
1.3.18.14 अन्य विशेष प्रयोजनों के लिए मशीनरी	0.468	126.3	125.8	127.5	124.5	126.0
1.3.18.15 अक्षय ऊर्जा उत्पादन मशीनरी	0.046	66.0	66.6	64.8	64.3	64.6
1.3.19 मोटर वाहन, ट्रैलरों और अर्ध-ट्रैलरों का विनिर्माण	4.969	114.5	113.3	116.4	116.3	116.9
1.3.19.1 मोटर वाहन	2.600	115.2	114.4	117.4	117.9	117.6
1.3.19.2 मोटर वाहन पुरजे और सहायक उपकरण	2.368	113.7	112.1	115.3	114.6	116.2
1.3.20 अन्य परिवहन उपकरणों का विनिर्माण	1.648	118.0	117.5	124.2	124.5	125.0
1.3.20.1 जहाजों और तैरने वाली -वस्तुओं का निर्माण	0.117	158.8	158.8	158.8	158.8	158.8
1.3.20.2 रेलवे इंजन और रोलिंग स्टॉक	0.110	106.4	106.7	105.3	106.4	106.3
1.3.20.3 मोटर साइकल	1.302	114.3	113.8	122.2	122.6	123.2
1.3.20.4 साइकल और अवैध गाड़ी	0.117	128.9	128.3	128.6	128.6	128.7
1.3.20.5 अन्य परिवहन उपकरण	0.002	126.1	125.6	127.6	127.2	127.4
1.3.21 फर्नीचर का विनिर्माण	0.727	130.9	131.3	132.0	131.0	129.3
1.3.21.1 फर्नीचर	0.727	130.9	131.3	132.0	131.0	129.3
1.3.22 अन्य विनिर्माण	1.064	112.7	109.3	120.6	123.3	128.7
1.3.22.1 आभूषण और संबंधित सामग्री	0.996	109.9	106.3	118.1	120.9	126.7
1.3.22.2 संगीत उपकरण	0.001	174.0	175.9	177.2	172.7	166.5
1.3.22.3 खेल के सामान	0.012	129.7	128.2	131.4	130.8	130.6
1.3.22.4 खेल और खिलौने	0.005	136.9	136.2	143.6	139.9	142.9
1.3.22.5 चिकित्सा और दंत चिकित्सा उपकरण और सामग्री	0.049	162.1	161.0	165.0	167.2	167.3
2 खाद्य सूचकांक	24.378	147.6	145.7	146.7	148.6	152.0

स्रोत: आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

सं. 22: औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधार: 2011-12=100)

उद्योग	भारत	2018-19	2019-20	अप्रैल-जून		जून	
				2019-20	2020-21	2019	2020
	1	2	3	4	5	6	7
सामान्य सूचकांक	100.00	130.1	129.0	130.4	83.6	129.3	107.8
1 क्षेत्रवार वर्गीकरण							
1.1 खनन	14.37	107.9	109.6	108.1	83.9	106.5	85.4
1.2 विनिर्माण	77.63	131.5	129.6	130.3	77.3	129.0	106.9
1.3 बिजली	7.99	156.9	158.4	171.1	144.1	173.6	156.2
2 उपयोग आधारित वर्गीकरण							
2.1 मूल वस्तुएं	34.05	126.1	127.0	128.5	102.5	127.8	109.2
2.2 पूंजीगत माल	8.22	108.4	93.3	100.7	35.9	101.9	64.3
2.3 मध्यवर्ती माल	17.22	126.2	137.7	133.0	75.8	136.5	102.2
2.4 बुनियादी/निर्माण वस्तुएं	12.34	141.7	136.6	140.2	72.4	140.6	110.7
2.5 उपभोक्ता टिकाऊ माल	12.84	130.4	119.0	127.0	41.1	120.0	77.4
2.6 उपभोक्ता गैर-टिकाऊ माल	15.33	145.5	145.3	142.6	120.8	138.0	157.3

स्रोत : राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

सरकारी लेखा और खज़ाना बिल

सं. 23: केन्द्र सरकार का लेखा- एक नज़र में

(राशि करोड़ ₹ में)

मद	वित्तीय वर्ष	अप्रैल-जुलाई			
	2020-21 (बजट अनुमान)	2020-21 (वास्तविक)	2019-20 (वास्तविक)	बजट अनुमानों का प्रतिशत	
				2020-21	2019-20
	1	2	3	4	5
1 राजस्व प्राप्तियां	2020926	227402	382610	11.3	19.5
1.1 कर राजस्व (निवल)	1635909	202788	338705	12.4	20.5
1.2 करेतर राजस्व	385017	24614	43905	6.4	14.0
2 पूंजीगत प्राप्तियां	224967	5458	17063	2.4	14.2
2.1 ऋण की वसूली	14967	5455	4705	36.4	31.7
2.2 अन्य प्राप्तियां	210000	3	12358	0.0	11.8
3 कुल प्राप्तियां (उधारियों को छोड़कर) (1+2)	2245893	232860	399673	10.4	19.2
4 राजस्व व्यय	2630145	942360	839673	35.8	34.3
4.1 ब्याज भुगतान	708203	198584	183524	28.0	27.8
5 पूंजी व्यय	412085	111849	107605	27.1	31.8
6 कुल व्यय (4+5)	3042230	1054209	947278	34.7	34.0
7 राजस्व घाटा (4-1)	609219	714958	457063	117.4	94.2
8 राजकोषीय घाटा (6-3)	796337	821349	547605	103.1	77.8
9 सकल प्राथमिक घाटा (8-4.1)	88134	622765	364081	706.6	841.0

स्रोत : महालेखानियंत्रक, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और केंद्रीय बजट 2020-21

सं. 24: खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप

(करोड़ ₹)

मद	2019-20	2019		2020				
		अग. 2	जून 26	जुला. 3	जुला. 10	जुला. 17	जुला. 24	जुला. 31
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 91-दिवसीय								
1.1 बैंक	10165	22039	37408	34930	32217	32024	26310	24530
1.2 प्राथमिक व्यापारी	9190	8377	15861	18343	19749	20178	20648	20849
1.3 राज्य सरकारें	8173	47146	13097	19097	22032	25032	25097	31204
1.4 अन्य	48004	89656	138769	145885	147291	149383	150462	148881
2 182-दिवसीय								
2.1 बैंक	66419	56979	127626	137738	140744	141278	151472	159639
2.2 प्राथमिक व्यापारी	43302	54118	50405	54157	57220	58135	57795	58945
2.3 राज्य सरकारें	13386	2254	12805	12952	13012	13067	13067	12972
2.4 अन्य	22465	26199	97950	91808	92818	99302	98307	96263
3 364-दिवसीय								
3.1 बैंक	49660	53239	102736	115705	122712	131746	134188	133242
3.2 प्राथमिक व्यापारी	70672	78133	71661	66715	67703	63978	66555	75696
3.3 राज्य सरकारें	11945	17200	12395	12289	12294	12239	12224	12213
3.4 अन्य	70576	53496	131078	128984	126855	127219	128231	126462
4 14-दिवसीय मध्यवर्ती								
4.1 बैंक								
4.2 प्राथमिक व्यापारी								
4.3 राज्य सरकारें	155112	94450	153167	119819	89845	101859	158150	139180
4.4 अन्य	617	162	440	467	841	765	592	552
कुल खज़ाना बिल								
(14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल को छोड़कर)#	423957	508838	811790	838603	854647	873581	884355	900895

14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल बिक्री योग्य नहीं है, ये बिल 91 दिवसीय, 182 दिवसीय और 364 दिवसीय खज़ाना बिलों जैसे नहीं है। यह बिल स्वरूप के अनुसार मध्यवर्ती हैं क्योंकि राज्य सरकारों के दैनिक न्यूनतम नकदी शेष में कमी को पूरा करने के लिए परिसमाप्त किए जाते हैं।

सं. 25: खज़ाना बिलों की नीलामी

(राशि करोड़ ₹ में)

नीलामी की तारीख	अधिसूचित राशि	प्राप्त बोलियां				स्वीकृत बोलियां				कुल निर्गम (6+7)	कट-ऑफ मूल्य	कट-ऑफ मूल्य पर निहित प्रतिफल (प्रतिशत)
		संख्या	कुल अंकित मूल्य		संख्या	कुल अंकित मूल्य						
			प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी		प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10			
91-दिवसीय खज़ाना बिल												
2020-21												
जुला. 1	12000	84	59406	6624	32	11996	6624	18620	99.22	3.1426		
जुला. 8	12000	85	48169	3827	36	11994	3827	15820	99.21	3.1780		
जुला. 15	12000	88	52192	5025	38	11997	5025	17022	99.20	3.2196		
जुला. 22	12000	83	44129	2033	28	11998	2033	14030	99.20	3.2489		
जुला. 29	12000	96	41163	6698	38	11992	6698	18690	99.18	3.2979		
182-दिवसीय खज़ाना बिल												
2020-21												
जुला. 1	13000	94	40957	699	39	12999	699	13698	98.34	3.3957		
जुला. 8	13000	158	73921	0	44	13000	0	13000	98.36	3.3542		
जुला. 15	13000	131	57167	0	32	13000	0	13000	98.35	3.3627		
जुला. 22	13000	102	55521	0	28	13000	0	13000	98.35	3.3598		
जुला. 29	13000	100	44970	0	44	13000	0	13000	98.34	3.3901		
364-दिवसीय खज़ाना बिल												
2020-21												
जुला. 1	10000	110	45123	0	12	10000	0	10000	96.67	3.4542		
जुला. 8	10000	141	43875	0	35	10000	0	10000	96.73	3.3898		
जुला. 15	10000	105	33790	0	43	10000	0	10000	96.72	3.3993		
जुला. 22	10000	123	29140	1050	107	10000	1050	11050	96.61	3.5195		
जुला. 29	10000	137	38420	0	63	10000	0	10000	96.61	3.5195		

वित्तीय बाजार

सं. 26: दैनिक मांग मुद्रा दरें

(वार्षिक प्रतिशत)

स्थिति के अनुसार	दरों का दायरा		भारित औसत दरें
	उधार लेना/उधार देना		उधार लेना/उधार देना
	1	2	2
जुला.	1, 2020	1.80-4.10	3.55
जुला.	2, 2020	1.80-4.10	3.51
जुला.	3, 2020	1.80-4.05	3.47
जुला.	4, 2020	2.15-3.30	2.48
जुला.	6, 2020	1.80-4.10	3.49
जुला.	7, 2020	1.80-4.10	3.46
जुला.	8, 2020	1.80-4.10	3.50
जुला.	9, 2020	1.80-4.05	3.51
जुला.	10, 2020	1.80-4.10	3.50
जुला.	13, 2020	1.80-4.10	3.47
जुला.	14, 2020	1.80-4.10	3.46
जुला.	15, 2020	1.80-4.10	3.51
जुला.	16, 2020	1.80-4.10	3.52
जुला.	17, 2020	1.80-4.10	3.50
जुला.	18, 2020	2.15-4.10	3.07
जुला.	20, 2020	1.80-4.10	3.47
जुला.	21, 2020	1.80-4.10	3.42
जुला.	22, 2020	1.80-4.10	3.48
जुला.	23, 2020	1.80-4.10	3.48
जुला.	24, 2020	1.80-4.10	3.42
जुला.	27, 2020	1.80-4.10	3.46
जुला.	28, 2020	1.80-4.10	3.47
जुला.	29, 2020	1.80-4.10	3.47
जुला.	30, 2020	1.80-4.10	3.43
जुला.	31, 2020	1.80-4.15	3.45
अग.	3, 2020	1.80-4.10	3.46
अग.	4, 2020	1.80-4.10	3.39
अग.	5, 2020	1.80-4.10	3.41
अग.	6, 2020	1.80-4.10	3.41
अग.	7, 2020	1.80-4.10	3.44
अग.	10, 2020	1.80-4.10	3.43
अग.	11, 2020	1.80-4.10	3.41
अग.	12, 2020	1.80-4.10	3.49
अग.	13, 2020	1.80-4.10	3.44
अग.	14, 2020	1.80-4.10	3.45

टिप्पणी: नोटिस मुद्रा सहित

सं. 27: जमा प्रमाण-पत्र

मद	2019		2020		
	जुला. 19	जून 19	जुला. 3	जुला. 17	जुला. 31
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (करोड़ ₹)	224039.00	121465.00	112425.00	112455.00	104705.00
1.1 पखवाड़े के दौरान जारी (करोड़ ₹)	10406.96	5500.59	2028.95	4045.08	1292.97
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	5.86-7.36	3.92-5.08	3.57-4.75	3.43-5.43	3.39-4.45

सं. 28: वाणिज्यिक पत्र

मद	2019		2020		
	जुला. 31	जून 15	जून 30	जुला. 15	जुला. 31
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (करोड़ ₹)	509412.80	413652.40	391482.30	402660.50	374817.20
1.1 पखवाड़े के दौरान रिपोर्ट किए गए (करोड़ ₹)	119806.65	68691.70	56270.85	37730.15	53608.10
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	5.69-14.47	3.31-13.11	3.18-13.35	2.98-12.04	3.18-12.33

सं. 29: चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक कारोबार

(करोड़ ₹)

मद	2019-20	2019	2020					
		अग. 2	जून 26	जुला. 3	जुला. 10	जुला. 17	जुला. 24	जुला. 31
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 मांग मुद्रा	26815	18197	18541	19036	21442	20915	21228	23100
2 नोटिस मुद्रा	3660	6450	478	5443	390	4910	526	1192
3 मीयादी मुद्रा	790	792	690	1117	721	538	788	594
4 सीबीएलओ / त्रिपक्षीय रिपो	300691	269919	379722	373191	304396	361525	306217	352688
5 बाजार रिपो	221719	194213	301952	430018	302497	335349	266679	348069
6 कापॉरेट बांड में रिपो	2468	1363	1764	7216	2488	200	200	2112
7 फोरेक्स (यूएस मिलियन डॉलर)	67793	71600	56068	59566	59198	52373	57816	63829
8 भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां	93960	106743	60318	86495	91256	92317	67018	73654
9 राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	5800	7328	7861	6135	8337	6076	5161	3989
10 खजाना बिल								
10.1 91-दिवसीय	3720	2158	7991	7894	4909	6190	4621	7702
10.2 182-दिवसीय	2380	3901	3242	4924	4677	4322	2453	2885
10.3 364-दिवसीय	2900	3892	2589	5687	2279	2108	1116	1532
10.4 नकदी प्रबंधन बिल	2310		1375	2110	2261	766	626	1603
11 कुल सरकारी प्रतिभूतियां (8+9+10)	111070	124022	83375	113244	113720	111779	80994	91365
11.1 भारतीय रिजर्व बैंक	-	145	371	4008	281	203	597	367

टिप्पणी : मुद्रा बाजार के संपार्श्विक उधार और ऋण दायित्व (सीबीएलओ) खंड को समाप्त किया गया तथा उसके स्थान पर 5 नवंबर 2018 से त्रिपक्षीय रिपो लाया गया।

सं. 30: गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम

(राशि करोड़ ₹ में)

प्रतिभूति और निर्गम का प्रकार	2019-20		2019-20 (अप्रै.-जुला.)		2020-21 (अप्रै.-जुला.)*		जुला. 2019		जुला. 2020*	
	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1 इक्विटी शेयर	72	64926	32	54815	10	69051	8	2023	5	15911
1ए प्रीमियम	70	43259	32	33542	10	66114	8	1969	5	13403
1.1 पब्लिक	57	9867	24	3897	8	15527	5	500	4	15511
1.1.1 प्रीमियम	55	9434	24	3798	8	13028	5	483	4	13019
1.2 राइट्स	15	55059	8	50918	2	53524	3	1524	1	400
1.2.1 प्रीमियम	15	33825	8	29744	2	53085	3	1485	1	384
2 अधिमान शेयर	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3 बांड और डिबेंचर	34	14984	11	4176	5	882	–	–	1	160
3.1 परिवर्तनीय	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.1.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.1.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.2 अपरिवर्तनीय	34	14984	11	4176	5	882	–	–	1	160
3.2.1 पब्लिक	34	14984	11	4176	5	882	–	–	1	160
3.2.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4 कुल (1+2+3)	106	79910	43	58991	15	69933	8	2023	6	16071
4.1 पब्लिक	91	24851	35	8073	13	16409	5	500	5	15671
4.2 राइट्स	15	55059	8	50918	2	53524	3	1524	1	400

टिप्पणी : अप्रैल 2020 से मासिक डाटा का समेकन निर्गम की समाप्ति की तारीख के आधार पर की जाती है जबकि पूर्व में समेकन का कार्य निर्गम चालू होने की तारीख के आधार पर किया जाता था।

स्रोत : भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी)।

* : आंकड़े अनंतिम हैं।

बाह्य क्षेत्र

सं. 31: विदेशी व्यापार

मद	इकाई	2019-20	2019		2020			
		1	जुला.	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुला.
			2	3	4	5	6	7
1 निर्यात	करोड ₹	2218233	181190	158930	78305	144539	165899	177306
	मिलियन अमरीकी डॉलर	313139	26333	21376	10271	19104	21908	23643
1.1 तेल	करोड ₹	291418	25115	17960	10213	12313	14143	13263
	मिलियन अमरीकी डॉलर	41164	3650	2416	1340	1627	1868	1769
1.2 तेल से इतर	करोड ₹	1926815	156075	140970	68092	132226	151756	164042
	मिलियन अमरीकी डॉलर	271975	22683	18960	8932	17476	20040	21874
2 आयात	करोड ₹	3355762	273580	231717	130504	167975	159892	213500
	मिलियन अमरीकी डॉलर	473995	39760	31165	17118	22201	21114	28469
2.1 तेल	करोड ₹	925031	66057	74570	35773	26399	37342	48975
	मिलियन अमरीकी डॉलर	130532	9600	10029	4692	3489	4931	6531
2.2 तेल से इतर	करोड ₹	2430731	207523	157148	94731	141576	122551	164524
	मिलियन अमरीकी डॉलर	343463	30160	21136	12426	18712	16183	21939
3 व्यापार शेष	करोड ₹	-1137530	-92389	-72788	-52199	-23436	6006	-36194
	मिलियन अमरीकी डॉलर	-160857	-13427	-9790	-6847	-3098	793	-4826
3.1 तेल	करोड ₹	-633613	-40942	-56610	-25560	-14086	-23199	-35712
	मिलियन अमरीकी डॉलर	-89368	-5950	-7614	-3353	-1862	-3063	-4762
3.2 तेल से इतर	करोड ₹	-503917	-51448	-16178	-26639	-9350	29205	-482
	मिलियन अमरीकी डॉलर	-71489	-7477	-2176	-3494	-1236	3857	-64

स्रोत: वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय तथा वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय।

सं. 32: विदेशी मुद्रा भंडार

मद	इकाई	2019	2020					
		अग. 16	जुला. 10	जुला. 17	जुला. 24	जुला. 31	अग. 7	अग. 14
			1	2	3	4	5	6
1 कुल भंडार	करोड ₹	3059903	3883436	3883221	3910859	3998979	4032658	4009058
	मिलियन अमरीकी डॉलर	430501	516362	517637	522630	534568	538191	535252
1.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	करोड ₹	2831145	3577102	3577433	3595444	3671792	3688730	3681783
	मिलियन अमरीकी डॉलर	398327	475635	476880	480482	490829	492293	491550
1.2 स्वर्ण	करोड ₹	192691	261190	260631	270134	281463	298108	281589
	मिलियन अमरीकी डॉलर	27111	34729	34743	36100	37625	39785	37595
1.3 एसडीआर	एसडीआरएस मिलियन	1046	1048	1048	1048	1048	1048	1048
	करोड ₹	10221	10925	10912	10953	11036	11099	11082
	मिलियन अमरीकी डॉलर	1438	1453	1455	1464	1475	1481	1479
1.4 आईएमएफ में आरक्षित भाग की स्थिति	करोड ₹	25846	34220	34244	34328	34688	34721	34605
	मिलियन अमरीकी डॉलर	3626	4545	4560	4585	4639	4632	4628

* अंतर, यदि कोई हो, तो पूर्णांकन के वजह से है।

सं. 33: अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

योजना	बकाया				प्रवाह	
	2019-20	2019	2020		2019-20	2020-21
		जुला.	जून	जुला.	अप्रै.-जुला.	अप्रै.-जुला.
	1	2	3	4	5	6
1 एनआरआई जमाराशियां	130581	133125	132719	135369	3054	4608
1.1 एफसीएनआर (बी)	24244	23975	22458	22622	805	-1622
1.2 एनआर (ई) आरए	90367	93211	94079	96083	1496	5557
1.3 एनआरओ	15969	15938	16182	16664	752	673

सं. 34: विदेशी निवेश अंतर्वाह

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

मद	2019-20	2019-20	2020-21	2019	2020	
		अप्रै.-जुला.	अप्रै.-जुला.	जुला.	जून	जुला.
	1	2	3	4	5	6
1.1 निवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1-1.1.2)	43013	17475	2688	3482	-838	3269
1.1.1 भारत में प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1.1-1.1.2)	56006	21876	5859	4681	-72	4099
1.1.1.1 सकल अंतर्वाह/सकल निवेश	74390	27346	16259	6175	3573	4749
1.1.1.1.1 इक्विटी	51734	21253	10062	4588	1662	3165
1.1.1.1.1.1 सरकारी (एसआईए/एफआईपीबी)	3265	2766	107	50	4	10
1.1.1.1.1.2 भारतीय रिज़र्व बैंक	39364	15953	7200	3761	1408	1539
1.1.1.1.1.3 शेयरों की अधिप्राप्ति	7348	2083	2305	661	138	1500
1.1.1.1.1.4 अनिगमित निकायों की इक्विटी पूंजी	1757	451	451	116	112	116
1.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	14175	4504	4504	1155	1116	1155
1.1.1.1.3 अन्य पूंजी	8482	1590	1693	433	795	430
1.1.1.2 प्रत्यावर्तन /विनिवेश	18384	5471	10401	1494	3645	650
1.1.1.2.1 इक्विटी	18212	5439	10388	1482	3642	648
1.1.1.2.2 अन्य पूंजी	173	31	12	12	3	2
1.1.2 भारत द्वारा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.2.1+1.1.2.2+ 1.1.2.3-1.1.2.4)	12993	4401	3171	1199	766	830
1.1.2.1 इक्विटी पूंजी	7572	2186	1347	594	377	369
1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	3151	1050	1050	263	263	263
1.1.2.3 अन्य पूंजी	5674	1807	1007	601	171	289
1.1.2.4 प्रत्यावर्तन /विनिवेश	3403	643	234	258	45	90
1.2 निवल संविभागीय निवेश (1.2.1+1.2.2+1.2.3-1.2.4)	1403	5300	1942	457	1936	1247
1.2.1 जीडीआर/एडीआर	-	-	-	-	-	-
1.2.2 एफआईआई	552	5456	1778	300	3132	619
1.2.3 अपतटीय निधियां और अन्य	-	-	-	-	-	-
1.2.4 भारत द्वारा संविभागीय निवेश	-851	156	-164	-157	1197	-628
1 विदेशी निवेश अंतर्वाह	44417	22775	4630	3939	1098	4516

सं. 35: वैयक्तिक निवासियों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना (एलआरएस) के अंतर्गत जावक विप्रेषण

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

मद	2019-20	2019	2020		
		मई	मार्च	अप्रैल	मई
	1	2	3	4	5
1 एलआरएस के अंतर्गत जावक विप्रेषण	18760.69	1486.06	1358.82	499.14	617.62
1.1 जमाराशियां	623.37	50.15	112.96	60.17	43.18
1.2 अचल संपत्ति की खरीद	86.43	9.41	8.99	3.21	3.06
1.3 इक्विटी / डेट में निवेश	431.41	31.64	49.22	24.80	25.47
1.4 उपहार	1907.71	154.20	190.91	55.15	75.42
1.5 दान	22.33	2.79	0.76	2.68	0.39
1.6 यात्रा	6955.98	568.28	307.24	121.13	157.76
1.7 निकट संबंधियों का रखरखाव	3439.74	300.03	346.31	148.25	150.75
1.8 चिकित्सा उपचार	33.90	2.46	3.21	1.35	1.31
1.9 विदेश में शिक्षा	4991.07	334.39	312.68	78.76	155.84
1.10 अन्य	268.75	32.71	26.55	3.66	4.45

**सं. 36: भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (रीर) और
सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (नीर)**

मद	2018-19	2019-20	2019	2020	
			अगस्त	जुलाई	अगस्त
	1	2	3	4	5
36-मुद्रा निर्यात और व्यापार आधारित भारांक (आधार: 2004-05=100)					
1 व्यापार आधारित भारांक					
1.1 नीर	72.64	73.28	73.25	69.99	69.98
1.2 रीर	114.01	116.75	115.68	115.43	115.43
2 निर्यात आधारित भारांक					
2.1 नीर	74.18	74.33	74.25	70.94	70.97
2.2 रीर	116.32	119.61	118.53	118.80	118.85
6-मुद्रा व्यापार आधारित भारांक					
1 आधार : 2004-05 (अप्रैल-मार्च) =100					
1.1 नीर	63.07	63.59	63.67	59.63	59.05
1.2 रीर	121.70	125.76	125.00	123.07	122.24
2 आधार : 2017-18 (अप्रैल-मार्च) =100					
2.1 नीर	92.88	93.63	93.76	87.81	86.95
2.2 रीर	94.20	97.32	96.76	95.27	94.62

सं. 37: बाह्य वाणिज्यिक उधार - पंजीकरण

(राशि अमरीकी मिलियन डॉलर में)

मद	2019-20	2019	2020	
		जुला.	जून	जुला.
	1	2	3	4
1 स्वचालित मार्ग				
1.1 संख्या	1292	90	105	96
1.2 राशि	38011	3418	852	848
2 अनुमोदन मार्ग				
2.1 संख्या	41	3	1	2
2.2 राशि	14921	1563	170	1300
3 कुल (1+2)				
3.1 संख्या	1333	93	106	98
3.2 राशि	52932	4981	1022	2148
4 भारत औसत परिपक्वता (वर्षों में)	6.00	5.70	5.11	8.03
5 ब्याज दर (प्रतिशत)				
5.1 6 महीने के लिबॉर पर भारत औसत मार्जिन या अस्थिर दर के ऋणों के लिए संदर्भ दर	1.34	1.38	2.44	2.40
5.2 सावधि दर के ऋणों के लिए ब्याज दर की सीमा	0.00-25.00	0.00-11.20	0.00-10.00	0.00-10.29

सं. 38: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

मद	जनवरी-मार्च 2019 (पीआर)			जनवरी-मार्च 2020 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	324141	309979	14162	334313	315519	18794
1 चालू खाता (1.1+1.2)	165160	169807	-4647	157116	156558	558
1.1 पण्य	87367	122581	-35214	76527	111569	-35042
1.2 अदृश्य मर्दे (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	77792	47226	30567	80590	44990	35600
1.2.1 सेवाएं	54630	33299	21331	53060	31033	22027
1.2.1.1 यात्रा	7583	5112	2470	6860	4208	2652
1.2.1.2 परिवहन	5154	5436	-282	5016	5761	-745
1.2.1.3 बीमा	720	603	117	623	426	198
1.2.1.4 जीएनआईई	156	285	-129	182	284	-102
1.2.1.5 विविध	41018	21863	19155	40378	20354	20024
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	21439	1571	19868	23285	2159	21125
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	10290	11109	-820	11474	11928	-454
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	1111	618	494	1024	1256	-232
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	760	336	424	631	350	281
1.2.2 अंतरण	17972	1812	16160	20579	2179	18400
1.2.2.1 आधिकारिक	69	226	-157	26	299	-273
1.2.2.2 निजी	17903	1587	16317	20553	1880	18673
1.2.3 आय	5190	12115	-6925	6950	11778	-4827
1.2.3.1 निवेश आय	4033	11521	-7488	5523	11079	-5557
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	1157	593	564	1428	698	729
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	158982	139740	19241	176311	158960	17350
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	93816	77960	15856	99638	101420	-1782
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	16654	10235	6420	20871	8908	11963
2.1.1.1 भारत में	15461	5671	9790	19255	4070	15185
2.1.1.1.1 इक्विटी	11058	5636	5422	13923	4062	9861
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	3650		3650	3772		3772
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	753	36	718	1560	8	1552
2.1.1.2 विदेश में	1193	4563	-3370	1616	4838	-3222
2.1.1.2.1 इक्विटी	1193	1683	-489	1616	2107	-491
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	758	-758	0	788	-788
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	2123	-2123	0	1943	-1943
2.1.2 संविभाग निवेश	77162	67726	9436	78767	92511	-13745
2.1.2.1 भारत में	76807	65338	11469	76983	91726	-14743
2.1.2.1.1 एफआईआई	76807	65338	11469	76983	91726	-14743
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	58600	50602	7998	60171	66381	-6209
2.1.2.1.1.2 ऋण	18207	14736	3471	16812	25345	-8534
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0		0	0		0
2.1.2.2 विदेश में	355	2388	-2033	1783	785	998
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	31255	20997	10258	27444	17526	9918
2.2.1 बाह्य सहायता	2554	1301	1253	2000	1420	580
2.2.1.1 भारत द्वारा	12	30	-18	2	28	-26
2.2.1.2 भारत को	2542	1271	1271	1998	1392	606
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	17993	10456	7537	16368	6030	10338
2.2.2.1 भारत द्वारा	7291	7000	292	1983	1053	930
2.2.2.2 भारत को	10702	3456	7246	14385	4977	9408
2.2.3 भारत को अल्पावधि	10708	9241	1468	9077	10076	-1000
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	10052	9241	812	9077	9725	-649
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	656	0	656	0	351	-351
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	21606	29670	-8064	22109	26716	-4606
2.3.1 वाणिज्य बैंक	20599	29668	-9069	21996	26716	-4719
2.3.1.1 आस्तियां	443	16542	-16099	4813	10222	-5409
2.3.1.2 देयताएं	20156	13127	7029	17183	16493	690
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	14974	11563	3411	16844	14079	2765
2.3.2 अन्य	1007	1	1006	113	0	113
2.4 रुपया ऋण चुकौती		7	-7		7	-7
2.5 अन्य पूंजी	12304	11107	1197	27119	13292	13827
3 भूल-चूक		431	-431	886		886
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	0	14162	-14162	0	18794	-18794
4.1 आईएमएफ	0	0	0			
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि -/ कमी +)	0	14162	-14162	0	18794	-18794

टिप्पणी: पी: प्रारंभिक पीआर: आंशिकरूप से संशोधित

सं. 39: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(करोड़ ₹)

मद	जनवरी-मार्च 2019 (पीआर)			जनवरी-मार्च 2020 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	2284475	2184661	99814	2419902	2283860	136042
1 चालू खाता (1.1+1.2)	1164009	1196763	-32754	1137275	1133238	4037
1.1 पण्य	615745	863926	-248181	553933	807581	-253649
1.2 अदृश्य मर्दे (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	548264	332837	215427	583342	325657	257686
1.2.1 सेवाएं	385022	234684	150338	384069	224629	159441
1.2.1.1 यात्रा	53440	36030	17411	49657	30461	19197
1.2.1.2 परिवहन	36323	38310	-1987	36311	41701	-5390
1.2.1.3 बीमा	5072	4249	823	4512	3081	1430
1.2.1.4 जीएनआईई	1101	2009	-908	1316	2057	-741
1.2.1.5 विविध	289085	154086	134999	292273	147329	144944
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	151099	11073	140026	168546	15631	152914
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	72520	78297	-5777	83051	86341	-3290
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	7832	4353	3479	7410	9092	-1682
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	5353	2365	2988	4567	2532	2035
1.2.2 अंतरण	126664	12772	113892	148962	15774	133188
1.2.2.1 आधिकारिक	486	1590	-1104	189	2167	-1978
1.2.2.2 निजी	126178	11182	114996	148773	13607	135166
1.2.3 आय	36578	85381	-48803	50311	85253	-34942
1.2.3.1 निवेश आय	28422	81198	-52776	39977	80198	-40221
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	8156	4183	3973	10333	5055	5278
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	1120466	984859	135607	1276212	1150622	125590
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	661194	549446	111748	721222	734119	-12897
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	117377	72131	45246	151075	64481	86594
2.1.1.1 भारत में	108965	39968	68997	139378	29459	109919
2.1.1.1.1 इक्विटी	77934	39718	38216	100781	29401	71380
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	25723	0	25723	27305	0	27305
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	5309	250	5058	11292	58	11234
2.1.1.2 विदेश में	8411	32162	-23751	11697	35022	-23324
2.1.1.2.1 इक्विटी	8411	11860	-3449	11697	15253	-3556
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	5343	-5343	0	5702	-5702
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	14960	-14960	0	14067	-14067
2.1.2 संविभाग निवेश	543817	477315	66502	570147	669638	-99491
2.1.2.1 भारत में	541318	460488	80830	557238	663952	-106714
2.1.2.1.1 एफआईआई	541318	460488	80830	557238	663952	-106714
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	412998	356633	56365	435547	480491	-44945
2.1.2.1.1.2 ऋण	128320	103855	24464	121691	183461	-61770
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	2499	16827	-14328	12909	5686	7223
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	220281	147982	72299	198653	126862	71791
2.2.1 बाह्य सहायता	17999	9166	8833	14475	10277	4198
2.2.1.1 भारत द्वारा	81	209	-128	14	201	-187
2.2.1.2 भारत को	17918	8957	8961	14461	10076	4385
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	126813	73691	53122	118476	43648	74828
2.2.2.1 भारत द्वारा	51389	49334	2055	14351	7622	6729
2.2.2.2 भारत को	75424	24357	51067	104125	36026	68099
2.2.3 भारत को अल्पावधि	75469	65125	10344	65702	72938	-7236
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	70846	65125	5721	65702	70397	-4695
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	4623	0	4623	0	2541	-2541
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	152275	209105	-56830	160037	193379	-33343
2.3.1 वाणिज्य बैंक	145176	209094	-63919	159220	193379	-34160
2.3.1.1 आस्तियां	3121	116581	-113460	34842	73992	-39151
2.3.1.2 देयताएं	142054	92513	49541	124378	119387	4991
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	105531	81492	24039	121926	101911	20016
2.3.2 अन्य	7099	10	7089	817	0	817
2.4 रुपया ऋण चुकौती	0	50	-50	0	50	-50
2.5 अन्य पूंजी	86716	78277	8439	196301	96212	100089
3 भूल-चूक	0	3039	-3039	6415	0	6415
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	0	99814	-99814	0	136042	-136042
4.1 आईएमएफ	0	0	0	0	0	0
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि -/ कमी +)	0	99814	-99814	0	136042	-136042

टिप्पणी: पी: प्रारंभिक पीआर: आशिकरूप से संशोधित

सं. 40: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

मद	जनवरी-मार्च 2019 (पीआर)			जनवरी-मार्च 2020 (प्रा.)		
	जमा	नाम	निवल	जमा	नाम	निवल
	1	2	3	4	5	6
1 चालू खाता (1.अ+1आ+1.इ)	165158	169786	-4628	157116	156531	584
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क+1अ.ख.)	141998	155880	-13883	129586	142601	-13015
1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1.अ.क.3)	87367	122581	-35214	76527	111569	-35042
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	86579	114412	-27832	75738	106394	-30656
1.अ.क.2 वाणिज्य के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	788	0	788	789	0	789
1.अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण		8170	-8170		5175	-5175
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	54630	33299	21331	53060	31033	22027
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्व वाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	78	11	67	66	8	58
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	41	358	-317	41	309	-269
1.अ.ख.3 परिवहन	5154	5436	-282	5016	5761	-745
1.अ.ख.4 यात्रा	7583	5112	2470	6860	4208	2652
1.अ.ख.5 निर्माण	747	625	122	931	708	223
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	720	603	117	623	426	198
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	1111	618	494	1024	1256	-232
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	120	1826	-1706	182	1641	-1459
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	22262	2029	20233	23967	2638	21329
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	10290	11109	-820	11474	11928	-454
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	451	649	-198	588	819	-231
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	156	285	-129	182	284	-102
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं हैं	5917	4638	1279	2105	1046	1059
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	5190	12115	-6925	6950	11778	-4827
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	1157	593	564	1428	698	729
1.आ.2 निवेश आय	3390	11109	-7719	4487	10921	-6434
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	1411	4708	-3297	2163	4654	-2491
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	71	2435	-2364	88	2346	-2259
1.आ.2.3 अन्य निवेश	354	3951	-3596	457	3910	-3452
1.आ.2.4 रिजर्व आस्तियां	1553	15	1538	1778	10	1768
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	643	412	231	1036	159	878
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	17970	1791	16179	20579	2152	18427
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	17903	1587	16317	20553	1880	18673
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	17322	1199	16123	20102	1358	18745
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	581	387	194	451	522	-71
1.इ.2 सामान्य सरकार	67	204	-138	26	272	-247
2. पूंजी खाता (2.1+2.2)	84	167	-83	142	161	-19
2.1 अनुत्पादित वित्तर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	14	94	-81	9	40	-31
2.2 पूंजी अंतरण	70	72	-3	133	121	12
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	158900	153757	5143	176169	177620	-1451
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	16654	10235	6420	20871	8908	11963
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	15461	5671	9790	19255	4070	15185
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	14708	5636	9072	17695	4062	13633
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	11058	5636	5422	13923	4062	9861
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	3650		3650	3772		3772
3.1.अ.2 ऋण लिखत	753	36	718	1560	8	1552
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	753	36	718	1560	8	1552
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	1193	4563	-3370	1616	4838	-3222
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	1193	2441	-1247	1616	2895	-1279
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	1193	1683	-489	1616	2107	-491
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश		758	-758		788	-788
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	2123	-2123	0	1943	-1943
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक		2123	-2123		1943	-1943
3.2 संविभाग निवेश	77162	67726	9436	78767	92511	-13745
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	76807	65338	11469	76983	91726	-14743
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	58600	50602	7998	60171	66381	-6209
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	18207	14736	3471	16812	25345	-8534
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	355	2388	-2033	1783	785	998
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिजर्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	6425	5687	739	11473	9287	2186
3.4 अन्य निवेश	58659	55948	2711	65058	48119	16939
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	15981	11564	4417	16957	14079	2878
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मूवमेंट; एनआरजी)	1007	1	1006	113	0	113
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेने वाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	14974	11563	3411	16844	14079	2765
3.4.2.3 सामान्य सरकार						
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र						
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूंजी)	26172	29862	-3690	23520	20086	3433
3.4.3अ भारत को ऋण	18869	22832	-3963	21535	19006	2529
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	7303	7030	273	1985	1081	904
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	21	364	-344	37	45	-8
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	10708	9241	1468	9077	10076	-1000
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	5777	4917	860	15468	3832	11635
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार						0
3.5 आरक्षित आस्तियां	0	14162	-14162	0	18794	-18794
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण						
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए						
3.5.3 आईएमएफ में रिजर्व निधियों की स्थिति एन.ए						
3.5.4 अन्य रिजर्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	14162	-14162	0	18794	-18794
4. कुल आस्तियां / देयताएं	158900	153757	5143	176169	177620	-1451
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	81302	67117	14184	92776	83455	9321
4.2 ऋण लिखत	71822	67561	4261	67925	71539	-3613
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	5777	19079	-13303	15468	22627	-7159
5. निवल भूल-चूक		431	-431	886		886

टिप्पणी: पी: प्रारंभिक पीआर: आंशिक रूप से संशोधित

सं. 41: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(कोड़ ₹)

मद	जनवरी-मार्च 2019 (पीआर)			जनवरी-मार्च 2020 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
1 चालू खाता (1.अ+1आ+1.इ)	1163995	1196614	-32620	1137271	1133041	4230
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1.अ.ख.)	1000767	1098610	-97843	938002	1032210	-94208
1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1.अ.क.3)	615745	863926	-248181	553933	807581	-253649
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	610190	806347	-196157	548221	770126	-221905
1.अ.क.2 वाणिज्य के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	5555	0	5555	5712	0	5712
1.अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	0	57579	-57579	0	37456	-37456
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	385022	234684	150338	384069	224629	159441
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्व वाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	552	79	473	475	57	418
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	291	2524	-2233	295	2240	-1944
1.अ.ख.3 परिवहन	36323	38310	-1987	36311	41701	-5390
1.अ.ख.4 यात्रा	53440	36030	17411	49657	30461	19197
1.अ.ख.5 निर्माण	5263	4402	861	6740	5124	1616
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	5072	4249	823	4512	3081	1430
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	7832	4353	3479	7410	9092	-1682
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	844	12867	-12023	1319	11876	-10557
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	156901	14303	142598	173487	19096	154390
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	72520	78297	-5777	83051	86341	-3290
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	3178	4571	-1394	4259	5927	-1669
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	1101	2009	-908	1316	2057	-741
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं हैं	41704	32690	9015	15237	7575	7662
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	36578	85381	-48803	50311	85253	-34942
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	8156	4183	3973	10333	5055	5278
1.आ.2 निवेश आय	23889	78292	-54403	32476	79049	-46573
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	9947	33182	-23235	15659	33689	-18030
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	498	17161	-16663	634	16984	-16351
1.आ.2.3 अन्य निवेश	2498	27843	-25345	3311	28299	-24989
1.आ.2.4 रिजर्व आस्तियां	10946	107	10840	12873	76	12797
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	4533	2907	1626	7502	1149	6352
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	126649	12623	114026	148958	15577	133381
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तेतर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	126178	11182	114996	148773	13607	135166
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और/अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	122084	8454	113630	145508	9826	135681
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	4094	2728	1365	3265	3781	-516
1.इ.2 सामान्य सरकार	472	1441	-969	185	1970	-1785
2. पूँजी खाता (2.1+2.2)	589	1176	-587	1027	1167	-140
2.1 अनुत्पादित वित्तेतर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	97	666	-569	67	293	-226
2.2 पूँजी अंतरण	492	510	-18	960	874	85
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	1119892	1083646	36245	1275189	1285693	-10505
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	117377	72131	45246	151075	64481	86594
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	108965	39968	68997	139378	29459	109919
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	103657	39718	63939	128086	29401	98685
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	77934	39718	38216	100781	29401	71380
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	25723	0	25723	27305	0	27305
3.1.अ.2 ऋण लिखत	5309	250	5058	11292	58	11234
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	5309	250	5058	11292	58	11234
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	8411	32162	-23751	11697	35022	-23324
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	8411	17203	-8792	11697	20955	-9257
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	8411	11860	-3449	11697	15253	-3556
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	0	5343	-5343	0	5702	-5702
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	14960	-14960	0	14067	-14067
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	0	14960	-14960	0	14067	-14067
3.2 संविभाग निवेश	543817	477315	66502	570147	669638	-99491
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	541318	460488	80830	557238	663952	-106714
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	412998	356633	56365	435547	480491	-44945
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	128320	103855	24464	121691	183461	-61770
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	2499	16827	-14328	12909	5686	7223
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिजर्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	45285	40078	5206	83046	67224	15822
3.4 अन्य निवेश	413413	394308	19105	470921	348309	122612
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	112631	81503	31128	122743	101911	20832
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मूवमेंट, एनआरजी)	7099	10	7089	817	0	817
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेने वाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	105531	81492	24039	121926	101911	20016
3.4.2.3 सामान्य सरकार	0	0	0	0	0	0
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	0	0	0	0	0	0
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईपीबी और बैंकिंग पूँजी)	184456	210459	-26003	170245	145393	24852
3.4.3अ भारत को ऋण	132986	160916	-27930	155879	137570	18309
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	51470	49543	1927	14365	7823	6542
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	145	2568	-2424	270	328	-58
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	75469	65125	10344	65702	72938	-7236
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	40713	34653	6059	111962	27740	84222
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	0	0	0	0	0	0
3.5 आरक्षित आस्तियां	0	99814	-99814	0	136042	-136042
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	0	0	0	0	0	0
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए.	0	0	0	0	0	0
3.5.3 आईएमएफ में रिजर्व निधियों की स्थिति एन.ए.	0	0	0	0	0	0
3.5.4 अन्य रिजर्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	99814	-99814	0	136042	-136042
4. कुल आस्तियां / देयताएं	1119892	1083646	36245	1275189	1285693	-10505
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	572995	473028	99967	671555	604085	67470
4.2 ऋण लिखत	506184	476152	30032	491672	517827	-26155
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	40713	134467	-93755	111962	163782	-51820
5. निवल भूल-चूक	0	3039	-3039	6415	0	6415

टिप्पणी: पी: प्रारंभिक पीआर: आशिकरूप से संशोधित

सं. 42: अंतरराष्ट्रीय निवेश की स्थिति

(मिलियन अमरीकी डॉलर)

मद	वित्तीय वर्ष/समाप्त तिमाही की स्थिति							
	2019-20		2019				2020	
			मार्च		दिसंबर		मार्च	
	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 विदेश/भारत में प्रत्यक्ष निवेश	182957	418232	169964	399229	179734	426940	182957	418232
1.1 इक्विटी पूंजी और पुनर्निवेशित अर्जन	118442	395426	111122	382105	117163	404393	118442	395426
1.2 अन्य पूंजी	64515	22806	58841	17124	62572	22547	64515	22806
2 संविभाग निवेश	3847	246632	4699	260313	4845	266707	3847	246632
2.1 इक्विटी	602	134778	590	147479	2619	148859	602	134778
2.2 ऋण	3246	111854	4109	112834	2226	117848	3246	111854
3 अन्य निवेश	50999	430081	54187	419087	53415	429303	50999	430081
3.1 व्यापार ऋण	1460	104276	924	105192	2224	105216	1460	104276
3.2 ऋण	6741	180011	9880	167919	6180	177286	6741	180011
3.3 मुद्रा और जमाराशियां	26011	130761	25158	130644	27099	133331	26011	130761
3.4 अन्य आस्तियां/देयताएं	16787	15034	18225	15332	17912	13469	16787	15034
4 रिज़र्व्स	477807		412871		459863		477807	
5 कुल आस्तियां/देयताएं	715610	1094945	641720	1078629	697858	1122950	715610	1094945
6 आईआईपी (आस्तियां - देयताएं)		-379335		-436909		-425092		-379335

भुगतान और निपटान प्रणाली

सं. 43: भुगतान प्रणाली संकेतक भाग I - भुगतान प्रणाली संकेतक - भुगतान तथा निपटान प्रणाली सांख्यिकी

प्रणाली	मात्रा (लाख)				मूल्य (₹ करोड़)			
	विव 2019-20	2019	2020		विव 2019-20	2019	2020	
		जुला.	जून	जुला.		जुला.	जून	जुला.
	1	2	3	4	5	6	7	8
ए. निपटान प्रणाली								
वित्तीय बाजार अवसंरचना (एफएमआई)								
1 सीसीआईएल प्रचलित प्रणाली (1.1 से 1.3)			2.23	2.52			13383223	14102229
1.1 सरकारी प्रतिभूति समाशोधन (1.1.1 से 1.1.3)			1.01	1.22			9590341	9407660
1.1.1 आउटराइट			0.54	0.73			928567	1146554
1.1.2 रेपो			0.27	0.29			4244619	4098668
1.1.3 त्रि-पक्षीय रिपो			0.21	0.20			4417155	4162438
1.2 विदेशी मुद्रा समाशोधन			1.19	1.28			3658697	4544294
1.3 रुपये के डेरिवेटिव @			0.02	0.02			134185	150275
बी. भुगतान प्रणाली								
I वित्तीय बाजार अवसंरचना (एफएमआई)								
1 ऋण अंतरण - आरटीजीएस (1.1 से 1.2)			119.68	124.76			8651978	8335279
1.1 ग्राहक लेनदेन			118.09	123.22			7641700	7137945
1.2 इंटरबैंक लेनदेन			1.59	1.55			1010278	1197334
II खुदरा								
2 ऋण अंतरण - खुदरा (2.1 से 2.7)			20341.65	21832.34			2499421	2587356
2.1 एईपीएस (निधि अंतरण) @			0.89	0.86			47	45
2.2 एपीबीएस \$			1371.10	1182.38			11767	8976
2.3 ईसीएस जमा			0.00	0.00				
2.4 आईएमपीएस			1989.12	2220.99			206951	225775
2.5 एनएसीएच जमा \$			1337.21	1053.54			112236	98909
2.6 एनईएफटी			2274.01	2401.03			1906586	1963113
2.7 यूपीआई @			13369.31	14973.54			261835	290538
2.7.1 जिसमें से यूएसएसडी@			0.85	0.91			15	15
3 डेबिट ट्रांसफर और डायरेक्ट डेबिट (3.1 से 3.4)			837.03	855.71			70703	68356
3.1 भीम आधार पे @			14.67	15.96			186	216
3.2 ईसीएस नामे			0.00	0.00				
3.3 एनएसीएच नामे \$			788.94	801.08			70492	68083
3.4 एनईटीसी (बैंक खाते से जुड़ा) @			33.42	38.67			25	56
4 कार्ड भुगतान (4.1 से 4.2)			4339.15	4578.31			105267	112039
4.1 क्रेडिट कार्ड (4.1.1 से 4.1.2)			1248.55	1319.66			42773	45558
4.1.1 पीओएस आधारित \$			588.58	601.63			19293	20107
4.1.2 अन्य \$			659.97	718.03			23479	25451
4.2 डेबिट कार्ड (4.2.1 से 4.2.1)			3090.60	3258.65			62494	66481
4.2.1 पीओएस आधारित \$			1475.38	1461.94			25788	25821
4.2.2 अन्य \$			1615.22	1796.71			36705	40660
5 प्रीपेड भुगतान लिखत (5.1 से 5.2)			3546.66	3987.42			14494	15521
5.1 वालेट			2905.67	3205.59			12132	12892
5.2 कार्ड (5.2.1 से 5.2.2)			640.98	781.83			2362	2629
5.2.1 पीओएस आधारित \$			35.36	24.49			710	628
5.2.2 अन्य \$			605.62	757.34			1652	2002
6 पेपर-आधारित लिखत (6.1 से 6.2)			496.68	532.38			401666	434072
6.1 सीटीएस (एनपीसीआई प्रबंधित)			496.37	532.24			401441	433799
6.2 अन्य			0.32	0.14			225	272
कुल - खुदरा भुगतान (2 + 3 + 4 + 5 + 6)			29561.16	31786.17			3091551	3217344
कुल भुगतान (1 + 2 + 3 + 4 + 5 + 6)			29680.84	31910.93			11743529	11552623
कुल डिजिटल भुगतान (1 + 2 + 3 + 4 + 5)			29184.16	31378.55			11341863	11118551

भाग II - भुगतान के प्रकार तथा चैनल

प्रणाली	मात्रा (लाख)				मूल्य (₹ करोड़)			
	वि. व. 2019-20	2020			वि. व. 2019-20	2020		
		जुला.	जून	जुला.		जुला.	जून	जुला.
	1	2	3	4	5	6	7	8
ए. अन्य भुगतान चैनल								
1 मोबाइल भुगतान (मोबाइल ऐप आधारित) (1.1 से 1.2)	-	-	16188.00	17281.26	-	-	599381	637489
1.1 इंटर-बैंक \$	-	-	1423.94	1574.10	-	-	118965	130568
1.2 इंटर-बैंक \$	-	-	14764.06	15707.16	-	-	480416	506921
2 इंटरनेट भुगतान (नेटबैंकिंग / इंटरनेट ब्राउज़र आधारित) @ (2.1 से 2.2)	-	-	2431.49	2673.76	-	-	3123215	3251167
2.1 इंटर-बैंक @	-	-	533.60	582.31	-	-	1529247	1595612
2.2 इंटर-बैंक @	-	-	1897.89	2091.45	-	-	1593967	1655556
बी. एटीएम								
3 एटीएम से नकद निकासी (3.1 से 3.3)	-	-	4735.87	4708.63	-	-	231372	234119
3.1 क्रेडिट कार्ड का उपयोग करना \$	-	-	3.23	3.29	-	-	163	167
3.2 डेबिट कार्ड का उपयोग करना \$	-	-	4717.74	4686.13	-	-	230588	233256
3.3 प्री-पेड कार्ड का उपयोग करना \$	-	-	14.91	19.20	-	-	620	697
4 पीओएस पर नकद निकासी \$ (4.1 से 4.2)	-	-	29.42	33.57	-	-	116	136
4.1 डेबिट कार्ड का उपयोग करना \$	-	-	27.82	30.67	-	-	114	132
4.2 प्री-पेड कार्ड का उपयोग करना \$	-	-	1.60	2.90	-	-	3	3
5 माइक्रो एटीएम में नकद निकासी @	-	-	990.75	743.41	-	-	19749	17469
5.1 एईपीएस @	-	-	990.75	743.41	-	-	19749	17469

भाग III - भुगतान अवसंरचना (लाख)

प्रणाली	वि. व. 2019-20	2020		
		जुला.	जून	जुला.
	1	2	3	4
भुगतान प्रणाली अवसंरचना				
1 कार्ड की संख्या (1.1 से 1.2)	-	-	9027.03	9099.87
1.1 क्रेडिट कार्ड	-	-	572.89	576.32
1.2 डेबिट कार्ड	-	-	8454.14	8523.55
2 पीपीआई की संख्या @ (2.1 से 2.2)	-	-	19008.07	19272.63
2.1 वॉलेट @	-	-	17553.64	17749.31
2.2 कार्ड @	-	-	1454.43	1523.32
3 एटीएम की संख्या (3.1 से 3.2)	-	-	2.34	2.34
3.1 बैंक के स्वामित्व वाले एटीएम \$	-	-	2.10	2.10
3.2 व्हाइट लेबल एटीएम \$	-	-	0.24	0.24
4 माइक्रो एटीएम की संख्या @	-	-	2.96	3.06
5 पीओएस टर्मिनलों की संख्या	-	-	50.39	50.80
6 भारत क्यूआर @	-	-	21.51	22.37

@: नवंबर 2019 से नया समावेश

\$: नवंबर 2019 से अलग से शुरू किया गया समावेश - अभी तक अन्य मदों का हिस्सा रहा होगा

नोट: 1. डेटा अनंतिम है।

- कार्ड पेमेंट्स (डेबिट / क्रेडिट कार्ड्स) और प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (पीपीआई) के लिए नवंबर 2019 के डेटा की पहले के महीनों / अवधि के साथ तुलना नहीं हो सकती है, क्योंकि डेटा के परिभाषाओं में संशोधन के साथ अधिक ग्रेन्युलर डेटा प्रकाशित किया जा रहा है।
- केवल घरेलू वित्तीय लेनदेन पर विचार किया गया है। नए प्रारूप में ई-कॉमर्स लेनदेन लिया जाता है; फास्ट टैग लेनदेन; डिजिटल बिल भुगतान और एटीएम आदि के माध्यम से कार्ड-टू-कार्ड ट्रांसफर आदि इसके अलावा, असफल लेनदेन, चार्जबैक, रिवर्सल, एक्सपायर्ड कार्ड / वॉलेट को शामिल नहीं किया गया है।

अवसरिक शृंखला

सं. 44: लघु बचत

(करोड़ ₹)

योजना		2018-19	2019		2020	
			फर.	दिसंबर	जनवरी	फर.
		1	2	3	4	5
1. लघु बचत	प्राप्तियां	115714	9839	15814	15184	16911
	बकाया	918459	899191	1015010	1030037	1046766
1.1 कुल जमाराशियां	प्राप्तियां	91108	7130	12117	11091	11460
	बकाया	618418	606920	693812	704903	716363
1.1.1 डाक घर बचत बैंक जमाराशियां	प्राप्तियां	31037	2360	3455	3106	2690
	बकाया	140247	134863	150462	153568	156258
1.1.2 एमजीएनआरईजी	प्राप्तियां					
	बकाया					
1.1.3 राष्ट्रीय बचत योजना, 1987	प्राप्तियां	-31	-19	-31	-25	-20
	बकाया	3107	2877	2984	2959	2939
1.1.4 राष्ट्रीय बचत योजना, 1992	प्राप्तियां	53	0	-827	-2	-3
	बकाया	10	-8	-18	-20	-23
1.1.5 मासिक आय योजना	प्राप्तियां	10967	928	1753	1712	1887
	बकाया	192658	191653	203460	205172	207059
1.1.6 वरिष्ठ नागरिक योजना, 2004	प्राप्तियां	13990	1184	2070	2133	2131
	बकाया	55708	54446	69464	71597	73728
1.1.7 डाक घर मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	25000	2451	4296	3999	4494
	बकाया	124292	121687	152622	156621	161115
1.1.7.1 1 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	71534	70179	86344	88247	90327
1.1.7.2 2 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	5910	5824	6749	6854	6970
1.1.7.3 3 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	6901	6910	7328	7397	7464
1.1.7.4 5 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	39947	38774	52201	54123	56354
1.1.8 डाक घर आवर्ती जमाराशियां	प्राप्तियां	10081	215	1401	168	281
	बकाया	102401	101407	114842	115010	115291
1.1.9 डाक घर सावधि मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	11	11	0	0	0
	बकाया	-26	-26	-25	-25	-25
1.1.10 अन्य जमाराशियां	प्राप्तियां	0	0	0	0	0
	बकाया	21	21	21	21	21
1.2 बचत प्रमाणपत्र	प्राप्तियां	16067	1732	3326	3524	3937
	बकाया	221517	219257	240900	244267	248022
1.2.1 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VIII निर्गम	प्राप्तियां	11318	1262	2272	2458	2619
	बकाया	98492	94795	110050	112508	115127
1.2.2 इंदिरा विकास पत्र	प्राप्तियां	334	3	0	0	1
	बकाया	263	300	-289	-289	-288
1.2.3 किसान विकास पत्र	प्राप्तियां	-18678	-1609	-971	-1713	-1120
	बकाया	19303	21232	6782	5069	3949
1.2.4 किसान विकास पत्र-2014	प्राप्तियां	23018	2065	2025	2782	2452
	बकाया	93630	91314	113273	116055	118507
1.2.5 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VI निर्गम	प्राप्तियां	93	12	0	-1	0
	बकाया	2	-47	-179	-180	-180
1.2.6 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VII निर्गम	प्राप्तियां	-18	-1	0	-2	-15
	बकाया	-80	-82	-82	-84	-99
1.2.7 अन्य प्रमाणपत्र	बकाया	9907	11745	11345	11188	11006
1.3 लोक भविष्य निधि	प्राप्तियां	8539	977	371	569	1514
	बकाया	78524	73014	80298	80867	82381

स्रोत : महालेखाकार, पोस्ट और टेलीग्राफ।

टिप्पणी: अप्रैल 2017 से प्राप्तियों का डेटा निवल रसीदें हैं, अर्थात् सकल रसीद माइनस सकल भुगतान

सं. 45: केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप

(प्रतिशत)

श्रेणी	केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां				
	2019			2020	
	जून 1	सितंबर 2	दिसंबर 3	मार्च 4	जून 5
(क) कुल (₹ करोड़ में)	6072243	6314426	6512659	6486585	6704983
1. वाणिज्य बैंक	39.05	39.66	39.05	40.41	38.98
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.36	0.42	0.39	0.39	0.36
3. बीमाकृत कंपनियां	24.88	24.86	24.90	25.09	26.24
4. म्यूच्युअल फंड	0.64	0.77	1.53	1.43	2.02
5. सहकारी बैंक	2.17	2.01	1.97	1.90	1.86
6. वित्तीय संस्थाएं	1.05	1.15	1.14	0.53	1.19
7. कॉरपोरेट	0.99	0.92	0.84	0.81	0.78
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	3.27	3.31	3.33	2.44	1.79
9. भविष्य निधियां	5.35	4.87	4.93	4.72	4.96
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	15.67	14.99	14.72	15.13	14.70
11. अन्य	6.57	7.05	7.23	7.17	7.11
11.1 राज्य सरकार	2.02	1.99	1.97	2.05	1.99

श्रेणी	राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां				
	2019			2020	
	जून 1	सितंबर 2	दिसंबर 3	मार्च 4	जून 5
(ख) कुल (₹ करोड़ में)	2826935	2905169	3047353	3265990	3393099
1. वाणिज्य बैंक	32.57	32.53	32.46	34.99	33.54
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.81	0.72	0.64	0.76	0.74
3. बीमाकृत कंपनियां	33.94	33.39	32.50	31.63	30.85
4. म्यूच्युअल फंड	1.24	1.12	1.20	1.14	1.74
5. सहकारी बैंक	4.65	4.24	4.16	4.12	4.38
6. वित्तीय संस्थाएं	0.44	0.33	0.31	0.11	1.96
7. कॉरपोरेट	0.32	0.28	0.31	0.30	0.31
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	0.08	0.05	0.04	0.02	0.02
9. भविष्य निधियां	21.88	22.36	23.66	22.22	21.70
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
11. अन्य	4.08	4.98	4.73	4.71	4.78
11.1 राज्य सरकार	0.14	0.16	0.17	0.18	0.18

श्रेणी	खजाना बिल				
	2019			2020	
	जून 1	सितंबर 2	दिसंबर 3	मार्च 4	जून 5
(ग) कुल (₹ करोड़ में)	524618	538041	514588	538409	881362
1. वाणिज्य बैंक	53.60	50.81	45.19	61.06	46.11
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	1.85	1.92	2.07	2.26	1.48
3. बीमाकृत कंपनियां	5.13	5.55	5.76	7.45	4.64
4. म्यूच्युअल फंड	13.00	14.08	20.42	13.24	23.45
5. सहकारी बैंक	2.54	2.55	2.07	2.55	1.95
6. वित्तीय संस्थाएं	2.14	1.82	2.12	0.58	1.67
7. कॉरपोरेट	1.67	1.57	1.66	1.89	1.43
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9. भविष्य निधियां	0.07	0.01	0.01	0.02	0.05
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00	11.27
11. अन्य	19.99	21.70	20.70	10.95	7.95
11.1 राज्य सरकार	15.59	17.91	16.36	6.22	4.35

सं. 46: केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण

(करोड़ ₹)

मद	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (सं.अ.)	2020-21 (ब.अ.)
	1	2	3	4	5	6
1. कुल वितरण	3760611	4265969	4515946	4592774	5384046	5891729
1.1 गतिविधियां	2201287	2537905	2635110	2561817	3136568	3399617
1.1.1 राजस्व	1668250	1878417	2029044	1969188	2429965	2600308
1.1.2 पूंजी	412069	501213	519356	536064	631770	701186
1.1.3 ऋण	120968	158275	86710	56564	74832	98122
1.2 गैर गतिविधियां	1510810	1672646	1812455	1961322	2163599	2405700
1.2.1 राजस्व	1379727	1555239	1741432	1851432	2049076	2283365
1.2.1.1 ब्याज भुगतान	648091	724448	814757	857042	931418	1043241
1.2.2 पूंजी	127306	115775	69370	108929	113301	120954
1.2.3 ऋण	3777	1632	1654	960	1222	1381
1.3 अन्य	48514	55417	68381	69635	83878	86413
2. कुल प्राप्तियां	3778049	4288432	4528422	4575665	5286292	5953495
2.1 राजस्व प्राप्तियां	2748374	3132201	3376416	3422206	3938252	4364500
2.1.1 कर प्राप्तियां	2297101	2622145	2978134	3009930	3282501	3670364
2.1.1.1 पण्य और सेवाओं पर कर	1440952	1652377	1853859	1844705	1970009	2232599
2.1.1.2 आय और संपत्ति पर कर	852271	965622	1121189	1162411	1308313	1433265
2.1.1.3 संघशासित क्षेत्र (बिना विधान मंडल के) के कर	3878	4146	3086	2814	4180	4500
2.1.2 गैर-कर प्राप्तियां	451272	510056	398282	412276	655751	694136
2.1.2.1 ब्याज प्राप्तियां	35779	33220	34224	35055	32612	30156
2.2 गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियां	59827	69063	142433	138195	124128	230396
2.2.1 ऋण और अग्रिम की वसूली	16561	20942	42213	42587	57120	16526
2.2.2 विनिवेश से प्राप्त राशि	43266	48122	100219	95608	67008	213870
3. सकल वित्तीय घाटा [1-(2.1+2.2)]	952410	1064704	997097	1032373	1321665	1296834
3 क वित्तपोषण के स्रोत : संस्था-वार						
3क.1 घरेलू वित्तपोषण	939662	1046708	989167	1026854	1316732	1292212
3क.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	231090	617123	144792	387091	518093	-----
3क.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि. बैंक का ऋण	60472	195816	-144847	325987	190241	-----
3क.1.2 सरकार को गैर-बैंक ऋण	708572	429585	844375	639763	798639	-----
3क.2 बाह्य वित्तपोषण	12748	17997	7931	5519	4933	4622
3ख. वित्तपोषण के स्रोत : लिखत-वार						
3ख.1 घरेलू वित्तपोषण	939662	1046708	989167	1026854	1316732	1292212
3ख.1.1 बाजार उधार (निवल)	673298	689821	794856	750757	904031	1016941
3ख.1.2 लघु बचत (निवल)	-78515	-105038	-163222	-198597	-311548	-286577
3ख.1.3 राज्य भविष्य निधियां (निवल)	35261	45688	42351	40944	35814	37517
3ख.1.4 आरक्षित निधियां	-3322	-6436	18423	-18298	-241	2978
3ख.1.5 जमाराशियां और अग्रिम	13470	17792	25138	66289	32949	35987
3ख.1.6 नकद शेष	-17438	-22463	-12476	17108	97754	-61765
3ख.1.7 अन्य	316908	427343	284095	368651	557975	547131
3ख.2 बाह्य वित्तपोषण	12748	17997	7931	5519	4933	4622
4. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कुल वितरण	27.3	27.7	26.4	24.2	26.5	26.2
5. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कुल प्राप्तियां	27.4	27.9	26.5	24.1	26.0	26.5
6. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर राजस्व प्राप्तियां	20.0	20.3	19.7	18.0	19.4	19.4
7. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कर प्राप्तियां	16.7	17.0	17.4	15.9	16.1	16.3
8. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर सकल वित्तीय घाटा	6.9	6.9	5.8	5.4	6.5	5.8

...: उपलब्ध नहीं। सं.अ.: संशोधित अनुमान, ब.अ.: बजट अनुमान

स्रोत : केन्द्रीय और राज्य सरकारों का बजट दस्तावेज

सं.47: विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता

(करोड़ ₹)

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	जुला. 2020 के दौरान					
		विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ)		अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए)		ओवरड्राफ्ट (ओडी)	
		प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या
1	2	3	4	5	6	7	
1	आंध्र प्रदेश	1163	31	1359	26	233	2
2	अरुणाचल प्रदेश	-	-	-	-	-	-
3	असम	-	-	-	-	-	-
4	बिहार	-	-	-	-	-	-
5	छत्तीसगढ़	-	-	-	-	-	-
6	गोवा	138	20	37	15	-	-
7	गुजरात	-	-	-	-	-	-
8	हरियाणा	358	16	164	10	-	-
9	हिमाचल प्रदेश	-	-	499	24	108	5
10	जम्मू और कश्मीर	-	-	773	29	-	-
11	झारखंड	-	-	-	-	-	-
12	कर्नाटक	-	-	-	-	-	-
13	केरल	230	6	316	5	-	-
14	मध्य प्रदेश	-	-	-	-	-	-
15	महाराष्ट्र	-	-	-	-	-	-
16	मणिपुर	51	12	58	9	-	-
17	मेघालय	-	-	-	-	-	-
18	मिज़ोरम	-	-	-	-	-	-
19	नगालैंड	340	31	135	27	96	7
20	उड़ीसा	-	-	-	-	-	-
21	पुदुचेरी	50	8	-	-	-	-
22	पंजाब	297	10	120	5	-	-
23	राजस्थान	-	-	-	-	-	-
24	तमिलनाडु	-	-	-	-	-	-
25	तेलंगाना	1344	31	1278	29	286	10
26	त्रिपुरा	-	-	-	-	-	-
27	उत्तराखंड	-	-	-	-	-	-
28	उत्तरप्रदेश	144	4	-	-	-	-
29	पश्चिम बंगाल	1401	14	558	8	-	-

टिप्पणी : 31 अक्टूबर 2019 से जम्मू और कश्मीर राज्य संवैधानिक रूप से मौजूद नहीं है और उस राज्य की देनदारियाँ जम्मू और कश्मीर के नए केंद्र शासित प्रदेश की देनदारियों के रूप में बनी हुई हैं।

स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक।

सं.48: राज्य सरकारों द्वारा किए गए निवेश

(करोड़ ₹)

क्र.सं.	राज्य /संघ शासित प्रदेश	जुला. 2020 के अंत तक			
		समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ)	गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ)	सरकारी प्रतिभूतियाँ	निलामी खजाना बिल (एटीबी)
	1	2	3	4	5
1	आंध्र प्रदेश	8199	808	--	-
2	अरुणाचल प्रदेश	1411	2	--	-
3	असम	4390	54	--	-
4	बिहार	6924	--	--	-
5	छत्तीसगढ़	4386	--	1	4750
6	गोवा	589	296	--	-
7	गुजरात	11947	477	--	-
8	हरियाणा	2067	1191	--	-
9	हिमाचल प्रदेश	--	--	--	-
10	जम्मू और कश्मीर	--	--	--	-
11	झारखंड	--	--	--	-
12	कर्नाटक	4204	--	--	6000
13	केरल	2125	--	--	-
14	मध्य प्रदेश	--	907	--	-
15	महाराष्ट्र	40813	422	--	16000
16	मणिपुर	375	99	--	-
17	मेघालय	659	36	9	-
18	मिज़ोरम	546	39	--	-
19	नगालैंड	1626	33	--	-
20	उड़ीसा	13289	1445	84	18005
21	पुदुचेरी	289	--	--	1106
22	पंजाब	464	--	8	-
23	राजस्थान	--	--	129	1850
24	तमिलनाडु	6567	--	40	8677
25	तेलंगाना	5605	1219	--	-
26	त्रिपुरा	327	5	--	-
27	उत्तराखंड	278	--	180	-
28	उत्तरप्रदेश	3125	79	--	-
29	पश्चिम बंगाल	10927	526	214	-
	कुल	131131	7637	664	56388

टिप्पणी : 31 अक्टूबर 2019 से जम्मू और कश्मीर राज्य संवैधानिक रूप से मौजूद नहीं है और उस राज्य की देनदारियाँ जम्मू और कश्मीर के नए केंद्र शासित प्रदेश की देनदारियों के रूप में बनी हुई हैं

सं. 49: राज्य सरकारों की बाज़ार उधारियाँ

(करोड़ ₹)

क्र. सं.	राज्य	2018-19		2019-20		2020-21						2020-21 में अब तक कुल राशि उठाई गई है	
		सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	मई		जून		जुला.		सकल	निवल
						सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	
1	आंध्र प्रदेश	30200	23824	42915	33944	5000	4417	4000	3417	5000	4417	19000	16084
2	अरुणाचल प्रदेश	719	693	1366	1287	-	-	-	-	-	-	428	428
3	असम	10595	8089	12406	10496	-	-	-	-	500	500	1000	1000
4	बिहार	14300	10903	25601	22601	-	-	-	-	4000	4000	4000	3000
5	छत्तीसगढ़	12900	12900	11680	10980	-	-	-	-	-	-	-	-
6	गोवा	2350	1850	2600	2000	300	200	200	200	200	200	900	800
7	गुजरात	36971	27457	38900	28600	3000	1793	1500	1500	2700	1950	9280	7323
8	हरियाणा	21265	17970	24677	20677	4000	3200	-	-	2000	2000	11000	9200
9	हिमाचल प्रदेश	4210	2108	6580	4460	-	-	-	-800	500	500	500	-300
10	जम्मू और कश्मीर	6684	4927	7869	6760	500	500	400	400	800	300	2500	1500
11	झारखंड	5509	4023	7500	5656	-	-500	-	-	-	-	-	-500
12	कर्नाटक	39600	31383	48500	42500	2000	2000	3000	3000	5000	5000	12000	12000
13	केरल	19500	14784	18073	12617	3000	3000	2500	2500	1500	1500	12930	12930
14	मध्य प्रदेश	20496	14971	22371	16550	2000	2000	1000	1000	2000	2000	7000	7000
15	महाराष्ट्र	20869	3117	48498	32998	5000	5000	11500	10623	8000	7000	31500	29623
16	मणिपुर	970	667	1757	1254	150	150	100	100	150	150	600	600
17	मेघालय	1122	863	1344	1070	-	-	-	-	200	200	200	200
18	मिज़ोरम	0	-123	900	745	-	-	60	60	150	150	310	210
19	नगालैंड	822	355	1000	423	-	-100	-	-	150	150	350	250
20	उड़ीसा	5500	4500	7500	6500	-	-	-	-	-	-	3000	3000
21	पुदुचेरी	825	475	970	470	-	-	-	-	-	-	-	-
22	पंजाब	22115	17053	27355	18470	1000	1000	1600	1600	1250	1250	5450	4650
23	राजस्थान	33178	20186	39092	24686	4500	4000	7250	3938	6000	5000	20500	15688
24	सिक्किम	1088	795	809	481	-	-	-	-	-	-	467	467
25	तमिलनाडु	43125	32278	62425	49826	8000	8000	9500	8563	10000	8131	35500	32694
26	तेलंगाना	26740	22183	37109	30697	4000	3583	4461	4044	3000	2583	15461	13377
27	त्रिपुरा	1543	1387	2928	2578	-	-	-	-100	-	-	-	-100
28	उत्तराखंड	46000	33307	67453	50494	500	-1500	-	-2033	1000	-	6500	-533
29	उत्तरप्रदेश	6300	5289	5100	4500	-	-	-	-	-	-200	1000	300
30	पश्चिम बंगाल	42828	30431	59242	43132	5000	3500	1000	-	5500	4500	13500	7500
	कुल	478323	348643	634521	487454	47950	40243	48071	38011	59600	51281	214876	178390

- : शून्य

टिप्पणी : 31 अक्टूबर 2019 से जम्मू और कश्मीर राज्य संवैधानिक रूप से मौजूद नहीं है और उस राज्य की देनदारियाँ जम्मू और कश्मीर के नए केंद्र शासित प्रदेश की देनदारियों के रूप में बनी हुई हैं।

स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक।

वर्तमान सांख्यिकी की व्याख्यात्मक टिप्पणियां

सारणी सं. 1

- 1.2 और 6: वार्षिक आंकड़े महीनों के औसत हैं।
- 3.5 और 3.7: वित्त वर्ष में अब तक वृद्धि के अनुपात से संबंधित है।
- 4.1 से 4.4, 4.8, 4.9 और 5 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार से संबंधित है।
- 4.5, 4.6 और 4.7 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार को पांच प्रमुख बैंकों से संबंधित है।
- 4.10 से 4.12 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम निलामी दिन से संबंधित है।
- 4.13 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम दिन से संबंधित है।
- 7.1 और 7.2: विदेशी व्यापार यूएस डॉलर से संबंधित है।

सारणी सं. 2

- 2.1.2 : चुकता पूंजी, आरक्षित निधि और दीर्घावधि परिचालनगत निधि शामिल है।
- 2.2.2 : नकदी, सावधि जमाराशियों और अल्पावधि प्रतिभूतियों/बांडों सहित जैसे - आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी।

सारणी सं. 4

<http://nsdp.rbi.org.in> के 'रिज़र्व टेम्पलेट' के अंतर्गत परिपक्वतावार बकाया फॉर्बर्ड संविदा की स्थिति दर्शायी गयी है।

सारणी सं. 5

अन्य को विशेष पुनर्वित्त सुविधा, अर्थात् एक्विजम बैंक को 31 मार्च 2013 से बंद है।

सारणी सं. 6

- अनुसूचित बैंकों के लिए, मार्च की समाप्ति के आंकड़े सूचना देने के लिए नियत अंतिम शुक्रवार से संबंधित हैं।
- 2.2 : आईएमएफ खाता सं.1 की शेष राशि, आरबीआई कर्मचारी भविष्य निधि, पेंशन निधि, उपदान और अधिवर्षिता निधि शामिल नहीं हैं।

सारणी सं. 7 और 11

सारणी 7 में 3.1 और सारणी 11 में 2.4: आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांड शामिल हैं।

सारणी सं. 8

- एनएम्₂ और एनएम्₃ में एफसीएनआर (बी) जमाराशियां शामिल नहीं हैं।
- 2.4: चुकता पूंजी और आरक्षित राशि शामिल हैं।
- 2.5 : बैंकिंग प्रणाली की अन्य मांग और मीयादी देयताएं शामिल हैं।

सारणी सं. 9

वित्तीय सस्थाओं में एक्विजम बैंक, सिडबी, नाबार्ड और एनएचबी शामिल हैं।
एल₁ और एल₂ मासिक आधार पर और एल₃ तिमाही आधार पर संकलित किए जाते हैं।
जहां आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं वहां अंतिम उपलब्ध आंकड़े पुनः दिए गए हैं।

सारणी सं. 13

कालम सं. (1) (2) और (3) में दर्शाए गए आंकड़ें अंतिम (आरआरबीसहित) और कालम सं. (4) और (5) में दर्शाए गए आंकड़ें अनंतिम (आरआरबी को छोड़कर) हैं।

सारणी सं. 14

कालम सं. (4) और (8) में दर्शाए गए आंकड़ें अनंतिम हैं।

सारणी सं. 15 और 16

डाटा अनंतिम है और चुनिंदा 41 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से संबंधित है जिसमें सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (आईएनजी वैश्य को छोड़कर जिसे अप्रैल 2015 को कोटक महिंद्रा के साथ विलय किया गया है) द्वारा कुल दिये गये कुल खाद्येतर ऋण के 90 प्रतिशत शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अंतर्गत निर्यात ऋण केवल विदेशी बैंक से संबंधित है।

मद 2.1 के अंतर्गत माइक्रो और लघु में विनिर्माण क्षेत्र में माइक्रो और लघु उद्योग को ऋण शामिल है।

मद 5.2 के अंतर्गत माइक्रो और लघु उद्यमों में विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र में माइक्रो तथा लघु उद्यमों को ऋण शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र पुरानी परिभाषा के अनुसार है और दि. 23 अप्रैल 2015 के एफआईडीडी परिपत्र एफआईडीडी.केका.प्लान. बीसी.54/ 04.09.01/2014-15 के अनुरूप नहीं है।

सारणी सं. 17

2.1.1: राज्य सहकारी बैंकों में सहकारी सोसाइटियों द्वारा अनुरक्षित आरक्षित निधि शामिल नहीं है।

2.1.2 : आरबीआई, एसबीआई, आईडीबीआई, नाबार्ड, अधिसूचित बैंकों और राज्य सरकारों से लिए गए ऋण शामिल नहीं है।

4. : आईडीबीआई और नाबार्ड से लिए गए ऋण शामिल हैं।

सारणी सं. 24

प्राथमिक व्यापारियों में, प्राथमिक व्यापारी का कारोबार करने वाले बैंक शामिल हैं।

सारणी सं. 30

प्राइवेट प्लेसमेंट और बिक्री के प्रस्ताव शामिल नहीं हैं।

1: बोनस शेयर शामिल नहीं हैं।

2: संचयी परिवर्तनीय अधिमान शेयर और इक्वी - अधिमान शेयर शामिल हैं।

सारणी सं. 32

आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांडों में निवेश तथा सार्क स्वेप व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त विदेशी मुद्रा और भारत सरकार द्वारा रिज़र्व बैंक को अंतरित एसडीआर शामिल नहीं हैं। अमेरिकी डॉलर में दिखाई गई विदेशी मुद्रा आस्तियों में रिज़र्व में रखी गैर यूएस मुद्राओं (जैसे यूरो, स्टर्लिंग, येन और ऑस्ट्रेलिया डॉलर) के मूल्यवृद्धि/मूल्यहास को शामिल किया गया है। विदेशी मुद्रा धारिता को रूपी-अमेरिकी डॉलर आरबीआई धारिता दरों में परिवर्तित किया गया है।

सारणी सं. 34

1.1.1.1.2 और 1.1.1.1.4 : अनुमान

1.1.1.2 : नवीनतम माह के लिए अनुमान

‘अन्य पूंजी’ एफडीआई उद्यम की मूल और अनुषंगी सस्थांओ/शाखाओं के बीच के ऋण संबंधी लेनदेन से संबंधित है।

हो सकता है कि सूचना देने में हुए समय-अंतराल के कारण ये आँकड़े भुगतान-संतुलन के आंकड़ों से मेल न खाएं।

सारणी सं. 35

1.10 : जर्नलों के लिए अभिदान, विदेश में किए गए निवेशों का अनुरक्षण, छात्र ऋण चुकौती और क्रेडिट कार्ड भुगतान जैसी मदें शामिल हैं।

सारणी सं. 36

सूचकांकों में वृद्धि रुपये की मूल्यवृद्धि या मूल्यहास का संकेतक। 6-मुद्राओंवाले सूचकांक के लिए, आधार वर्ष 2016-17 अस्थिर है जिसे प्रत्येक वर्ष अद्यतन किया जाता है। रीर के आंकड़े उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (संयुक्त) पर आधारित है। इससे संबंधित कार्यपद्धति का विवरण बुलेटिन के दिसंबर 2005 और अप्रैल 2014 अंक में दिया गया है।

सारणी सं. 37

ईसीबी/विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांडों के लिए आवेदनों पर आधारित जिन्हें उस अवधि के दौरान ऋण पंजीकरण संख्या दी गई है।

सारणी सं. 38, 39, 40 और 41

इन सारणियों के संबंध में व्याख्यात्मक टिप्पणियां आरबीआई बुलेटिन 2012 के दिसंबर अंक में उपलब्ध हैं।

सारणी सं. 43

भाग I- ए. भुगतान प्रणाली

1.1.3: प्रतिभूति खंड के अंतर्गत त्रिपक्षीय रेपो का परिचालन 05 नवंबर, 2018 से किया गया है।

भाग I-बी भुगतान प्रणाली

4.1.2: अन्य 'में ई-कॉमर्स लेनदेन और एटीएम के माध्यम से डिजिटल बिल भुगतान आदि शामिल हैं।

4.2.2: अन्य 'में ई-कॉमर्स लेनदेन, कार्ड से कार्ड अंतरण और एटीएम के माध्यम से डिजिटल बिल भुगतान आदि शामिल हैं।

5: दिसंबर 2010 से उपलब्ध है।

5.1: माल और सेवाओं की खरीद और वॉलेट के माध्यम से निधि अंतरण शामिल है।

5.2.2: ऑनलाइन लेनदेन और अन्य लेनदेन के लिए पीपीआई कार्ड का उपयोग शामिल है।

6.1: तीन ग्रेडों से संबंधित - मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नई।

6.2: अन्य 'में गैर-एमआईसीआर लेनदेन शामिल है जो 21 बैंकों द्वारा प्रबंधित समाशोधन केंद्र से संबंधित है।

भाग II- ए अन्य भुगतान चैनल

1: मोबाइल भुगतान -

○ बैंकों और यूपीआई ऐप के मोबाइल ऐप के माध्यम से किए गए लेनदेन शामिल है।

○ जुलाई 2017 के डेटा में केवल व्यक्तिगत भुगतान और मोबाइल के माध्यम से पहल किए गए, संसाधित और अधिकृत किए गए कॉर्पोरेट भुगतान शामिल हैं। अन्य कॉर्पोरेट भुगतान जो मोबाइल के माध्यम से शुरू नहीं किए गए हैं, संसाधित और अधिकृत नहीं हैं, को शामिल नहीं किया गया है।

2: इंटरनेट भुगतान --नेटबैंकिंग 'के माध्यम से केवल ई-कॉमर्स लेनदेन और बैंक की इंटरनेट बैंकिंग वेबसाइट से किया गया वित्तीय लेनदेन शामिल है।

भाग II-बी एटीएम

3.3 और 4.2: केवल बैंक द्वारा जारी पीपीआई से किए गए लेनदेन से संबंधित है।

भाग III. भुगतान प्रणाली अवसंरचना

3: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) और व्हाइट लेबल एटीएम ऑपरेटर्स (डब्ल्यूएलएओ) के एटीएम शामिल हैं। डब्ल्यूएलएओ को अप्रैल 2014 से शामिल किया गया है।

सारणी सं. 45

(-): नगण्य को दर्शाता है।

जून 2016 से टेबल फार्मेट संशोधित किया है, जिसमें केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों सहित राज्य सरकारों की स्वामित्ववाली प्रतिभूतियाँ और खजाना बिलों सहित शामिल है।

राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में उज्ज्वल डिस्कॉ म एश्योरेंस योजना (यूडीएवाई) के अंतर्गत जारी विशेष बान्ड शामिल हैं।

वाणिज्यिक बैंकों के अंतर्गत बैंक के प्राथमिक डीलरों को शामिल किया गया है। तथापि, कुल बकाया प्रतिभूतियों में इसका हिस्सा बहुत कम है।

"अन्य" श्रेणी में राज्य सरकारों, पेंशन निधियां न्यास, संस्थाएं, हिंदू अविभक्त परिवार / वैयक्तिक आदि. शामिल है।

सारणी सं. 46

वर्ष 2011-12 के आधार पर जीडीपी डेटा है। वर्ष 2019-20 का जीडीपी डेटा केंद्रीय सांख्यिकीय कार्यालय द्वारा 29 मई 2020 को जारी राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमान से संबंधित है। वर्ष 2020-21 का जीडीपी डेटा केंद्रीय बजट 2020-21 से लिया गया है। वर्ष 2017-18 तक का डेटा सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश से संबंधित है। 2018-19 से आगे का डेटा अनंतिम हैं और केवल 25 राज्यों से संबंधित है।

राष्ट्रीय आपदा आकस्मिकता निधि व्यय को छोड़कर कुल प्राप्तियां और कुल व्यय।

1 और 2: आंकड़े केंद्र सरकार (एनएसएसएफ की पुनःचुकोती सहित) और राज्य सरकार के निवल चुकोती से संबंधित है।

1.3: राज्य द्वारा स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थानों को दिये गये मुआवजे और कार्य से संबंधित है।

2: यह डेटा केंद्र और राज्य सरकारों को दिये गये उधार प्राप्तियों सहित केंद्र और राज्य सरकारों के नकदी शेष में हुए घटबढ़ से संबंधित निवल को दर्शाते है।

3ए.1.1: आंकड़े भारतीय रिज़र्व बैंक के अभिलेख के अनुसार है।

3बी.1.1: दिनांकित प्रतिभूतियों के माध्यम से उधारियां शामिल हैं।

3बी.1.2: राष्ट्रीय लघु बचत निधि (एनएसएसएफ) द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा विशेष प्रतिभूतियों में किये गये निवल निवेश को दर्शाते है।

3बी.1.6: केंद्र द्वारा राज्य सरकारों को दिये गये अर्थोपाय अग्रिमों सहित।

3बी.1.7: वित्तीय संस्थानों, बीमा और पेंशन निधि, प्रेषण, नकदी शेष निवेश लेखा से लिये गये ऋण, खज़ाना बिलों (364-दिन के खज़ाना बिलों को छोड़कर) सहित।

सारणी सं. 47

राज्य सरकारों द्वारा समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) और निलामी खज़ाना बिल (एटीबी) के शेषों तथा सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए अन्य निवेशों को संपादिक के तौर पर रखते हुए विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ) प्राप्त की जाती है।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा राज्य सरकारों को उनके अल्प कालिक नकदी असंतुलन से निपटने के लिए अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) दिया जाता है।

राज्य सरकारों को उनकी अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) सीमा से अधिक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आग्रिम के तौर पर ओवरड्राफ्ट दिया जाता है।

प्राप्त कुल सहायता (एसडीएफ/डब्ल्यूएमए/ओडी) को उन दिनों की संख्या से भाग देने पर, जिनके लिए माह के दौरान सहायता प्राप्त हुई, औसत राशि प्राप्त होती है।

:- नगण्य

सारणी सं. 48

समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) वे आरक्षित निधियाँ हैं जो कुछ राज्य सरकारों द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के पास रखी जाती हैं।

नीलामी खज़ाना बिलों (एटीबी) में राज्य सरकारों द्वारा प्राथमिक बाज़ारों में निवेश किए गए 91 दिवसीय, 182 दिवसीय तथा 364 दिनों की खज़ाना बिल शामिल हैं।

--: लागू नहीं (इस योजना का सदस्य नहीं है)।

वर्तमान सांख्यिकी संबंधी अवधारणाएं एवं कार्यप्रणालियां भारतीय रिज़र्व बैंक मासिक बुलेटिन के वर्तमान सांख्यिकी संबंधी व्यापक मार्गदर्शिका (<https://rbi.org.in/Scripts/PublicationsView.aspx?id=17618>) में उपलब्ध हैं।

'वर्तमान सांख्यिकी' का टाइम सीरिज डेटा <https://dbie.rbi.org.in> पर उपलब्ध है।

विस्तृत टिप्पणियां भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी संबंधित प्रेस विज्ञप्तियों और बैंक के अन्य प्रकाशनों (जैसे **भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकीय हैंडबुक**) में उपलब्ध हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के प्रकाशन

प्रकाशन का नाम	मूल्य	
	भारत में	विदेश में
1. भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन 2020	₹300 एक प्रति (काउंटर पर) ₹350 एक प्रति (डाक प्रभार सहित) ₹4,200 (डाक प्रभार सहित एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) ₹3,150 (एक वर्ष का रियायती दर*) ₹3,360 (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क - डाक प्रभार सहित [@]) ₹2,520 (एक वर्ष का रियायती दर [@])	15 अमरीकी डॉलर एक प्रति (डाक प्रभार सहित) 180 अमरीकी डॉलर (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
2. भारतीय राज्यों से संबंधित सांख्यिकीय हैंड बुक 2018-19	₹650 (सामान्य) ₹700 (डाक प्रभार सहित)	24 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
3. भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकीय हैंड बुक 2018-19	₹600 (सामान्य) ₹650 (डाक प्रभार सहित) ₹450 (रियायती) ₹500 (रियायती डाक प्रभार सहित)	50 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
4. राज्य वित्त: 2019-20 के बजटों का अध्ययन	₹600 एक प्रति (काउंटर पर) ₹650 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	24 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
5. रिपोर्ट ऑफ दि कमिटी ऑन फुलर कैपिटल अकाउंट कन्वर्टिबिलिटी (तारापोर समिति की रिपोर्ट II)	₹140 एक प्रति (काउंटर पर) ₹170 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	25 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
6. बैंकिंग शब्दावली (2012)	₹80 एक प्रति (काउंटर पर) ₹120 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
7. अनुवाद के विविध आयाम (हिंदी)	₹165 एक प्रति (काउंटर पर) ₹205 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
8. बैंक में राजभाषा नीति का कार्यान्वयन: दशा और दिशा (हिंदी)	₹150 एक प्रति (काउंटर पर) ₹200 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
9. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर खंड 38, 2017	₹200 एक प्रति (काउंटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	18 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
10. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर खंड 39, 2018	₹200 एक प्रति (काउंटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	18 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
11. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर खंड 40, सं. 1, 2019	₹200 एक प्रति (काउंटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	18 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
12. पर्सपेक्टिव्स ऑन सेंट्रल बैंकिंग गवर्नंस; स्पीक (1935-2010) प्लैटिनम जुबिली	₹1400 एक प्रति (काउंटर पर)	50 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)

टिप्पणियां:

- उपर्युक्त प्रकाशनों में से कई प्रकाशन आरबीआई की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर उपलब्ध हैं।
 - टाइम सीरीज डेटा भारतीय अर्थव्यवस्था के डेटाबेस में उपलब्ध हैं (<http://dbie.rbi.org.in>)।
 - भारतीय रिज़र्व बैंक का इतिहास 1935-1997 (4 खंड), वित्तीय संकट के संदर्भ में केन्द्रीय बैंकिंग की चुनौतियां और भारत की क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था: वृद्धि और वित्त भारत के प्रमुख पुस्तक भंडारों में उपलब्ध हैं।
- * भारत में छात्रों, अध्यापकों / व्याख्याताओं, अकादमिक और शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत रियायत दी जाएगी बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।
- @ इलेक्ट्रॉनिक भुगतान को बढ़ावा देने हेतु, घरेलू ग्राहक जो एनईएफटी के माध्यम से भुगतान करना चाहते हैं, उन्हें 20 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है।

सामान्य अनुदेश:

1. बिक्री हुई प्रतियां वापस नहीं ली जाएंगी।
2. प्रकाशन कन्साइनमेंट वीपीपी आधार पर नहीं भेजा जाएगा।
3. जहां कहीं रियायती मूल्य का उल्लेख नहीं है, वहां भारत में छात्रों, अध्यापकों/व्याख्याताओं, अकादमि क और शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत की रियायत दी जाएगी, बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। सामान्यतः प्रकाशन के पिछले अंक उपलब्ध नहीं है।
4. प्रकाशनों की बिक्री तथा वितरण (सोमवार से शुक्रवार) तक, रिपोर्ट और ज्ञान प्रसार प्रभाग, आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, भारिबैं, अमर बिल्डिंग, तल मंजिल, सर पी.एम. रोड, फोर्ट, पोस्ट बॉक्स संख्या 1036, मुंबई - 400 001 पर उपलब्ध हैं। बिक्री अनुभाग का संपर्क नं. 022-2260 3000, विस्तार 4002, ई-मेल: spsdcs@rbi.org.in है।
5. सदस्यता शुल्क मुख्यतः एनईएफटी द्वारा किया जाना चाहिए और अग्रेषणपत्र, जिसके साथ एनईएफटी विवरण संलग्न हो, निदेशक, रिपोर्ट और ज्ञान प्रसार प्रभाग, आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, भारिबैं, अमर बिल्डिंग, तल मंजिल, सर पी.एम. रोड, फोर्ट, पोस्ट बॉक्स संख्या 1036, मुंबई - 400 001।

एनईएफटी फार्म में निम्नलिखित जानकारी भरना अपेक्षित है :

लाभार्थी का नाम	आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, भारिबैंक
बैंक का नाम	भारतीय रिज़र्व बैंक
शाखा तथा पता	फोर्ट, मुंबई
बैंक शाखा का आईएफएससी	RBISOMBPA04
खाते का प्रकार	चालू खाता
खाता संख्या	41-8024129-19
प्रेषक से प्राप्तकर्ता की जानकारी	अभिदाता का नाम..... अभिदाता सं.....

6. प्रकाशनों को शीघ्रताशीघ्र भेजने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। तथापि मांग अधिक होने पर 'पहले आओ, पहले पाओ' आधार पर प्रकाशनों की आपूर्ति की जाएगी। औपचारिकताएं पूरा करने और उसके बाद उपलब्ध प्रकाशनों को भेजने में न्यूनतम एक महीने का समय लगेगा। 'प्रकाशन प्राप्त न होने की शि कायत' 2 महीने के अंदर भेजी जाए।
7. कृपया अपनी अंशदान संख्या, नाम, पता तथा ई-मेल आईडी spsdcs@rbi.org.in पर मेल करें ताकि हम आपसे संपर्क कर सकें।